वर्ष 73 अंक 213 पृष्ठ 12
रीवा, शनिवार 02 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 01, विक्रम संवत् 2083
नगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

"मनुष्यता का अर्थ केवल अपने लिए जीना नहीं है, बल्कि प्रकृति के प्रत्येक जीव के लिए जीवन संभव बनाना है।"
- अज्ञात

बरगी क्रूज हादसा: पायलट समेत 3 बर्खास्त, 1 सस्पेंड, अब तक 9 शव मिले, जांच समिति का गठन

अब प्रदेश के जलाशयों में नहीं चलेंगे क्रूज

विशेष प्रतिनिधि, जबलपुर। नर्मदा के बरगी बांध में जिम्मेदारों की लापरवाही से क्रूज डूबने से मृत पर्यटकों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। तीन बच्चों सहित चार की तलाश 24 घंटे बाद भी जारी है। डैम के अंदर-बाहर चप्पा-चप्पा छान लेने के बाद भी चार लोगों को पता नहीं चल सका है। मृतकों में एक बच्चा है। तीन बच्चे अभी लापता हैं। इन तीन बच्चों में 5 वर्षीय तमिल और उसके पिता कामराज निवासी खमरिया जबलपुर का भी अब तक कोई नहीं चल सका है। जबकि 28 लोगों को घटना के बाद से सुबह तक सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है।

इस बीच, राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश के किसी भी जलाशय में क्रूज संचालन पर रोक लगा दी है। एडवेंचर टूरिज्म के लिए जल्द ही एसओपी बनाई जाएगी। सरकार ने घटना की जांच के लिए उच्च स्तरीय जांच समिति बनाई गई है, जिसमें होमगार्ड एवं नागारिक सुरक्षा के महानिदेशक, सचिव मध्यप्रदेश शासन और जबलपुर संभाग के आयुक्त शामिल होंगे। शासन-प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए क्रूज पायलट महेश पटेल, हेल्पर छोटेलाल गोंड और टिकट काउंटर प्रभारी बृजेंद्र की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी हैं। इनके अलावा होटल मैकल रिसॉर्ट और बोट क्लब बरगी के मैनेजर सुनील मरावी को कार्य में लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। पर्यटन विभाग के रीजनल मैनेजर संजय मल्होत्रा को मुख्यालय अटैच कर उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने घटना स्थल का जायजा लेने के बाद पूरे मामले की जांच समिति को सौंपते हुए जल्द रिपोर्ट मांगी है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को दोपहर बाद जबलपुर के बरगी बांध पहुंचे थे, जहां उन्होंने ■ शेष पृष्ठ 7 पर

मौत भी मां के आंचल से नहीं छुड़ा सकी उसका लाल

इस क्रूज हादसे का क्रूरतम चेहरा शुक्रवार को सामने आया, जब एक मां-बेटे के शव ऊपर उतरने दिखे। लाइफ जैकेट पहने मां अंतिम सांस तक अपने लाल को मौत से बचाती रही। छाती से चिपकाकर उसे दोनों हाथों से जमकर जकड़ी रही और फिर ऐसे ही दोनों दुनिया से विदा हो गए। ममता की इस तस्वीर को देख घाट पर मौजूद हर आंख छलक उठी। यह मां-बेटा परिवार सहित दिल्ली से आए थे। महिला मरीन मैसी के पति प्रदीप, बेटी सिया और महिला के पिता तो किसी तरह बचकर गुरुवार शाम किनारे पर आ गए थे। बेटी सिया को उम्मीद थी कि मां लाइफ जैकेट पहने हैं और 4 वर्षीय भाई त्रिशान को हाथों से जकड़े थी। दोनों सकुशल बाहर आ जाएंगे, लेकिन शुक्रवार सुबह उसकी आधी बात ही सही निकलीं।

तीन बिंदुओं पर होगी जांच

- दुर्घटना के कारणों की शुरुआत से जांच करना
- परिस्थितियों की जांच करना
- घटना के समय प्रोटोकॉल के पालन की जांच करना।

मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवारों के लिए की 4 लाख रुपए की सहायता की घोषणा

विशेष संवाददाता, भोपाल। घटनास्थल का दौरा करने के बाद सीएम ने पीड़ित परिजनों और रेस्क्यू टीम के सदस्यों से भी मुलाकात की। सीएम ने कहा कि दुर्घटना में रेस्क्यू टीम के जिन सदस्यों ने लोगों को पानी से बाहर निकाला, उनका 15 अगस्त को सम्मान किया जाएगा। रेस्क्यू टीम के सदस्यों को 51-51 हजार रुपए दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने क्रूज दुर्घटना के मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सरकार नौका पर्यटन, क्रूज पर्यटन, एडवेंचर स्पोर्ट्स (पर्यटन) सहित सभी तरह की गतिविधियों के लिए एसओपी तैयार करेंगी, जिससे भविष्य में ऐसी दुर्घटना ने हो। जांच रिपोर्ट में जो भी दोषी होगा,उसे बख्शा नहीं जाएगा। हम सभी को मौसम विभाग की सूचनाओं को गंभीरता से लेना चाहिए।

पीएम ने व्यक्त की शोक संवेदना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुर्घटना पर संवेदना जताते हुए मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख देने का ऐलान किया। पीएम ने एक्स पर शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए लिखा कि सरकार और प्रशासन प्रभावितों की हर संभव सहायता में जुटा हुआ है।

ऑफ बीट

चर्चित चेहरों वाले रोबोट डॉग्स हुए वायरल

जर्मनी के एक म्यूजियम में इन दिनों एक अनोखा और चौंकाने वाला आर्ट इंस्टॉलेशन लोगों का ध्यान खींच रहा है। यहां ऐसे रोबोट डॉग्स प्रदर्शित किए गए हैं, जिनके चेहरे दुनिया के चर्चित उद्योगपतियों, टेक हस्तियों और राजनेताओं जैसे एलन मस्क, मार्क जुकरबर्ग, जेफ बेजोस और किम जोंग उन से मिलते-जुलते नजर आते हैं। इस अनोखे प्रयोग के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इस इंस्टॉलेशन का नाम 'रेगुलर एनिमल्स' है, जिसे प्रसिद्ध अमेरिकी डिजिटल आर्टिस्ट बीपल (माइक विंकलमैन) ने तैयार किया है। यह रोबोट डॉग्स म्यूजियम के अंदर घूमते रहते हैं और दर्शकों के साथ इंटरैक्ट भी करते हैं। इनका डिजाइन ऐसा रखा गया है कि मशीन और इंसान के बीच की सीमा धुंधली नजर आती है।

TATA IPL आईपीएल में आज

चैन्नई बनाम मुंबई
समय : रात 7.30 बजे से
प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर

परिणाम: दिल्ली ने राजस्थान को 7 विकेट से हराया।

संक्षिप्त खबरें

भोपाल व इंदौर में शुरू नहीं हो सकी जनगणना

मुख्य संवाददाता, भोपाल। जनगणना के पहले चरण में प्रदेश में मकानों की गिनती का काम शुरू हो गया है। जानकारी के अनुसार, प्रदेश के लगभग 40 जिलों में मकानों के सारणीयन के लिए प्रगणक और सुपरवाइजर गांवों और शहरों की बस्तियों में पहुंचे। हालांकि, भोपाल-इंदौर समेत प्रदेश के कुछ जिलों में शुक्रवार से मकानों की गिनती शुरू नहीं हो सकी। इसकी वजह सरकारी कर्मचारियों (प्रगणक और सुपरवाइजर) की ट्रेंनिंग खत्म न होना है। भोपाल में 3 मई से मकानों की गिनती के लिए सरकारी अमला घर-घर दस्तक देगा। जनगणना के पहले चरण के दौरान 1 से 30 मई तक सभी 55 जिलों में मकानों के सारणीयन का काम होना है।

मानहानि केस में मान के खिलाफ 20 को सुनवाई

चंडीगढ़, जेएनएन। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को पूर्व विधायक नाजर सिंह मानशाहिया से जुड़े मानहानि मामले में बड़ी राहत मिली है। मानसा अदालत ने मुख्यमंत्री की अपील स्वीकार करते हुए सुनवाई को 20 मई तक स्थगित कर दिया है। दरअसल, इस मामले में अदालत ने 1 मई को भगवंत मान को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के निर्देश दिए थे। साथ ही यह भी कहा गया था कि अनुपस्थित रहने पर उनकी जमानत रद्द करने की कार्रवाई की जा सकती है। हालांकि, मुख्यमंत्री विशेष विधानसभा सत्र में व्यस्त होने के कारण अदालत में पेश नहीं हो सके। मान के वकील ने अदालत में अर्जी देकर बताया कि विधानसभा का विशेष सत्र होने के चलते मुख्यमंत्री का उपस्थित होना संभव नहीं है।

कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 994 रुपए बढ़े

3 हजार रुपए के पार पहुंची कीमत सभी बड़े शहरों में

दो माह में कुल 1248 रुपए की बढ़ोत्तरी

प्रदेश में पिछले दो महीनों में ही कुल 1248 रुपए तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। स्थिति इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि बाजार में गैस सप्लाई केवल 50% तक सीमित बताई जा रही है।

नई दिल्ली, जेएनएन। मई महीने की शुरुआत आम लोगों और कारोबारियों के लिए महंगाई का नया झटका लेकर आई है। देशभर में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर के दामों में एकमुश्त 994 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है। राजधानी दिल्ली में अब 19 किलो का कमर्शियल सिलेंडर 3071.50 रुपए में मिलेगा, जो पहले 2078.50 रुपए का था। इसी तरह कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में भी कीमतों में लगभग समान बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

तेल कंपनियों द्वारा की गई इस वृद्धि का सीधा असर होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों और कैटरिंग व्यवसाय पर पड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इसका असर जल्द ही आम उपभोक्ताओं तक पहुंचेगा, क्योंकि खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ना लगभग तय है। जुलाई तक मध्य प्रदेश में 20 हजार से अधिक शादियां प्रस्तावित हैं। ऐसे में कीमतों में भारी उछाल ने कैटरिंग और होटल व्यवसाय को मुश्किल में डाल दिया है।

500 लोगों के भोजन पर पहले 5 लाख रु. खर्च आता था

50 हजार तक का अतिरिक्त खर्च बढ़ जाएगा।

10% तक वृद्धि हो रही है गैस महंगी होने से खाने की लागत में

छोटू सिलेंडर भी हुआ महंगा

कमर्शियल सिलेंडर के साथ 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडर की कीमत में 261 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। अब इसकी कीमत 813.50 हो गई है, जो पहले 552.50 थी। यह छोटा सिलेंडर, जिसे आमतौर पर 'छोटू' कहा जाता है, बिना एड्रेस प्रूफ के भी खरीदा जा सकता है और इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से प्रवासी मजदूर, छात्र और छोटे दुकानदार करते हैं। ऐसे में इस वर्ग पर महंगाई का अतिरिक्त दबाव बढ़ेगा।

मध्य प्रदेश में असर और ज्यादा गहरा

मध्य प्रदेश में कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में 993 रुपए तक की वृद्धि दर्ज की गई है। प्रमुख शहरों में नए दाम इस प्रकार हैं।

भोपाल: 3074 रुपए
इंदौर: 3179 रुपए
जबलपुर: 3290 रुपए
ग्वालियर: 3296 रुपए
उज्जैन: 3241 रुपए

पेट्रोल-डीजल महंगा होने के संकेत, सरकार बोली- जरूरत पड़ी तो लेंगे फैसला

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, आने वाले समय में ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से इनकार नहीं किया जा सकता। बढ़ते घाटे और वैश्विक ऊर्जा बाजार की स्थिति को देखते हुए सरकार इस पर विचार कर सकती है। हालांकि, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि सरकार देश को वैश्विक झटकों से बचाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने यह भी जोर देकर कहा कि पिछले चार वर्षों से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि नहीं की गई है और यदि जरूरत पड़ी तो ही निर्णय लिया जाएगा। सरकारी तेल कंपनियां पेट्रोल पर करीब 20 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 10 रुपए प्रति लीटर तक नुकसान उठा रही हैं। विशेषज्ञों ने पहले ही संकेत दिए थे कि चुनाव प्रक्रिया खत्म होने के बाद कीमतों में 25 से 28 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ोतरी हो सकती है।

राहुल पर एफआईआर संबंधी याचिका खारिज

नई दिल्ली/प्रयागराज, जेएनएन। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। यह याचिका उनके कथित 'इंडियन स्टेट से लड़ने' वाले बयान को लेकर दायर की गई थी।

न्यायमूर्ति विक्रम डी चौहान की पीठ ने यह फैसला सुनाया। अदालत में यह याचिका सिमरन गुप्ता द्वारा दायर की गई थी, जिसमें संभल की एक निचली अदालत के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया गया था। याचिकाकर्ता का आरोप था कि राहुल गांधी ने 2025 में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी कार्यालय के उद्घाटन के दौरान कहा था कि 'हम अब भाजपा, आरएसएस और भारतीय राज्य से लड़ रहे हैं।' याचिका में इस बयान को आपत्तिजनक बताते हुए कहा गया कि इससे जनभावनाएं आहत हुई हैं और यह देशविरोधी तथा राजद्रोह जैसी श्रेणी में आता है।

ट्रंप बोले- वार्ता जारी पर ईरान का प्रस्ताव संतोषजनक नहीं

दावा: अमेरिका ने ईरान की सैन्य क्षमता को कर दिया है कमजोर

वॉशिंगटन/तेहरान, जेएनएन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी वार्ता पर बड़ा बयान देते हुए कहा है कि युद्ध खत्म करने के लिए ईरान का ताजा प्रस्ताव उन्हें संतोषजनक नहीं लगा। उन्होंने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, 'वे समझौता करना चाहते हैं, लेकिन मैं इससे संतुष्ट नहीं हूं। अब देखना होगा आगे क्या होता है।'

ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि बातचीत अभी जारी है, हालांकि उन्होंने प्रस्ताव की कमियों पर विस्तार से कुछ नहीं कहा। उन्होंने ईरान के नेतृत्व को 'बिखरा हुआ' बताते हुए कहा कि वहां सभी समझौता करना चाहते हैं, लेकिन एकमत नहीं हैं। अमेरिका और ईरान के बीच करीब तीन सप्ताह पहले हुआ संघर्ष विराम अभी तक बना हुआ है, हालांकि दोनों देशों ने एक-दूसरे पर उल्लंघन के आरोप लगाए हैं। वहीं ईरान की ओर से जलडमरूमध्य पर नियंत्रण बनाए रखने से वैश्विक बाजार पर भी दबाव बना हुआ है। ट्रंप ने इस मार्ग को फिर से खोलने के लिए नई योजना का भी संकेत दिया है, जबकि इससे पहले उन्होंने ईरान के उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया था, जिसमें स्ट्रेट खोलने के बदले अमेरिकी नाकेबंदी हटाने की बात कही गई थी।

ईरान को किसी हालत में नहीं बनाने देंगे परमाणु बम

ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने साफ कहा कि 'ईरान को परमाणु हथियार बनाने नहीं दिया जाएगा' और दावा किया कि अमेरिका की कार्रवाई पूरी तरह सफल रही है। ट्रंप के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने ईरान की सैन्य क्षमता को काफी हद तक कमजोर कर दिया है। ट्रंप ने ईरानी सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उसने विरोध प्रदर्शनों के दौरान 42,000 निर्दोष और निहत्थे लोगों की हत्या की है। उन्होंने ईरान को 'उग्रवादी शासन' बताते हुए कहा कि उसकी अर्थव्यवस्था भी अब बुरी तरह प्रभावित हो चुकी है। इससे पहले ट्रंप ने सोशल मीडिया पर चेतावनी देते हुए कहा था कि 'तूफान आगे बढ़ रहा है, इसे कोई नहीं रोक सकता।'

पश्चिम बंगाल में मतदान के बाद भड़की हिंसा, तीन जिलों में झड़पें

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के मतदान के बाद राज्य के कई हिस्सों में हिंसा भड़क गई है। पुलिस के अनुसार, मुर्शिदाबाद, मालदा और उत्तर 24 परगना जिलों में कम से कम तीन बड़ी घटनाएं सामने आई हैं। इन घटनाओं में कई राजनीतिक कार्यकर्ता घायल हुए हैं, जबकि पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं। स्थिति को देखते हुए पूरे राज्य में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। चार मई तक बंगाल को छावनी में तब्दील कर दिया गया है, जहां बड़ी संख्या में पुलिस और केंद्रीय बलों की तैनाती की गई है।

सुवेंदु भी पहुंचे स्ट्रांग रूम: इस बीच भवानीपुर सीट से भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी शुक्रवार को अपने एजेंट के साथ कोलकाता के सखावत मेमोरियल स्कूल स्थित स्ट्रॉन्ग रूम पहुंचे। इसी स्ट्रॉन्ग रूम में एक दिन पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी करीब 4 घंटे तक मौजूद रहीं थीं, जिससे विवाद और गहरा गया है।

15 बूथों पर दोबारा मतदान का फैसला: चुनाव आयोग ने राज्य के 15 बूथों पर पुनर्मतदान कराने का निर्णय लिया है। ये बूथ डायमंड हार्बर (4) और मगराहट पश्चिम (11) क्षेत्रों में हैं, जहां 29 अप्रैल को मतदान के दौरान हिंसा, ईवीएम से छेड़छाड़ और झड़प की शिकायतें सामने आई थीं।

सुप्रीम कोर्ट पहुंची टीएमसी

मतगणना से ठीक पहले टीएमसी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने विशेष पीठ गठित की है। यह पीठ शनिवार को सुबह सुनवाई करेगी। सर्वोच्च न्यायालय के जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ इस मामले पर सुनवाई करेगी। यह याचिका कलकत्ता हाई कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ दायर की गई है, जिसमें मतगणना प्रक्रिया के दौरान केवल केंद्र सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के कर्मचारियों को ही काउंटिंग सुपरवाइजर और असिस्टेंट के रूप में तैनात करने के फैसले को चुनौती देने वाली टीएमसी की अपील खारिज कर दी गई थी।

तमिलनाडु: त्रिची में टीवीके के दफ्तर में आगजनी

त्रिची, जेएनएन। तमिलनाडु के त्रिची जिले में टीवीके (तमिलगा वेत्री कझगम) के एक पार्टी कार्यालय में देर रात अज्ञात बदमाशों ने आग लगा दी। यह घटना त्रिची ईस्ट क्षेत्र में हुई, जहां पार्टी चुनाव मैदान में है। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, दो युवक दोपहिया वाहन पर सवार होकर मौके पर पहुंचे, अस्थायी कार्यालय में आग लगाई और तुरंत वहां से फरार हो गए। घटना के समय कार्यालय खाली था, इसलिए किसी के घायल होने की खबर नहीं है। पार्टी ने इस घटना को राजनीतिक साजिश करार दिया है। हाल ही में जारी एग्जिट पोल में टीवीके के पक्ष में परिणाम आने की संभावना जताई गई थी, जिसके बाद यह घटना हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

टोल सिस्टम अब बिना रुके कटेगा टोल, गाड़ियां 60 से 80 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से सीधे गुजरेंगी

एनएच-48 पर देश का पहला बैरियर-फ्री टोल प्लाजा शुरू

नई दिल्ली/सूरत, जेएनएन। देश में हाईवे नेटवर्क के तेज विस्तार के साथ टोल कलेक्शन सिस्टम भी अब आधुनिक हो गया है। इसी दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मुंबई-दिल्ली नेशनल हाईवे (एनएच-48) पर देश का पहला बैरियर-फ्री टोल प्लाजा शुरू किया गया है। गुजरात के सूरत के पास चोरयासी में बना यह टोल प्लाजा मल्टी-लेन फ्री-फ्लो तकनीक पर आधारित है। इसकी खासियत यह है कि अब वाहन चालकों को टोल देने के लिए रुकना नहीं पड़ेगा गाड़ियां 60 से 80 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से सीधे गुजर सकेंगी और टोल अपने आप कट जाएगा।

वाहन के टोल पार करते ही ड्राइवर को एसएमएस या ऐप नोटिफिकेशन के जरिए भुगतान की पुष्टि मिल जाती है।

सरकार का दावा है कि देशभर में यह सिस्टम लागू होने पर हर साल करीब 1500 करोड़ रुपए के ईंधन की बचत होगी। साथ ही टोल चोरी पर रोक लगने से राजस्व में भी हजारों करोड़ की बढ़ोतरी हो सकती है।

बिना भुगतान भागना मुश्किल: कई लोगों के मन में सवाल है कि अगर फास्टैग नहीं होगा या उसमें बैलेंस नहीं होगा तो क्या होगा? इसके लिए भी सिस्टम में सख्त प्रावधान किए गए हैं।

कैमरे नंबर प्लेट से वाहन मालिक की पहचान कर लेते हैं और टोल बकाया होने पर ई-नोटिस भेजा जाता है। इसके 72 घंटे में भुगतान नहीं करने पर जुर्माना दोगुना हो सकता है। साथ ही बार-बार नियम तोड़ने पर वाहन की रजिस्ट्रेशन, फिटनेस या अन्य सेवाएं रोकी जा सकती हैं। यानी इस सिस्टम में टोल चोरी करना लगभग नामुमकिन होगा।

देशभर में होगा विस्तार: केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के अनुसार, दिसंबर 2026 तक देश के 1000 से ज्यादा टोल प्लाजा को इसी बैरियर-फ्री सिस्टम में बदला जाएगा। सूरत का यह प्लाजा इस तकनीक का पायलट प्रोजेक्ट है

दिल्ली में भी इस दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। मुंडका टोल प्लाजा पर इस सिस्टम की टेस्टिंग चल रही है, जिसे जल्द ही पूरी तरह लागू किया जाएगा। इसी बीच उत्तर प्रदेश में हाल ही में शुरू हुए गंगा एक्सप्रेसवे पर पहले 15 दिनों तक टोल-फ्री रखने का फैसला किया गया है।

इस तरह काम करता है नया सिस्टम

इस टोलिंग सिस्टम में पारंपरिक बैरियर नहीं होते। इसके बजाय सड़क के ऊपर ओवरहेड गैंट्री लगाए गए हैं, जिनमें हाई-रेजोल्यूशन कैमरे, सेंसर और स्कैनिंग डिवाइस लगे होते हैं।

- ये कैमरे एनएनपीआर (ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन) तकनीक से नंबर प्लेट पढ़ते हैं।
- साथ ही आरएफआईडी सेंसर फास्टैग को स्कैन करते हैं।
- इसके बाद टोल की राशि सीधे वाहन मालिक के बैंक खाते या वॉलेट से कट जाती है।
- पूरी प्रक्रिया कुद सेकंड में और पूरी तरह ऑटोमैटिक तरीके से होती है।

नए सिस्टम की खूबियां

- टोल प्लाजा पर रुकने की जरूरत नहीं
- लंबी कतारों और ट्रैफिक जाम से छुटकारा
- ईंधन और समय की बचत
- टोल कलेक्शन में पारदर्शिता
- अतिरिक्त लेन बनाने की जरूरत नहीं

सरकार के सर्कुलर हाईकोर्ट ने किए निरस्त

जूनियर को भी प्राचार्य बना सकेंगी अल्पसंख्यक संस्थाएं

जागरण, ग्वालियर। प्रवेश और फीस से लेकर फीस स्टॉफ की नियुक्ति तक के अधिकारों पर राज्य शासन का कब्जा होने से दुखी अल्प संख्यक संस्थाओं के लिए हाईकोर्ट से राहत भरी खबर आई है। ग्वालियर खंडपीठ की डबल बैंच ने अल्प संख्यक संस्थाओं के हित में बड़ा फैसला सुनाते हुए राज्य शासन के नियमों को दरकिनार कर दिया है। सरकारी सर्कुलर्स को निरस्त करते हुए अदालत ने कहा है कि प्राचार्य की नियुक्ति के लिए अल्प संख्यक पूरी तरह से स्वतंत्र हैं, वे चाहें तो किसी जूनियर टीचर को भी प्राचार्य बना सकते हैं। वरिष्ठता का नियम लगातार राज्य शासन द्वारा संस्थाओं के संवैधानिक अधिकार का हनन नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ की युगलपीठ ने सुनवाई के दौरान सिंगल बैंच का आदेश पलटते हुए अल्प संख्यक संस्थाओं के पक्ष में राहत भरा फैसला सुनाया है। प्राचार्य की नियुक्ति को अल्प संख्यक संस्थाओं का पूर्ण संवैधानिक अधिकार बताते हुए अदालत ने स्पष्ट किया है कि इन संस्थानों को वरिष्ठता का नियम लागू करने के लिए राज्य शासन बाध्य नहीं कर सकती। यह टिप्पणी अदालत ने गुरुवार को विदिशा के एसएसएल जैन पीजी कॉलेज की याचिका की सुनवाई के दौरान की। सुनवाई के दौरान ■ शेष पृष्ठ 7 पर

हाईकोर्ट बोला- संस्थाओं की स्वतंत्रता में दखल नहीं दे सकता शासन

लगातार 3 हार के बाद दिल्ली कैपिटल्स को नसीब हुई जीत, राजस्थान रॉयल्स को 7 विकेट से रौंदा (पेज : 11)

शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय रीवा में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित

रीवा। शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय रीवा द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 7वीं, 8वीं, 9वीं और 11वीं में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विद्यालय के प्राचार्य द्वारा जारी सूचना के अनुसार इन कक्षाओं में अनुसूचित जाति और अन्य बीपीएल कार्डधारी, सामान्य, पिछड़ा एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के बालक-बालिकाओं के लिए रिक्त सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। इस प्रवेश प्रक्रिया के लिए आवेदन पत्र विद्यालय से ही प्राप्त किए जा सकेंगे। प्रवेश परीक्षा पूर्णत: नि:शुल्क रखी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन पत्र प्राप्त करने और उन्हें जमा करने का कार्य 20 जून तक कर सकते हैं। कक्षा 7वीं, 8वीं और 9वीं में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन 23 जून को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक किया जाएगा। जिसमें प्राप्त अंकों की मेरिट लिस्ट के आधार पर चयन होगा। वहीं कक्षा 11वीं के विभिन्न संकायों जैसे गणितए जीव विज्ञान और वाणिज्य में प्रवेश के लिए कक्षा 10वीं में प्राप्त अंकों के आधार पर पृथक.पृथक मेरिट लिस्ट तैयार की जाएगी। प्रवेश के लिए अनिवार्य शर्त यह है कि छात्र या छात्रा ने पिछली कक्षा शैक्षणिक सत्र 2025.26 में बिना किसी गैप के बी ग्रेड अथवा प्रथम श्रेणी में 60 प्रतिशत से ऊपर अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो।

सुरभि मिश्रा की सफलता पर दी बधाई

रीवा। दसवी की बोर्ड परीक्षा में 93.06 अंक लाकर सुरभि मिश्रा ने अपने विद्यालय और परिजनों का मान बढ़ाया है। सुरभि ने सभी विषय मे डिस्टेंसन प्राप्त किया है। सुरभि आनंद नगर बोदा बाग़ की रहने वाली है। सुरभी की माता का मीना मिश्रा एवं पिता दीपक मिश्रा सहित शिवांग, साक्षी, संजीव पाठक , अभिषेक अग्निहोत्री, हिमांशु अग्निहोत्री, सुरेश गोपलानी, राहुल तिवारी, शैलेश आदि ने बधाई दीं है और उनके उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाए दीं है

श्रीकृष्ण और रुक्मिणी का हुआ विवाह, श्रद्धालुओं ने बरसाए फूल

रीवा। अमरैया में आयोजित श्रीमद भागवत कथा के छठवें दिवस के अवसर पर कथा स्थल पर पधारे भाजपा के वरिष्ठ नेता गजेन्द्र दुबे, डॉ ओम प्रकाश द्विवेदी प्रोफ़ेसर आयुर्वेद महाविद्यालय रीवा, बृजेश पाण्डे, वरिष्ठ गुरुदेव पीठाधीश्वर शैलेंद्र महाराज जी से आशिर्वाद प्राप्त किया तथा कथा श्रवण किया। शैलेंद्र महाराज जी द्वारा श्रीमद्भागवत कथा प्रारंभ करते हुए भगवान की अनेक लीलाओं में श्रेष्ठतम लीला रास लीला का वर्णन करते हुए बताया कि रास तो जीव का शिव के मिलन की कथा है। यह काम को बढ़ाने की नहीं काम पर विजय प्राप्त करने की कथा है। इस कथा में कामदेव ने भगवान पर खुले मैदान में अपने पूर्व सामर्थ्य के साथ आक्रमण किया हैइस कथा का लाइव प्रसारण सोशल मीडिया पर भी किया जा रहा है। कथा स्थल में यजमानों सहित कई गणमान्य अतिथियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज करवाई। समस्त भक्त जनों की उपस्थिति रहे।

आज आयेंगे विंध्य विकास प्राधिकरण के नवनियुक्त अध्यक्ष-उपाध्यक्ष

चोरहटा बायपास में भाजपा करेगी भव्य स्वागत एवं अभिनंदन

जागरण, रीवा। विंध्य विकास प्राधिकरण के नवनियुक्त अध्यक्ष पंचूलाल प्रजापति एवं उपाध्यक्ष द्वय डॉ. अजय सिंह व संजय तीर्थवानी अजा रीवा आयेंगे। उनके प्रथम नरागमन पर भाजपा चोरहटा बायपास चंद्रलोक होटल के पास भव्य स्वागत व अभिनंदन करेगी। स्वागत कार्यक्रम दोपहर दो बजे आयोजित किया जायेगा। भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेद्र गुप्ता ने बताया कि चोरहटा बायपास में विशेष स्वागत सभा का आयोजन किया जायेगा जिसमें भाजपा के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल होंगे। स्वागत कार्यक्रम 2:30 बजे का तक चलेगा इसके बाद रैली रीवा की ओर रवाना होगी। दोपहर तीन बजे अटल कुंज परिसर में अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। श्री गुप्ता ने कहा कि यह नियुक्ति विंध्य क्षेत्र के विकास, जनसेवा एवं संगठन के प्रति समर्पित कार्यकर्ताओं के सम्मान का प्रतीक है। भाजपा जिला अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं -पदाधिकारियों एवं मातृशक्ति से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है।

पुस्तक विक्रेता संघ जिला रीवा ने किया नि:शुल्क सार्वजनिक शीतल प्याऊ का उद्घाटन

जागरण, रीवा। पुस्तक विक्रेता संघ जिला रीवा के तत्वावधान में लक्ष्मी स्टेशनरी एंड बुक डिपो, नीम चौराहा बोदा बाग में निशुल्क सार्वजनिक शीतल पेयजल प्याऊ का भव्य उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संघ के संरक्षक नरेंद्र गुप्ता, कमलेश सचदेवा एवं सुनील अग्रवाल के करकमलों से किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भीषण गर्मी में आमजन को शुद्ध व ठंडा पानी उपलब्ध कराना सबसे बड़ा मानव धर्म है। यह सेवा कार्य न केवल सामाजिक जिम्मेदारी का उदाहरण है, बल्कि पुण्य का कार्य भी है। संघ के अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि जल ही जीवन है, जल है तो कल है। संघ के द्वारा यह प्रथम निशुल्क प्याऊ का उद्घाटन है। सभी व्यापारियों से निवेदन है कि वे अपने प्रतिष्ठानों के सामने प्याऊ की व्यवस्था करें। संघ के उपाध्यक्ष कमलेश अग्रवाल ने भी इसे अत्यंत सराहनीय कार्य बताते हुए कहा कि पेयजल व्यवस्था के साथ जल संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। संघ सचिव मयंक गोयल ने जानकारी दी कि रीवा नगर में शीघ्र ही 5 और सार्वजनिक स्थानों पर निशुल्क प्याऊ स्थापित किए जाएंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संघ के सह-मीडिया प्रेमचंद्र गुप्ता ने सभी उपस्थितजनों का स्वागत किया, वहीं संघ के कोषाध्यक्ष श्री आदित्य मिश्रा ने आभार प्रदर्शन किया।

चार्जिंग स्टेशन के अभाव में लटका है इलेक्ट्रॉनिक बसों का संचालन

रीवा से सतना, सीधी और जबलपुर के लिए चलाई जानी हैं 6 इलेक्ट्रानिक बसें

मुंबई की एरोएगल ऑटोमोबाइल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को मिला है टेंडर

जागरण, रीवा

जिले में सूत्र सेवा के तहत इलेक्ट्रानिक-बसों के संचालन चार्जिंग स्टेशन के अभाव में प्रारंभ नहीं हो पा रहा है। इलेक्ट्रानिक बसों के संचालन के लिए रूट तय कर लिया गया है। जनवरी माह में बसें भी आ गई हैं लेकिन ट्रांसपोर्ट नगर में खड़ी हैं। मुंबई के एरोएगल आटोमोबाइल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को इसके संचालन का टेंडर मिला हुआ है। कंपनी द्वारा बसों के संचालन के लिए प्रशासनिक औपचारिकताएं भी पूरी कर ली गई है। रीवा जिले से फिलहाल 6 इलेक्ट्रानिक बसों का संचालन किया जाएगा। ट्रांसपोर्ट नगर में चार्जिंग स्टैशन का निर्माण किया जा रहा है। इसके पूरा होने के बाद ही इलेक्ट्रानिक बसों का संचालन प्रारंभ संभव हो पाएगा। गौरतलब है कि नगर निगम द्वारा 6 इलेक्ट्रानिक बसों के संचालन के लिए पूर्व में चार बार टेंडर किये गये लेकिन किसी से इसके लिए रुचि नहीं दिखाई। पांचवीं बार टेंडर निकालने पर मुंबई की एरोएगल आटोमोबाइल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने प्राप्त किया। आरसीटीएसएल के चीफ आपरेटिंग आफीसर मुरारी कुमार ने बताया कि सूत्र सेवा के तहत इलेक्ट्रानिक-बसों के संचालन के लिए राज्य शासन द्वारा जिले में 6 ई-बसों के संचालन को मंजूरी प्रदान कर दी गई थी। नगर निगम की ओर से शासन को 18 ई-बसों के संचालन का प्रस्ताव भेजा गया था लेकिन मंजूरी 6 बसों की ही मिली। इसके लिए ट्रांसपोर्ट नगर में चार्जिंग स्टेशन बनाया जा रहा है। इसका निर्माण पूरा होने के बाद इलेक्ट्रानिक बसों का संचालन प्रारंभ कर दिया जाएगा। मुरारी कुमार ने बताया कि प्रदूषण पर नियंत्रण पाने के लिए राज्य शासन द्वारा सन् 2020 में डीजल से चलने वाली बसों के प्रस्ताव को खारिज कर ई-बसों के संचालन का निर्णय लिया गया था। पिछले वर्ष राज्य शासन को 18 ई-बसों के संचालन का प्रस्ताव भेजा गया था। जिस पर शासन ने 6 ई-बसों के संचालन को मंजूरी प्रदान कर दी है।

सूत्र सेवा की चल रहीं 23 बसें

जिले में सूत्र सेवा के तहत वर्तमान में लोगों को यातायात सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 23 बसें चलाई जा रही हैं। इसके लिए अभी और बसों के संचालन की आवश्यकता है। शहर का क्षेत्रफल और आबादी बढ़ती जा रही है लेकिन उस अनुपात में शहर में सिटी बस सेवा का संचालन नहीं किया जा रहा है। सिटी बस पर्याप्त संख्या में न होने से ऑटो चालकों द्वारा मनमानी किराया वसूल किया जाता है। किसी भी ऑटो में किराया सूची न होने से अक्सर विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है। इन्हीं सब समस्याओं से छुटकारा दिलाने एवं गरीब जनता को परिवहन की सस्ती एवं वैकल्पिक व्यवस्था मुहैया कराने के उद्देश्य से सन् 2016 में अमृत 1.0 योजना के तहत सरकार ने शहर एवं बाहर के लिए 60 बसों के संचालन का निर्णय लिया था। सितम्बर 2018 में शहर में सूत्र सेवा के नाम से सिटी बसों का संचालन प्रारंभ किया गया। वर्तमान में शहर में और शहर से सटे कस्बों के लिए 11 बसें चलाई जा रहीं हैं। इसके अलावा 6 बसें सतना के लिए, 4 बसें जबलपुर के लिए एवं 2 बसें छतरपुर तक चलाई जा रही हैं।

गुरुवार रात तक तौल का करते रहे इंतजार, नहीं हुई तौल

रीवा। शहर की करहिया मण्डी में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी केन्द्र नियत किए गए हैं, जिसमें खैरा, बिहरा, बहुरीबांध व इटहा खरीदी केन्द्र शामिल हैं, गुरुवार को यहां आए किसानों का गेहूं बारदानों के अभाव में तौला नहीं गया, जिससे सुबह से आए किसान देर रात तक बारदानें आने की आस लगाए रहे, किन्तु बारदाने न आने से उनके गेहूं की खरीदी नहीं हुई, मजबूरी में किसानों को अपनी फसल के साथ मण्डी में ही रात्रि विश्राम करना पड़ा।

मण्डी में गेहूं लेकर आए किसानों ने बताया कि कोई दो दिन से तो कोई तीन दिन से यहीं पड़ा है, बोरियां न होने से उनका गेहूं तौला नहीं जा रहा, खरीदी करने वाले बस यही कहते हैं कि बारदाने आने वाले हैं, आ जाएं तो गेहूं की तौलाई शुरू कर दी जाएगी। किसानों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि समर्थन मूल्य में जिस समय से गेहूं खरीदी की जाना थी उसके पूर्व खरीदी केन्द्रों में किसानों के लिए पर्याप्त व्यवस्था के साथ ही बारदाने, बोरियों में लगाने वाली पर्चियों सहित अन्य आवश्यक जरुरतों की पूर्ति अनिवार्य रूप से की जाना थी, किन्तु खरीदी करने वालों ने ये आवश्यकताएं उपलब्ध नहीं करवाई।

15 दिवस में समस्त कार्य पूर्ण कर जारी करें सीसी: जिला पंचायत सीईओ

जागरण, रीवा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर ने शुक्रवार को जनपद पंचायत सिरमौर का भ्रमण किया गया और एई, उपयंत्री नरेगा एवं जनपद सीईओ के साथ बैठकर जल गंगा संवर्धन अभियान एवं नरेगा के विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उपयंत्री राजेश पाण्डेय, राजीव मेरावी, राजधर द्विवेदी, भोला प्रसाद पटेल, हीरालाल मिश्रा, राहुल मिश्रा साथ जनपद पंचायत के सभी आठों सीएफटी की समीक्षा की गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत व सहायक यंत्री को निर्देशित किया गया कि जल गंगा संवर्धन के समस्त कार्य आगामी 15 दिवस में शत-प्रतिशत पूर्ण होकर सीसी जारी होना चाहिए। साथ ही जनपद पंचायत सीईओ को निर्देशित किया गया कि जिसकी प्रगति न्यून है उन पर अपने स्तर पर कार्यवाही करें और उपयत्रियों के खिलाफ कार्यवाही प्रस्तावित कर जिला पंचायत को भेजें। जिला पंचायत सीईओ ने सभी उपयंत्री, सहायक यंत्री को निर्देश दिए कि अपने-अपने सेक्टर में सतत मॉनिटरिंग करें और कार्य को पूर्ण कराएं। साथ ही यह भी निर्देश दिए कि कोई भी कर्मचारी अवकाश पर न जाएं। कार्य समय पर पूर्ण न होने पर आगामी बैठक में कार्यवाही के लिए तैयार रहें।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के लिए अब तक 4399 लोगों दिया फीडबैक

नगर निगम द्वारा 7 स्टार हासिल करने के लिए किया जा रहा है प्रयास

जागरण, रीवा। नगर निगम द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के लिए तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। सर्वेक्षण के लिए राज्य शासन द्वारा निर्धारित किए गए मालिकों के अनुरूप व्यवस्था की जाकर आम जनता से फीडबैक लिया जा रहा है। नगर निगम प्रशासन का प्रयास है कि इस बार रीवा को 7 स्टार की रैंक मिले। ग़ौरतलब है कि पिछले साल नगर निगम को फाइव स्टार की रैंक मिल चुकी है। इससे नगर निगम रीवा प्रशासन उत्साहित है और शासन द्वारा निर्धारित किए गए मापदंडों को पूरा करने का भरपूर प्रयास किया जा रहा है। नगर निगम के प्रयासों का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि रीवा नगर निगम में स्वच्छता के लिए अब तक लगभग 4000 लोगों ने अपनी राय प्रकट कर चुके हैं। नगर निगम के स्वच्छता पोर्टल में आज की तारीख में 4399 प्रदर्शित हो रहा है। नगर निगम आयुक्त अक्षत जैन के नेतृत्व में स्वच्छता कर्मचारियों की टीम लगातार जुटी हुई है। नगर निगम में घर-घर कचरा संग्रह कर रही गाड़ियों के माध्यम से भी इसका प्रचार प्रसार किया जा रहा है। शहर की सफाई व्यवस्था में विशेष ध्यान दिए जा रहा है। शहर के बड़े नालों सहित सड़के एवं गली मोहल्ला में भी स्वच्छता का असर दिखाई दे रहा है। शहर की गुमटी एवं खेलो में पान गुटको के दाग मिटाने के लिए इन्हें व्यवस्थित किया जा रहा है। निगमायुक्त अक्षत जैन ने शहर के नागरिकों एवं शहर आने वाले बाहरी लोगों से भी अपील की है कि वे स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए किये जा रहे प्रयासों के बारे में अपना आनलाइन फीडबैक अवश्य दें।

जय स्तंभ से लेकर सिरमौर चौराहे तक लग रहे कचरे के ढेर

कचरा एकत्रित तो कर गए, उठाने वाले नहीं आए

जागरण, रीवा। नगर निगम आयुक्त स्वच्छता सर्वेक्षण में शहर को स्वच्छता की श्रेणी में रखने पदभार ग्रहण करते ही लगातार शहर की सफाई व्यवस्था को तवज्जो दे रहे हैं, किन्तु निगम आयुक्त की इस मंशा पर महकमे के मातहत ही पलीता लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे, जिसका एक उदाहरण शुक्रवार सुबह देखने को मिला। शहर में गुरुवार सुबह व रात्रि में तेज आंधी चली थी, जिससे शहर में जगह-जगह जमा कचरा, पॉलीथीन आदि उड़कर सड़कों पर जमा हो गया था, जिससे शहर की सड़कें कचरे से पट गई थी। शुक्रवार सुबह शहर के विभिन्न क्षेत्रोंमें सफाई करनेव ालों ने सफाई तो कर दी और जय स्तंभ चौराहे से लेकर सिरमौर चौराहे तक जगह-जगह सफाई कर कचरे की ढेरियां एकत्रित कर दी, किन्तु कचरा उठाने वाले समय पर नहीं पहुंचे। सुबह 11 बजे तक सफाई कामगारों द्वारा लगाई गई कचरे की ढेरियां यथावत पड़ी रही, कहीं आवारा मवेशी मुंह मार रहे थे तो कहीं आवारा श्वान, जिससे एकत्रित किया गया फिर से बिखर गया।

शहर में कौन कहां रह रहा है, पुलिस को नहीं है जानकारी

शहर के रिहायशी इलाकों में चल रहा अवैध हॉस्टल और किरायेदारी का कारोबार

संपत्तिकर सहित बिजली और पानी के व्यवसायिक भुगतान में भी छिपाया जा रहा तथ्य

मकान मालिकों द्वारा किरायेदारों की पुलिस को नहीं दी जाती सूचना

जागरण, रीवा। शहर के रिहायशी इलाकों में अवैध हॉस्टल और किरायेदारी का कारोबार खूब फल फूल रहा है। मकान मकान मालिक संपत्तिकर सहित बिजली और पानी का व्यवसायिक दर देने से बचने के लिए न तो नगर निगम को सूचित करते हैं और किरायेदारों की सूचना पुलिस थानों को ही देते हैं। इसकी पोल पिछले दिनों शहर के वार्ड 16 में बोरवेल में सीवरेज का पानी निकलने के घटना दौरान भी सामने आ चुकी है। उक्त मोहल्ले में कई ऐसे बड़े मकानों में ताले लटके मिले जहां लोग किरायेदारी का कारोबार करते रहे हैं लेकिन गंदे पानी की समस्या के कारण मकान छोड़कर दूसरे मोहल्लों में रहने चले हैं।

गौरतलब है कि रीवा जिला शिक्षा का बड़ा हब बन चुका है। विद्याध्ययन के लिए निजी कॉलेजों में पढ़ने के लिए सरकार की तरफ से दी जानी वाली स्कॉलरशिप और सरकारी कॉलेजों में फीस में मिलने वाली रियायत की वजह से आसपास के जिलों व पड़ोसी राज्यों से बड़ी संख्या में विद्यार्थी रीवा आते हैं और किराए का आवास लेकर रह रहे हैं। कुछ लोग इन विद्यार्थियों को बेहद सस्ती दर पर ठहराने का इंतजाम कर देते हैं। शहर में कई लोगों का यह कमाई का मुख्य जरिया बना चुका है। एक कमरे में 8 से 10 बेड लगाकर प्रति स्टूडेंट पंद्रह सौ से दो हजार रुपए तक लिए जाते हैं। इस तरह से एक सिंगल रूम प्रति माह 15 से 20 हजार किराया दिलवाता है। मकान मालिकों द्वारा इनके खाने पीने का भी इतजाम किया जाता है इसके लिए कैंटीन का संचालन किया जाता है लेकिन खाद्य विभाग की इन पर कभी नजर नहीं जाती है।

इसके अलावा बिजली बिल भी 10 रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से वसूल किया जाता है लेकिन बिजली विभाग को घरेलू कनेक्शन के हिसाब से बिल दिया जाता है। मुद्दे की बात यह है कि इन किराएदारों की कोई खोज खबर लेने वाला नहीं है। जब कभी कोई किराएदार बड़ी वारदात को अंजाम देता है, तब पुलिस पड़ताल में जुट जाती है। इसके बाद भूल जाती है। शहर में हजारों की संख्या में किराएदारर का कारोबार चल रहा है। इनमें से पुलिस के पास इन किराएदारों की जानकारी नहीं रहती है। किराएदार रखने वालों से नगर निगम को अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ति हो सकती है, परंतु मकान मालिकों के द्वारा नगर निगम को किराएदारों की जानकारी छिपायी जा रही हैं। एक दशक पहले तक शहर के द्वारिका नगर, अर्जुन नगर, उर्रहट, ढेकहा, चिरहुला कॉलोनी, बोदाबाग, अनंतपुर जैसे इलाकों में बड़ी संख्या में हॉस्टल का संचालन प्रारंभ किया गया था हालांकि ये आज भी चल रहे हैं। परंतु अब शहर की घनी बस्तियों रतहरा, गायत्री नगर, शारदा पुरम, पीटीएस, हनुमान नगर, अंबेडकर नगर सहित अन्य तक में नियम विरुद्ध तरीके से हॉस्टलों का संचालन किया जा रहा है। इस कारोबार में अधिकतर सरकारी कर्मचारी भी सलग्न है जो घर बनाकर किराए से करोबार कर रहे हैं और सब मीटर लगाकर अवैध रूप से बिजली का बिल भी वसूल रहे हैं।

गंदे पानी की सप्लाई मिलते ही भागे किरायेदार : अभी पिछले दिनों वार्ड 16 के आजाद नगर में गंदे पानी की सप्लाई का हल्ला मचते के बाद इस मोहल्ले की कई इमारतों में ताला पड़ गया। पता चला कि गंदे पानी की समस्या के कारण लोग किराये का मकान छोड़ कर दूसरे मोहल्लों में रहने के लिए चले गये। इससे पता चलता है कि शहर में हॉस्टल और किरायेदारी का कारोबार कितना मजबूती से चल रहा है।

पानी का यूज कमर्शियल और बिल घरेलू

आम नागरिकों को उपलब्ध कराए जाने वाले पीने के पानी की दर कामर्शियल की अपेक्षा काफी कम होती है। अगर इसका कामर्शियल यूज किया जाता है तो इसमें इजाफा हो जाता है। इन किराएदारों के लिए मकान मालिकों द्वारा बिजली और पानी दोनों का भी दुरुपयोग किया जा रहा है। नलों में टुल्लू पम्प लगाकर पूरा पानी खींच लिया जाता है ताकि किराएदारों को पानी की कमी न हो। इसी तरह से व्यावसायिक बिजली चुकाने की बजाय साधारण घरेलू बिल चुकाया जा रहा है।

किराएदार बन कर रहे शातिर

शहर के गली-मोहल्लों में संचालित होने वाले अवैध हॉस्टलों में छात्रों की आड़ में अपराधी भी रह रहे हैं। शहर में जिस तरह से अपराध बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए इन अवैध किराएदारों की सघन पड़ताल बेहद जरूरी है। अन्य राज्यों से आकर कई अपराधिक पृष्ठभूमि वाले यहां पकड़े भी जा चुके हैं। ऐसे छिप कर रहने किराएदारों का भी खुलासा हो चुका है। पुलिस से बचने के लिए शातिर दिमाग अपराधी किराएदार बनकर रहने लगते हैं और इनके बारे में किसी को भनक तक नहीं लग पाती है। इस तरह से कई फरारी भी काट रहे हैं। इनका पता तब चलता है जब दूसरे राज्यों की पुलिस रीवा में आकर दविश देकर उन्हें पकड़ कर ले जाती है।

अब नहीं चल रहा अभियान

नगर निगम और पुलिस के द्वारा शहर में किराएदारों की खोजबीन करने के लिए कुछ साल पहले अभियान चलाया गया था। पोस्टर और पैम्प्लेट के जरिए लोगों को जागरूक करने का प्रयास भी किया गया था। फिलहाल यह अभियान बंद है। शहर के कई मोहल्लों में आवासों में हॉस्टल खोल दिए गए हैं। ये वो हॉस्टल हैं जिनकी कोई खबर नहीं लग पाती है। जब कभी एक साथ चार-छ: स्टूडेंट दिखते हैं तो पता चलता है कि किराएदार रह रहे हैं। इन आवासों में लायसेंसी हॉस्टलों से कम किराए में रहने की व्यवस्था हो जाती है। यहां तक तो ठीक है, इन हॉस्टलों में रहने वाले लोगों की पहचान होना भी जरूरी है।

कहने के लिए तो कॉलोनियों हैं लेकिन कॉलोनी जैसा भी कुछ नहीं

शहर से सटे अंचलों में कट गई अनेकों कॉलोनियां, मूलभूत सुविधाएं कहीं नहीं

कॉलोनाइजरों के झांसे में आकर हो रहे परेशान

जागरण, रीवा। अवैध व अमानक कॉलोनियों का व्यापार हर ही नहीं बल्कि शहर से सटे ग्रामीण अंचलों में बेखौफ जारी है, शहर से सटे ग्रामों में ही कई भू-माफियाओं ने कृषि भूमि में प्लाटिंग कर लोगों को प्लाट बेच दिए इनमें से लगभग हर कॉलोनी में न तो सड़क निर्माण किया गया है, न ही नाली निर्माण यिका गया है न ही बिजली के खंभे गड़वाए गए हैं, पेयजल की भी कहीं व्यवस्था नहीं है। लोगों ने शहर के समीप होने की लालसा के चलते इन क्षेत्रोंमें अपने प्लाट खरीद कर मकान बना लिए, किन्तु आज भी मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे हैं।

मकान बनाकर पछता रहे लोग : शहर के करहिया से मैदानी की ओर आने वाले मार्ग में लगभग चार कॉलोनियां काटी गई हैं, जिनमें सच्चा नगर, त्रिदण्डी नगर, राधे कॉलोनी सहित मैदानी से दुआरी की ओर जाने वाले मार्ग पर भी बड़ी सी कॉलोनी काटकर यहां प्लाट बेचे गए हैं, इन कॉलोनियों में निवासरत लोगों ने बताया कि किसी को यहां निवास करते हुए पंद्रह वर्ष तो किसी को बीस वर्ष बीत गए हैं, किन्तु आज तक कहीं पर भी नाली निर्माण नहीं किया गया, लोगों ने बताया कि नालियां न होने से घरों से निकलने वाला गंदा पानी सड़क पर भर जाता है, सड़कें न होने से लोग उबड़-खाबड़ सड़क पर चलने को मजबूर हैं, थोड़ी सी बारिश में ही कच्ची सड़क पर कीचड़ हो जाता है। बिजली के खंभे नहीं लगाए गए, जिससे मजबूरन लोगों को बांस की बल्लियों के सहारे बिजली के लगाए गए इक्का-दुक्का खंभों से अपने घरों तक सर्विस लाइन लाइन ले जाना पड़ रही है, आए दिए कभी बल्लियां तो कभी तार टूटते रहते हैं। किसी भी कॉलोनी में पेयजल सुविधा नहीं, पेयजल पाइप लाइन तो ठीक हैंडपंप तक खनन नहीं करवाया गया, जिससे लोग पानी की बूंद-बूंद को तरस रहे हैं। सच्चा नगर वालों ने कई बार नाली निर्माण की मांग की, जिस पर करहिया ग्राम पंचायत द्वारा कार्य की स्वीकृति हुई थी, किन्तु यहां बनने वाली नाली की राशि भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। यही हाल अन्य कॉलोनियों का है। लोगों ने बताया कि वे लोग यहां प्लाट खरीकर मकान बनाने के बाद पछता रहे हैं।

दैनिक जागरण
रीवा, 02 मई, 2026
www.dainikjagranmpcg.com

रीवा जागरण

11 • राज्य • 31 • संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

शहर का तापमान/मौसम
अधिकतम 36.5°c | न्यूनतम 19.6°c
जिले भर में कहीं धूप तो कहीं बादल छाये रहने के आसार

आंधी, चलने, बारिश होने से तापमान में आई गिरावट

जागरण, रीवा। पिछले सप्ताह की तुलना में इस सप्ताह मौसम में शीतलता देखने को मिली। बुधवार व गुरुवार को आसमान पर छाए बादल, तेज हवाएं चलने व बारिश होने से वातावरण में शीतलता रही। गुरुवार को इस सीजन के अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री से. से 7 डिग्री से. कम रहा। अधिकतम तापमान 36.3 डिग्री से. व न्यूनतम तापमान 19.6 डिग्री से. रहा। पिछले दिनों की अपेक्षा में गर्मी का एहसास कम रहा, शुक्रवार को भी मौसम पिछले सप्ताह की तुलना में ठंडक भरा रहा। अप्रैल माह में पड़ रही गर्मी को देखते हुए लोगों का अनुमान था कि यदि इसी प्रकार गर्मी बढ़ती रही तो मई-जून में हालात खराब हो जाएंगे। किन्तु मौसम परिवर्तन से फिलहाल कुछ हद तक लोगों को गर्मी से राहत मिली।

शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
कामता सोनोग्राफी सेन्टर (अल्ट्रासाउण्ड)
डॉ. रश्मी शुक्ला
M.D. (Radio Diagnosis) G.S.V.M. Medical College Kanpur
Ex. J.R. AIIMS New Delhi
Ex. Consultant Radiologist Alpha Imaging & MRI Kanpur
Ex. Consultant Radiologist Noble Hospital Kanpur
ए-ब्लॉक, समदड़िया सेन्टर प्वाइन्ट, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.) 07662-451599,9399312433

जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ पर सख्ती, बिना लाइसेंस संचालित क्लीनिक सील

निरीक्षण के दौरान मिली कमियां, अवैध क्लीनिक व मेडिकलों की जांच शुरू

जागरण,रीवा

स्वास्थ्य विभाग द्वारा अवैध मेडिकल स्टोर व क्लीनिकों पर एक बार फिर कार्यवाही शुरु की गई है। लंबे समय बाद शुरु हुई इस कार्यवाही से हड़कंप मचा रहा। रीवा व मऊगंज जिले में टीम ने शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में संचालित संदिग्ध क्लीनिकों पर आकस्मिक छापामार कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान एक निजी क्लीनिक वोपी विश्वास ग्राम इंटहा कला तहसील नईगढ़ी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नईगढ़ी जिला मऊगंज बिना वैध पंजीयन एवं आवश्यक अनुमतियों के संचालित पाया गया। निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि क्लीनिक में अप्रशिक्षित व्यक्तियों द्वारा मरीजों का उपचार किया जा रहा था, जो कि जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। मौके से विभिन्न प्रकार की एलोपैथिक दवाएं, इंजेक्शन, मेडिकल उपकरण एवं अपूर्ण अभिलेख जब्त किए गए। ब्लॉक गंगेव में संचालित मित्र डेन्टल क्लीनिक डॉ.जावेद मुश्ताक मन्सूरी व डॉ प्रशांत तिवारी डेंटल क्लीनिक में निरीक्षण किया गया जिसमें निरीक्षण के दौरान वैध दस्तावेज पाए गए लेकिन मेडिकल बायो वेस्ट का सही निस्तारण न होने के कारण उनको भीअंतिम चेतावनी देते हुए सुधार हेतु आदेशित किया। सीएमएचओ डॉ यत्नेश त्रिपाठी ने बताया कि संबंधित संचालको के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। क्लीनिक को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया है तथा प्रकरण को आगे की जांच हेतु उच्च अधिकारियों को प्रेषित किया गया है।

लगातार चलेगी कार्यवाही

सीएमएचओ रीवा ने स्पष्ट रूप से कहा कि जिले में किसी भी प्रकार की अवैध चिकित्सा गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे संस्थानों के विरुद्ध लगातार अभियान जारी रहेगा। आमजन से अपील की गई है कि वे केवल पंजीकृत एवं अधिकृत चिकित्सकों से ही उपचार कराएं तथा किसी भी संदिग्ध क्लीनिक की सूचना तुरंत स्वास्थ्य विभाग को दें। इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग की टीम में डॉ.केबी गौतम जिला स्वास्थ्य अधिकारी, ऋतुराज पाठक खंड चिकित्सा अधिकारी नईगढ़ी, ऋषिराज गौतम उप जिला मीडिया अधिकारी, प्रभारी लिपिक मनोज तिवारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

स्टॉफ बदलने की जरूरत

बता दें कि लंबे समय से स्वास्थ्य विभाग में अवैध मेडिकल स्टोर, क्लीनिक सहित पैथालॉजी की जांच के लिए तैनात किया गया स्टॉफ नहीं बदला गया, जबकि इन जिम्मेदारों के रहते हुए अवैध संचालन का ग्राफ बढ़ा ही है घटा नहीं लेकिन इसके बाद भी स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार इन पर मेहरबान है और उन्हीं को इन अवैध गतिविधियों की जांच की जिम्मेदारी दिए बैठे हुए हैं। जबकि यह ऐसे अधिकारी-कर्मचारी हैं कि शिकायत के बाद भी जांच करने नहीं पहुंचते और कथित रूप से आर्थिक लाभ लेकर मौन साध लेते हैं। यदि इन स्टॉफ को बदल दिया जाए तो सुधार हो सकता है।

वैवाहिक कार्यक्रम में पुरानी रंजिश में युवक पर हमला

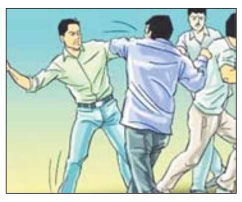

सिविल लाइन थाना क्षेत्र की घटना

जागरण, रीवा। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में एक वैवाहिक कार्यक्रम में पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट का मामला सामने आया। शादी में शामिल कुछ सरहंगो ने मिलकर एक युवक पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है की पुराने विवाद को लेकर आरोपी युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर एक युवक पर हमला कर दिया, इस दौरान बारात में आए लोग बीच बचाव करने पहुंचे तो आरोपी धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। शिकायतकार्म श्यामकली चिकवा ने बताया कि वह अपने रिश्तेदार के यहां वैवाहिक कार्यक्रम में परिवार के साथ आई थी। रात तकरीबन 12.30 बजे मैरिज गार्डन के बाहर गोलू चिकवा और अनिकेत चिकवा के द्वारा पुरानी रंजिश को लेकर कृष्णा चिकवा के ऊपर हमला कर दिया। महिला का आरोप है कि बीच बचाव करने पर उन्होंने महिलाओं के साथ भी धक्का मुक्की की इस दौरान आरोपी अपने साथ हथियार भी लेकर आए थे। फिलहाल विवाद के दौरान बारातियों की भीड़ को देख आरोपी वहां से धमकी देते हुए फरार हो गए। फरियादिया ने बताया कि आरोपी इसके पूर्व भी तीन बार युवक पर हमला कर चुके हैं, और उन्होंने इस बार भी जान से मारने की धमकी दी है। शिकायत के बाद पूरे मामले की जांच सिविल लाइन पुलिस द्वारा की जा रही है।

थानों में अब फाइल-फाइलों से खेलने का दौर खत्म, 14 दिन में करनी होगी कार्रवाई

संज्ञेय अपराधों में एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य

जागरण,रीवा। प्रदेश के थानों में शिकायत लेकर पहुंचने वाले फरियादियों को जांच के नाम पर चक्कर लगवाने वाले पुलिस अधिकारियों पर अब नकेल कसने की तैयारी है। मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय ने एक सर्कुलर जारी करते हुए थानों की कार्यप्रणाली के लिए नई डेडलाइन तय कर दी है। अब किसी भी संज्ञेय अपराध की सूचना मिलते ही पुलिस को न केवल तुरंत भी एक्शन लेना होगा, बल्कि किसी शिकायत आवेदन पर अधिकतम 14 दिनों के भीतर प्रारंभिक जांच पूरी कर रिपोर्ट देनी होगी। पुलिस मुख्यालय के विशेष पुलिस महानिदेशक (अपराध अनुसंधान विभाग) पंकज कुमार श्रीवास्तव द्वारा जारी इस आवेश में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक ललिता कुमारी बनाम उत्तर प्रदेश राज्य मामले के निर्णय का हवाला दिया गया है। पीएचक्यू ने नाराजगी जताई है कि कई जिलों में पुलिस अधिकारी शिकायत मिलने के बाद भी अपराध दर्ज नहीं करते और उसे जांच की अंतहीन प्रक्रिया में डाल देते हैं। अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के नए प्रावधानों के तहत इसे कानूनी रूप से अनिवार्य बना दिया गया है।

महिला अपराध पर 'जीरो टॉलरेंस'

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि महिलाओं के विरुद्ध लैंगिक अपराधों में एफआईआर दर्ज करने में एक मिनट की भी देरी नहीं होनी चाहिए। यदि कोई थाना प्रभारी या विवेचना अधिकारी इसमें कोताही बरतता है, तो उसके खिलाफ सीधे आपराधिक प्रकरण दर्ज करने का प्रावधान किया गया है।

भ्रष्टाचार अचार और पर गिरेगी गाज

पत्र में एक बड़ा खुलासा यह भी किया गया है कि कुछ पुलिस अधिकारी जानबूझकर शिकायतों को लंबित रखते हैं ताकि अनावेदकों (आरोपियों) से अवैध धन की उगाही की जा सके। हाल ही में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने भी एक मामले में बिना एफआइआर दर्ज किए विवेचना शुरू करने पर कड़ी फटकार लगाई थी। नई गाइडलाइन के बाद, यदि कोई अधिकारी जानबूझकर एफआइआर में देरी करता है, तो उसे भ्रष्टाचार की श्रेणी में मानकर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

रास्ता रोकर अधेड़ के साथ मारपीट

सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र की घटना

जागरण, रीवा। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में बीती रात अधेड़ उम्र के व्यक्ति के साथ मारपीट की घटना सामने आई है। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी युवक नशे में थे और उससे पैसे की मांग कर रहे थे इसी बात को लेकर विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। आरोपी युवकों ने बीच सड़क अधर के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दे दिया। घटना एक दिन पूर्व की बताई जा रही है जब रानी तालाब निवासी कलीम अंसारी अपने दुकान से घर की ओर जा रहा था। इसी बीच कुछ युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया। पीड़ित ने बताया कि आरोपी नशे में थे और उससे पैसे की मांग कर रहे थे जब उन्हें पैसा नहीं मिला तोमारपीट की घटना को अंजाम दे दिया इस दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों ने इस पूरे घटना का वीडियो बनाया जो अब वायरल हो रहा है। पीड़ित के द्वारा घटना की शिकायत सिटी कोतवाली थाने में की गई है।

आर्टिका कार की टक्कर से सड़क पर पैदल जा रही महिला की मौत

मृतका के परिजनों की तलाश में जुटी पुलिस, शरीर में बनवाए गए टैटू पर लिखा है प्रीती तिवारी

जागरण, रीवा। गुढ़ थाना क्षेत्र के गेरुई पेट्रोल पम्प के पास सड़क पर पैदल जा रही महिला को एक तेज रफ्तार ने टक्कर मार दी। हादसे में मौके पर ही महिला की मौत हो गई। फिलहाल मृतका की शिनाख्त नहीं हो सकी है। गुढ़ पुलिस के मुताबिक मृतका के हाथ में एक टैटू बना है, जिसमे प्रीती तिवारी लिखा हुआ है। घटना के संबंध में गुढ़ पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक स्थानीय लोगों ने सड़क हादसे की सूचना दी थी। बताया गया कि एक तेज रफ्तार आर्टिका कार महिला को टक्कर मार दी और कार सहित चालक मौके से फरार हो गया। घटना में महिला को गंभीर चोट पहुंची और उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद हाईवे किनारे लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पीएम के लिए संजय गांधी अस्पताल की मर्चुरी में भिजवाया है। खबर लिखे जाने तक मृतका की शिनाख्त नहीं हो सकी थी, पुलिस मर्ग कायम कर महिला व उसके परिजनों की पहचान का प्रयास कर रही है। बताया जा रहा है कि महिला पैदल ही सड़क किनारे जा रही थी, आशंका है कि महिला आसपास के गांव की हो सकती है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मण्डी परिसर से नहीं उठता कचरा, सडांध मार रही सब्जी मंडी

मंडराते रहते हैं आवारा मवेशी, आने-जाने वालों के लिए बने खतरा

जागरण, रीवा। शहर की करहिया सब्जी मण्डी की साफ-सफाई नियमित नहीं की जाती, जिसका उदाहरण पिछले दो-तीन दिनों से यहां कचरे के पड़े ढेर सड़ांध मार रहे हैं। जिससे मण्डी परिसर में दुर्गंध फैल रही है जिससे लोगों को नाक-मुंह बंद करके मण्डी में आना-जाना पड़ रहा है। मण्डी में सड़ रहे कचरे के ढेरों के आसपास आवारा मवेशियों व श्वान का जमघट लगा रहता है, जो यहां आने वाले लोगों के लिए खतरा भी बने हुए हैं।

सफाई के नाम पर निभाई जा रही औपचारिकता : मण्डी सूत्रों की मानें तो प्रतिमाह मण्डी परिसर की सफाई के नाम पर लगभग एक लाख रुपया व्यय किया जा रहा है, किन्तु वास्तविकता में सफाई के नाम पर महज औपचारिकता निभाई जा रही है। यहां लगे कचरे के ढेरों के अलावा जगह-जगह प्लास्टिक की पन्नियां उड़ रही हैं। जगह-जगह बरसात में उगी खरपतवार के अवशेष अभी भी दिखाई पड़ रहे हैं। परिसर के अलावा यहां के सुविधाघर के आसपास गंदगी का अंबार लगा हुआ है, सब्जी व्यापारी कहीं पर भी सड़ी व खराब सब्जियां डाल देते हैं, जो कई दिनों तक वहीं पड़ी रहती है। जिससे पूरा परिसर मंदगी से पटा पड़ा है, यहां व्याप्त कचरा व गंदगी देखकर सहजता से अंदाजा लगाया जा सकता है, कि मण्डी में सफाई के नाम पर सिर्फ कागजों में ही सफाई की जा रही है।

मण्डी गेट पर तरबूज भरा ओवरलोड ऑटो पलटा

रीवा। गिर पड़े तो बोले यहीं उतरना था कहावत को एक तरबूज बेचने वाले ने शुक्रवार सुबह शहर में चरितार्थ करके दिखा दिया। दरअसल हुआ यूं कि एक ऑटो ओवरलोड तरबूज भरकर मण्डी के अंदर जा रहा था, ऑटो की स्पीट अधिक होने व मोड़ पर नियंत्रण न रख पाने के कारण ऑटो मण्डी के गेट के समीप ही पलट गया, लोगों ने दौड़कर ऑटो को सीधा करवाया, किन्तु दुकानदार ने दोबारा ऑटो में तरबूज भरवाने से इंकार कर दिया और मण्डी के गेट पर ही सड़क पर अपनी तरबूज की दुकान सजा ली और 20 रुपए प्रति किलो के मान से यहीं पर तरबूज बेचने लगा। सड़क पर तरबूज का ढेर लग जाने से मण्डी जाने वाले मण्डी से निकलने वाले वाहन चालक परेशान होते रहे, परन्तु मण्डी के जिम्मेदारों ने गेट पर तरबूज बेचने वाले को हटाने की जहमत नहीं उठाई।

श्रमिक दिवस पर विचार गोष्ठी आयोजित

रीवा। सेन्टर ऑफ इण्डियन ट्रेड यूनियन (सीटू) जिला समिति द्वारा मई दिवस के मौके पर विकास कॉलोनी स्थित संगठन के जिला कार्यालय में झण्डा रोहण कर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में बोलते हुए सीटू के जिलाध्यक्ष गिरजेश सिंह सेंगर ने कहा कि 1 मई 1886 को अमरीका के शिकागो शहर में काम के आठ घन्टे की मांग को लेकर हमारे पूर्वजो ने जो जंग छेड़ी थी तथा जिसकी वदौलत श्रमिकों को अधिकार मिले वर्तमान में देश की भाजपा सरकार इस अधिकार को भी लेवर कोड लागू कर खत्म कर दिया है। अब श्रमिकों से 10 से 12 घन्टे काम कराया जाना कानूनी बना दिया गया है। पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए सरकार सभी प्राकृतिक संसाधनों एवं सार्वजनिक उपक्रमों को बेच रही है। श्रमिकों कर्मचारियों के सभी लोकतांत्रिक अधिकार तथा सेवानिवृत्त पर मिलने वाली पेंशन भी बंद कर दी गई है, स्थाई पदों की जगह पर ठेका प्रथा लागू हो गई है। श्रमिक 26 हजार न्यूनतम वेतन की मांग को लेकर संघर्ष में लगे है, लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं है। उन्होने आठ घन्टे कार्य दिवस को बचाने की लड़ाई को महत्वपूर्ण बताते हुए इसके लिए संघर्ष तेज करने का संकल्प मई दिवस के मौके पर लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित श्रमिक नेताओं ने मई दिवस को मेहनतकश आवाम का सबसे बड़ा त्योहार बताते हुए कहा कि यह एक ऐसा पर्व है जिसे देश की सीमायें, भाषाओं की बाधाएं और मजहब की खांईयां भी नहीं तोड़ पाई। पूरी दुनिया के श्रमिक इस दिन एक जुट होकर आवाज उठाते हैं। पूंजीवाद का मुकावला करने के लिए मेहनतकशो की एकता बनाने का संकल्प कार्यक्रम में लिया गया। इस दौरान सीटू के राज्य उपाध्यक्ष किशोरी वर्मा, जिला सचिव सौरभ मिश्रा, अमित सोहगौरा, वीरेश पाण्डेय, रामरती सिंह, अशोक मिश्रा, संजय तिवारी, तेजप्रताप दुवे, अजय शंकर तिवारी, गोकरण शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित रहे।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

खूब खेलो खूब आगे बढ़ो नई-नई स्किल सीखें

जागरण, रीवा। म.प्र. शासन खेल और युवा कल्याण विभाग के तात्वाधान में कलेक्टर/पुलिस अधीक्षक के कुशल मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरती सिंह की उपस्थिति में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर (आरोह 2026) का शुभारंभ स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में किया गया। जिसमें जिला व विकासखण्ड स्तर पर खिलाड़ियों एवं नवीन युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने हेतु तथा उनके समग्र विकास को दृष्टिगत रखते हुये निम्न घटकों- फिट इंडिया मूमेन्ट, व्यक्तिव विकास, संस्कृतिक एवं मनोरंजन, खेल गतिविधियां, फैमली इन्गेजमेंन्ट, सोसायटी इन्गेजमेंन्ट, सामाजिक जागरूकता के माध्यम से ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर (आरोह-2026) लगाया गया हैं। जिसमें अंजली उपनिरीक्षक, चंदन सिंह, मोहन लाल शर्मा, प्रशांत सिह, रमेश कुमार, अंजली रजक, विपिन सेन, सुल्तान जहाँ कॉजी, अनूप पाण्डेय, खेल विभाग के प्रशिक्षक राखी सिंह, अमर सिंह जाटव, रीतिका शर्मा, तोषराम कनोजे, रमेश तिवारी, ब्लाक युवा समन्वयक, ज्योति सिंह, नीरज कुमार द्विवदी, दिलीप सिंह, प्रतिभा खरे, उपस्थित रहे। ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर (आरोह 2026) ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के युवाओं को खेल को सर्व सुलभ बनाने के उद्देश्य से निम्नानुसार खेलो को शामिल किया गया है। जिसमें बास्केटबाल, स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स रीवा एवं सरदार पटेल जेपी स्कूल रीवा, व्हॉलीबाल, टी.आरएस कॉलेज रीवा, स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स रीवा, चिरहुला कॉलोनी रीवा, कबड्डी- सरस्वती स्कूल निराला नगर रीवा, टी.आरएस कॉलेज रीवा, कराते- स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स रीवा, कला मंदिर, महिला सेल्फडिफेन्स- पाण्डेन टोलो, पुलिस लाईन, एथलेटिक्स- स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, टी.आरएस कॉलेज रीवा, फुटबाल- एसएएफ ग्राउण्ड रीवा, स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स रीवा, टी.आरएस कॉलेज, ताईक्वांडो- स्पोट्स कॉम्पलेक्स रीवा, मार्तण्ड स्कूल क्र-03, टेबल-टेनिस- मेडिकल कॉलेज, स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, हैण्डबाल- एनसीसी ग्राउण्ड, अगडॉल, तीरंदाजी- महाराजा पब्लिक स्कूल, बॉक्सिंग- स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, खो-खो- स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, एनसीसी ग्राउण्ड, मॉडल स्कूल, क्रिकेट- एपीएस खेल मैदान, वेटलिप्टिंग- स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, बैडमिन्टन- स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, वेंकट क्लब, शतरंज- स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, बुशू-दून पब्लिक स्कूल शामिल है। ग्रामीण क्षेत्रों में विकासखण्डवार रायपुर कर्चुलियान में फुटबाल, कबड्डी-ज्योति सिंह, 9713583388, ब्लॉक सिरमौर में कबड्डी एवं खो-खो, वंदना सिंह 9644773929, ब्लॉक गंगेव में व्हॉलीबाल एवं एथलेटिक्स विकास कुमार सोनी 9200688980 , ब्लॉक जवा में व्हॉलीबाल एवं एथलेटिक्स नीरज कुमार द्विवेदी 6262252379, ब्लॉक हनुमना में व्हॉलीबाल एवं फुटबाल पुष्पादेवी पटेल 9691047124, ब्लॉक रीवा में फुटबाल एवं कबड्डी दिलीप सिंह 826535-523, ब्लॉक त्योथर में व्हॉलीबाल एवं एथलेटिक्स, प्रतिभा खरे 9981389629, ब्लॉक मऊगंज में फुटबाल एवं कराते अमर पासी 9685074255, ब्लॉक नईगढी आर.जे. खॉन एवं विक्रम दीपांकर से संपर्क कर ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित होने हेतु संम्पर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकतें।

स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स समर कैंप में हेलमेट अनिवार्यता को लेकर चलाया गया जागरुकता अभियान

जागरण, रीवा। सड़क सुरक्षा को लेकर रीवा पुलिस अब पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रही है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक रीवा के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस द्वारा हेलमेट अनिवार्यता को लेकर जिले भर में व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में जहां एक ओर आम नागरिकों को हेलमेट पहनने के फायदे समझाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर नियम तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई भी की जा रही है। शहर के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित समर कैंप के शुभारंभ अवसर पर शुक्रवार को एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरती सिंह, खेल अधिकारी एमके धौलपुरी, सूबेदार यातायात अखिलेश कुशवाहा एवं अंजली गुप्ता सहित अन्य अधिकारियों ने बच्चों और उनके अभिभावकों को हेलमेट पहनने की अनिवार्यता के बारे में विस्तार से जानकारी दी।अधिकारियों ने कहा कि हेलमेट सिर्फ चालान से बचने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा का सबसे महत्वपूर्ण कवच है। बच्चों के माध्यम से परिवारों तक यह संदेश पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि आने वाली पीढ़ी शुरू से ही यातायात नियमों के प्रति जागरूक बने। इसके अलावा यातायात पुलिस द्वारा लगातार चेकिंग अभियान चलाकर बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के चालान काटे जा रहे हैं। इतना ही नहीं, बार-बार नियमों की अनदेखी करने वाले चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित कराने की प्रक्रिया भी तेज कर दी गई है। पुलिस का स्पष्ट संदेश है कि सड़क पर सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

आधुनिक इन्वेस्ट्रैक की अत्याधुनिक शाखा अब रीवा में शुरू

ढेकहा तिराहा स्थित नई ब्रांच में मिलेगी हाईटेक निवेश सुविधाएं

रीवा। ढेकहा तिराहा में इन्वेस्ट्रैक ने अपनी नई अत्याधुनिक शाखा का भव्य शुभारंभ किया। इस अवसर पर कंपनी के डायरेक्टर सुधीश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ नगर निगम अध्यक्ष वेंकटेश पांडे द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात बद्रीका ग्रुप के चेयरमैन सुनील सिंह द्वारा रिबन काटकर इन्वेस्ट्रैक की हाईटेक ब्रांच का उद्घाटन किया गया। उन्होंने बताया कि इस नई शाखा में महानगरों की तर्ज पर आधुनिक तकनीक के माध्यम से निवेश और वित्तीय योजनाओं की सरल एवं सुलभ जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। जिससे ग्राहकों को बेहतर रिटर्न प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। सुनील सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि जिस प्रकार की हाईटेक निवेश सुविधाएं इन्वेस्ट्रैक द्वारा रीवा में उपलब्ध कराई जा रही हैं। उसके लिए पहले लोगों को दिल्ली, मुंबई और इंदौर जैसे बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था। जिससे समय और संसाधनों की काफी हानि होती थी। उन्होंने इस सराहनीय पहल के लिए कंपनी के डायरेक्टर सुधीश मिश्रा एवं कंपनी के सीजीएसओ रवि मिश्रा को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान एनपी मिश्रा, डॉ. सतीश सिंह, राजीव शर्मा, एमपी सिंह, सेमंती सिंह, डॉ. शैलवाला श्रीवास्तव, डॉ. आरपी जोशी अंकुर काकवानी, अमित मंशानी, देवाशीष अवस्थी सहित परिवारजन एवं शहर के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मेट्रो हॉस्पिटल, रीवा
METRO HOSPITAL
आयुष्मान कार्ड के माध्यम से
नि:शुल्क डायलिसिस
सुविधा उपलब्ध है
प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना PM-JAY
24/7 इमरजेंसी सेवा उपलब्ध है
अपॉइंटमेन्ट के लिए सम्पर्क करें:
07662-314775,7771000668,777100669
न्यू बस स्टैंड के पास, शारदा पुरम रोड, रीवा

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

तेल बाजार में बड़े बदलाव की आहट

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने तेल निर्यात करने वाले देशों के 12 सदस्यीय समूह ओपेक से अलग होने का फैसला किया है। यह तेल उत्पादक देशों का ऐसा समूह है जिसने दशकों से तेल बाजार को प्रभावित किया है। ओपेक में तीसरे सबसे बड़े तेल उत्पादक यूएई ने 22 सदस्यीय ओपेक प्लस गठजोड़ से भी अलग होने का निर्णय लिया है। उसके इस निर्णय के लिए आर्थिक और राजनीतिक दोनों तरह की वजहों का हवाला दिया जा रहा है।

आर्थिक मोर्चे पर इससे यूएई को समय के साथ अपनी क्षमता और उत्पादन बढ़ाने का और अधिक अवसर मिलेगा। स्पष्ट रूप से ध्यान कीमत पर नहीं बल्कि मात्रा पर अधिक है। अनुमानों के अनुसार, यूएई के पास प्रतिदिन लगभग 50 लाख बैरल उत्पादन की क्षमता है, लेकिन वर्तमान ओपेक कोटा के तहत उसे केवल लगभग 34 लाख बैरल प्रतिदिन पंप करने की अनुमति दी गई, जिसे वह अनुचित मानता है।

इस प्रकार, वह वैश्विक आपूर्ति को जल्दी बढ़ा सकता है, जिससे कीमतें कम करने में मदद मिलेगी। राजनीतिक मोर्चे पर, यूएई कथित रूप से इस बात से असंतुष्ट है कि क्षेत्र के देश ईरान मामले से कैसे निपटे। हालिया युद्ध के दौरान उसे काफी अधिक हमलों का सामना करना पड़ा। अधिक तेल मात्रा से होने वाली अधिक राजस्व आय पिछले दो महीनों में हुए नुकसान की भरपाई करने में मदद करेगी।

यूएई के बाहर निकलने से ओपेक के भविष्य और वैश्विक तेल कीमतों को प्रभावित करने की उसकी क्षमता पर सवाल उठे हैं। किसी भी स्थिति में, हाल के वर्षों में वैश्विक कच्चे तेल बाजार में उसका प्रभाव घटा है। इसके लिए आंशिक रूप से अमेरिका में बढ़ा हुआ तेल उत्पादन भी योगदान करता है। कई मौकों पर ओपेक सदस्यों ने अधिक तेल पंप किया ताकि कीमतें अपेक्षाकृत कम स्तर पर बनी रहें और अमेरिकी शेल तेल उत्पादन में निवेश को अव्यवहार्य बनाया जा सके। फिर भी, अमेरिका में तेल उत्पादन लगातार बढ़ता रहा है। अब यूएई के बाहर निकलने के साथ, संभव है कि कुछ अन्य ओपेक सदस्य भी निवेश और उत्पादन से संबंधित निर्णय लेने में अधिक स्वतंत्रता पाने के लिए बाहर निकलना चाहें। इससे मध्यम अवधि में वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उल्लेखनीय कमी आ सकती है। किसी भी स्थिति में, अतीत में ऐसे उदाहरण रहे हैं जहां ओपेक सदस्य अपने दिए गए कोटे का पालन नहीं कर पाए, जिससे कीमतों को नियंत्रित करने की क्षमता प्रभावित हुई।

हालांकि यूएई के बाहर निकलने का प्रभाव तभी दिखाई देगा जब होर्मुज स्ट्रेट में दोहरी नाकाबंदी को हटाया जाएगा। वर्तमान स्थिति में, इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं है कि अमेरिका और ईरान के बीच गतिरोध कितने समय तक जारी रहेगा, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। रिपोर्टों से पता चलता है कि ईरान द्वारा दिए गए प्रस्ताव अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को स्वीकार्य नहीं हैं। स्ट्रेट पर अमेरिकी नाकाबंदी के साथ, ट्रंप ईरान पर आर्थिक दबाव डालने की कोशिश कर रहे हैं, जो फिलहाल कारगर नहीं दिख रहा है। इस क्षेत्र से जब तेल आपूर्ति का दोबारा शुरू होना अल्पावधि में अनिश्चित बना हुआ है, ओपेक की कमजोरी मध्यम अवधि में स्थायी रूप से तेल की कीमतें कम करने में मदद कर सकती है।

भारत अपनी कच्चे तेल की खपत के 85 फीसदी से अधिक के लिए आयात पर निर्भर करता है, इसलिए उसे कम कीमतों से लाभ होगा। यूएई भारत के शीर्ष आपूर्तिकर्ताओं में से एक है। दोनों देश अधिक मात्रा में तेल व्यापार के लिए दीर्घकालिक अनुबंध कर सकते हैं, जिससे अधिक स्थिरता और पूर्वानुमान सुनिश्चित होगा। यूएई की पाइपलाइन क्षमता में सुधार की भी उम्मीद है, जिससे होर्मुज स्ट्रेट से बचा जा सकेगा। हालांकि निकट अवधि में लाभ केवल तभी मिलेगा जब पश्चिम एशिया का संकट हल हो जाएगा। बहुत कुछ समाधान की शर्तों पर भी निर्भर करेगा। यदि ईरान को भी स्वतंत्र रूप से तेल बेचने की अनुमति दी जाती है, तो उपलब्धता और बढ़ेगी और आयातकों के लिए कीमतों पर अनुकूल प्रभाव पड़ेगा।

प्रसंगवश

अब स्थायी ऊर्जा समाधान की जरूरत

ग्रिड कंट्रोलर ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल में ही बिजली की अधिकतम मांग का रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचना देश के ऊर्जा तंत्र के लिए एक बड़ी संरचनात्मक चुनौती है। जरूरी है कि साल-दर-साल गंभीर होती इस समस्या का तात्कालिक नहीं, बल्कि स्थायी समाधान ढूंढा जाए। बीते हफ्ते देश में बिजली की अधिकतम मांग का 252 गीगावाट के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचना महज एक आंकड़ा नहीं, बल्कि देश के ऊर्जा तंत्र के सम्मुख खड़ी एक बड़ी संरचनात्मक चुनौती का संकेत है। दरअसल गर्मी की लहरों ने देश के विभिन्न राज्यों को जकड़ना शुरू कर दिया है। लिहाजा, घरेलू व वाणिज्यक क्षेत्रों में एयर कंडीशनर, कूलर और पंखों की होड़ से बिजली ग्रिड पर अभूतपूर्व दबाव पड़ा है। इसी का नतीजा है कि एक ही दिन के भीतर बिजली की मांग का आंकड़ा 240 से 252 गीगावाट तक पहुंच गया, जिसकी पुष्टि ग्रिड कंट्रोलर ऑफ इंडिया की रिपोर्ट से भी होती है।

यहां चिंता सिर्फ इस बात की नहीं है कि मांग बढ़ रही है, बल्कि इसकी भी है कि मांग का यह उछाल अनुमान से पहले और अधिक तीव्रता के साथ सामने आ रहा है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष अप्रैल में बिजली की अधिकतम मांग 235 गीगावाट पर और जून में यह वर्ष के उच्चतम स्तर यानी 242.8 गीगावाट पर पहुंची थी। लेकिन, इस बार गर्मी ने समय से पहले दस्तक दी है और इसके साथ ही देश की बिजली व्यवस्था की वास्तविक परीक्षा भी शुरू हो गई है। हालांकि वर्तमान ऊर्जा संकट केवल गर्मी का ही नहीं, बल्कि बढ़ती शहरी आबादी, बदलती जीवनशैली और दशकों पुरानी बिजली वितरण प्रणाली का मिला-जुला नतीजा है। मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति बढ़ने के साथ ही एयर कंडीशनर अब विलासिता नहीं, बल्कि एक सामान्य जरूरत बन चुके हैं। जब करोड़ों उपकरण एक साथ चलते हैं, तब ग्रिड पर दबाव स्वाभाविक ही इतना बढ़ जाता है कि ट्रिपिंग की घटनाएं आम होने लगती हैं। यहीं से ऊर्जा संकट का सामाजिक पहलू उभरता है।

संपन्न वर्ग तो एसी, फ्रिज, कूलर, इन्वर्टर के सहारे गर्मी से निपट लेता है, लेकिन झुग्गियों में रहने वाले दिहाड़ी मजदूर, किसान और दस मिनट में घर पर सामान पहुंचाने वाले युवक बगैर किसी राहत के इस तपिश को झेलने को मजबूर हैं। हैरानी तो यह है कि हर वर्ष यह संकट आने पर भी नीति-नियंता तदर्थ मोड में ही अधिक दिखते हैं, जबकि जरूरत है एक दीर्घकालिक नीति की। ग्रिडों के आधुनिकीकरण के लिए ठोस निवेश की भी जरूरत है। प्रधानमंत्री रूफटॉप सोलर योजना के तहत अब तक करीब दस लाख घरों में सोलर ऊर्जा पैनल लगाए गए हैं, जिसमें और तेजी लाने की जरूरत है, क्योंकि अगर हर घर अपनी जरूरत की 30-40 फीसदी बिजली खुद पैदा करे, तो राष्ट्रीय ग्रिड पर दबाव कम हो सकता है। राष्ट्रीय ऊर्जा ढांचे को वर्तमान व भविष्य की जरूरतों के आधार पर ढाला जाए, तो यह बिजली के बहुआयामी संकट के स्थायी समाधान की दिशा में अहम कदम होगा।

एग्जिट पोल

ये आंकड़े निष्पक्ष विश्लेषण हैं, या राजनीतिक नैरेटिव गढ़ने का एक माध्यम

क्या मतदाता की चुप्पी को कोई पढ़ पाएगा?

विनोद पाठक

पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुद्दुचेरी के एग्जिट पोल्स सामने आते ही भारतीय राजनीति में एक बार फिर वही पुराना द्वंद्व उभर आया है, क्या ये आंकड़े सच के करीब हैं या फिर यह केवल एक अनुमानित राजनीतिक कथा है? इस बार का चुनाव इसलिए भी खास है, क्योंकि इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की साख, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन का शासन मॉडल और राहुल गांधी की राजनीतिक दिशा, सभी एक साथ कसौटी पर हैं।

पश्चिम बंगाल में एग्जिट पोल्स का गणित जितना रोचक है, उतना ही उलझा हुआ भी। इंडिया टुडे-एक्सिस माय इंडिया तृणमूल कांग्रेस को लगभग 158 से 170 सीटें देता दिख रहा है, जबकि भाजपा को 110 से 120 के बीच रखा गया है। वहीं एबीपी सी वोटर का अनुमान भी लगभग इसी के आसपास है, जहां तृणमूल 152 से 164 और भाजपा 109 से 121 के बीच बताई गई है। इसके उलट रिपब्लिक-सीएनएक्स का सर्वे भाजपा को 138 से 148 सीटों के साथ आगे दिखाता है और तृणमूल को 128 से 138 के बीच रखता है। इतने भिन्न आंकड़े एक ही राज्य के लिए क्या यह बताता है कि जमीन पर मुकाबला वास्तव में बेहद करीबी है या यह कि एग्जिट पोल्स अभी भी बंगाल की जटिल राजनीति को ठीक से समझ नहीं पा रहे?

तमिलनाडु में तस्वीर अपेक्षाकृत साफ नजर आती है, जहां लगभग सभी एजेंसियां एमके स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक गठबंधन की वापसी की ओर इशारा कर रही हैं। इंडिया टुडे-एक्सिस माय इंडिया द्रमुक+ को 175 से 190 सीटों तक ले जाता दिख रहा है, जबकि अन्नाद्रमुक+ को 40 से 55 के बीच सीमित करता है। न्यूज 18-आईपीएसओएस भी लगभग इसी रेंज में द्रमुक+ को 160 से 180 और विपक्ष को 50 से 70 सीटों के बीच रखता है, लेकिन क्या यह स्पष्ट बढ़त वास्तव में जनसमर्थन का प्रतिबिंब है या फिर विपक्ष की कमजोर चुनौती का परिणाम?

असम में एग्जिट पोल्स भाजपा के पक्ष में झुकते नजर आते हैं। इंडिया टुडे-एक्सिस माय इंडिया एनडीए को 75 से 85 सीटों तक पहुंचाता है, जबकि कांग्रेस-नीत गठबंधन को 40 से 50 के बीच रखता है। रिपब्लिक-सीएनएक्स का अनुमान भी लगभग इसी दिशा में है, जहां एनडीए को 74 से 84 सीटें और कांग्रेस को 45 से 55 सीटों के बीच दिखाया गया है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह की रणनीति यहां असरदार दिखती है, लेकिन क्या यह बढ़त वाकई इतनी ठोस है कि नतीजों में भी वैसी ही दिखाई दे?

केरल में एग्जिट पोल्स एक दिलचस्प तस्वीर पेश करते हैं, जहां मुकाबला बेहद करीबी बताया जा रहा है, लेकिन झुकाव कांग्रेस-नीत यूडीएफ की ओर है। एबीपी-सी वोटर यूडीएफ को 70 से 80 सीटों के बीच और एलडीएफ को 60 से 70 के बीच रखता है, जबकि इंडिया टुडे-एक्सिस माय इंडिया भी यूडीएफ को 68 से 75 और एलडीएफ को 65 से 72 के बीच दिखाता है। राहुल गांधी की सक्रियता के बीच यह सवाल उठता है, क्या केरल अपनी पारंपरिक सत्ता परिवर्तन की राजनीति पर लौट रहा है या यह केवल एक अनुमान है जो नतीजों में बदल भी सकता है और नहीं भी?

पुद्दुचेरी में एग्जिट पोल्स किसी एक पक्ष को स्पष्ट बहुमत नहीं देते। रिपब्लिक-सीएनएक्स एनडीए को 16 से 20 सीटों तक और कांग्रेस गठबंधन को 10 से 14 के बीच दिखाता है, जबकि सी वोटर का अनुमान एनडीए को 14 से 18 और कांग्रेस+ को 12 से 16 सीटों के बीच रखता है। यहां सवाल यह है कि क्या छोटे राज्यों में एग्जिट पोल्स की अनिश्चितता और बढ़ जाती है, जहां स्थानीय समीकरण ज्यादा निर्णायक होते हैं?

एग्जिट पोल्स का इतिहास खुद इनके प्रति सावधानी बरतने की सलाह देता है। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में एक्सिस मार इंडिया जैसी एजेंसियों ने एनडीए की जीत का काफी हद तक सही अनुमान लगाया था, लेकिन 2021 के पश्चिम बंगाल चुनाव में लगभग सभी एजेंसियां तृणमूल कांग्रेस की वास्तविक बढ़त को पकड़ने में विफल रहीं तो क्या यह मान लिया जाए कि जब स्पष्ट लहर होती है, तब एग्जिट पोल्स सही साबित होते हैं, और जब मुकाबला जटिल होता है तब ये चूक जाते हैं? इन आंकड़ों के बीच कुछ असहज सवाल भी उभरते हैं, क्या एग्जिट पोल्स वास्तव में मतदाता की चुप्पी को पढ़ पाते हैं? क्या ग्रामीण भारत की आवाज इनमें पूरी तरह शामिल होती है? क्या ये आंकड़े निष्पक्ष विश्लेषण हैं, या राजनीतिक नैरेटिव गढ़ने का एक माध्यम बन चुके हैं? इन पांच राज्यों के एग्जिट पोल्स एक अधूरी कहानी ही कहते हैं। वे संकेत देते हैं, लेकिन निर्णय नहीं सुनाते। भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि वह हर अनुमान को चुनौती देता है। अंतिम सच वही होता है, जो मतगणना के दिन सामने आता है और अक्सर वही सच सबसे ज्यादा चौंकाने वाला होता है।

आपकी प्रापर्टी

पार्टनरशिप व जमीन पर कानूनी जंग

• अमित कुमार •

> भारत में प्रॉपर्टी को-ओनरशिप कानूनी मुश्किलों से भरी है। हिस्सा बेचने की आजादी तो है, लेकिन कब्जे, लोन और पुनर्विकास के लिए सभी मालिकों की सहमति जरूरी होती है

प्रॉपर्टी खरीदना हमेशा से लोगों के लिए एक बड़ा सपना रहा है, और इस सपने को पूरा करने के लिए अक्सर लोग मिलकर यानी 'को-ओनरशिप' में निवेश करते हैं। कागजों पर तो यह व्यवस्था बहुत आसान और फायदेमंद दिखती है, लेकिन हकीकत में यह कई बार आपसी कड़वाहट, कानूनी विवादों और आर्थिक नुकसान की वजह बन जाती है। भारतीय कानून में को-ओनरशिप को लेकर अधिकार तो स्पष्ट हैं, लेकिन उन अधिकारों को व्यवहार में लागू करना उतना ही पेचीदा है।

कब्जे पर असमंजस

भारतीय संपत्ति कानून के मुताबिक, अगर आप किसी प्रॉपर्टी में को-ओनर हैं, तो आप अपना हिस्सा किसी दूसरे को बेचने या ट्रांसफर करने के लिए स्वतंत्र हैं। इसके लिए आपको दूसरे हिस्सेदारों से इजाजत लेने की कानूनी जरूरत नहीं होती। लेकिन यहीं से असली समस्या शुरू होती है। गांधी लॉ एसोसिएट्स के पार्टनर राहील पटेल के मुताबिक, जब आप अपना हिस्सा बेचते हैं, तो आप प्रॉपर्टी का कोई खास कोना या कमरा नहीं बेच रहे होते, बल्कि पूरी संपत्ति में अपना एक 'अविभाजित हिस्सा' बेचते हैं।

इसका मतलब यह हुआ कि खरीदने वाला व्यक्ति आपकी कानूनी जगह तो ले लेता है, लेकिन प्रॉपर्टी अभी भी ज्वाइंट ही रहती है। इस पर स्पष्टता की कमी होने के कारण ऐसी डील्स बाजार में बहुत बेहतर नहीं मानी जातीं। नया खरीदार प्रॉपर्टी के किसी खास हिस्से पर अपना दावा नहीं कर सकता। इस तरह के सौदे अक्सर विवाद और मुकदमों तक पहुंच जाते हैं, क्योंकि कोई एक खरीदार बाकी मालिकों को प्रॉपर्टी से बाहर नहीं कर सकता, और इसी वजह से कई बार 'डेडलॉक' यानी गतिरोध की स्थिति बन जाती है। वहीं, बैंक भी ऐसे मामलों में काफी सख्त रहते हैं और इस तरह के हिस्सों पर लोन देने से बचते हैं।

इस्तेमाल का हक पर दखलंदाजी की मनाही

को-ओनरशिप का सबसे बुनियादी नियम यह है कि हर मालिक का पूरी प्रॉपर्टी पर बराबर हक होता है। जब तक प्रॉपर्टी का कानूनी तौर पर बंटवारा नहीं हो जाता, तब तक कोई भी एक मालिक दूसरे को किसी हिस्से का इस्तेमाल करने से नहीं रोक सकता। कुणाल शर्मा के मुताबिक, किसी भी हिस्सेदार को प्रॉपर्टी से बाहर करना या उसे जबरन रोकना कानून के खिलाफ है। अगर कोई को-ओनर दूसरे को प्रॉपर्टी में घुसने से रोकता है, तो इसे कानूनन गलत माना जाता है और इसके खिलाफ सिविल केस या 'ट्रेसपास' (अनाधिकार प्रवेश) का दावा किया जा सकता है। लेकिन जमीन पर हालात इतने आसान नहीं होते।राहील पटेल कहते हैं कि अगर एक मालिक ने प्रॉपर्टी पर कब्जा कर रखा है, तो दूसरे मालिक को अपना हक पाने के लिए अक्सर कोर्ट के चक्कर लगाने पड़ते हैं। यही वजह है कि कागजों में मिले हक और उसे असल में हासिल करने के बीच का गैप ही ज्यादातर विवादों की जड़ बनता है।

बंटवारा या मुआवजा ही रास्ता?

जब को-ओनर्स के बीच आपसी सहमति खत्म हो जाती है, तो कानून 'पार्टीशन सूट' यानी बंटवारे के मुकदमे का रास्ता देता है। बंटवारा कानून, 1893 के तहत कोर्ट प्रॉपर्टी को फिजिकली बांटने का आदेश दे सकता है। लेकिन अगर प्रॉपर्टी ऐसी हो जिसे बांटना मुमकिन न हो, जैसे छोटा फ्लैट, तो कोर्ट उसे बेचने का आदेश भी दे सकता है।एडवोकेट दिव्या अलेक्जेंडर (डी.एम. हरीश एंड कंपनी) के मुताबिक, जब बंटवारा संभव नहीं होता, तो कोर्ट प्रॉपर्टी बेचकर मिलने वाले पैसे को सभी हिस्सेदारों में बांट देता है, जिसे एक तरह का 'क्लीन एग्जिट' माना जाता है। इसके अलावा, अगर कोई एक हिस्सेदार पूरी प्रॉपर्टी पर कब्जा करके बैठा है या उससे किराया कमा रहा है और बाकी लोगों को उनका हिस्सा नहीं दे रहा, तो दूसरे हिस्सेदार 'मेस्ने प्रॉफिट्स' यानी मुआवजे की मांग भी कर सकते हैं।

जरूरी है सबकी रजामंदी?

आप अपने हिस्से को बेचने के लिए भले ही आजाद हों, लेकिन प्रॉपर्टी से जुड़े बड़े फैसले आप अकेले नहीं ले सकते। राहील पटेल के मुताबिक, अगर पूरी प्रॉपर्टी को लीज पर देना हो, उसे गिरवी रखकर लोन लेना हो या उसका रिडेवलपमेंट कराना हो, तो सभी को-ओनर्स की लिखित सहमति जरूरी होती है। बिना सबकी मंजूरी के लिया गया ऐसा कोई भी फैसला कानूनन गलत माना जा सकता है। कुणाल शर्मा के मुताबिक, बैंक और वित्तीय संस्थान भी सभी मालिकों के हस्ताक्षर के बिना लोन की फाइल आगे नहीं बढ़ाते। एक और व्यावहारिक परेशानी सामने आती है कि अगर प्रॉपर्टी किसी हाउसिंग सोसाइटी का हिस्सा है, तो वहां के नियमों के साथ-साथ अन्य सदस्यों की औपचारिक मंजूरी भी लेनी पड़ सकती है, जिससे पूरी प्रक्रिया और ज्यादा जटिल हो जाती है। आखिर में, एक्सपर्ट्स यही सलाह देते हैं कि को-ओनरशिप से जुड़े विवादों से बचने का सबसे सीधा तरीका है या तो प्रॉपर्टी का कानूनी बंटवारा करवा लिया जाए, या फिर अपना हिस्सा लेकर उससे बाहर निकल जाना।

ऑटो अपडेट

बीवाईडी की नई हाइब्रिड एसयूवी की तैयारी

चीनी इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी बीवाईडी ने अपनी हाइब्रिड एसयूवी बीवाईडी लेपर्ड 8 का भारत में डिजाइन पेटेंट फाइल किया है। यह कदम इस बात का संकेत माना जा रहा है कि कंपनी भविष्य में इस मॉडल को भारतीय बाजार में लॉन्च कर सकती है।

> चीन की प्रमुख इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी बीवाईडी ने भारत में अपनी लेपार्ड 8 प्लग-इन हाइब्रिड एसयूवी के लिए एक डिजाइन पेटेंट फाइल किया है। जिससे यह संकेत मिलता है कि यह मॉडल जल्द ही लॉन्च हो सकता है।

डिजाइन और साइज : लेपर्ड 8 का डिजाइन मजबूत और बॉक्सी लुक के साथ आता है, जो प्रीमियम ऑफ-रोड एसयूवी जैसा दिखाई देता है। इसके डायमेंशन्स भी बड़े एसयूवी सेगमेंट के करीब हैं,

फ्रंट में एलईडी हेडलाइट्स, बड़ी ग्रिल और मजबूत स्किड प्लेट दी गई है, जबकि रूफ पर एडवांस सेंसर सिस्टम भी मौजूद है। एसयूवी के साइड प्रोफाइल में बड़े व्हील आर्च, अलॉय व्हील्स और फ्लश डोर हैंडल दिए गए हैं। रियर में स्पेयर व्हील माउंटेड टेलगेट, टेललाइट्स और मजबूत बंपर इसे ऑफ-रोडिंग के लिए तैयार दिखाते हैं।

प्रीमियम केबिन : कार का इंटीरियर काफी एडवांस और प्रीमियम डिजाइन के साथ आता है। इसमें ट्रिपल स्क्रीन सेटअप, बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और डिजिटल डिस्प्ले शामिल हैं। इसके अलावा, वायरलेस चार्जिंग, एंबियंट लाइटिंग और प्रीमियम ऑडियो सिस्टम जैसे फीचर्स भी दिए गए हैं। सीटिंग ऑप्शन भी अलग-अलग कॉन्फिगरेशन में उपलब्ध हो सकते हैं।

पावरट्रेन और परफॉर्मेंस

लेपर्ड 8 में प्लग-इन हाइब्रिड सिस्टम दिया गया है, जिसमें पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर का संयोजन है। यह सेटअप दमदार पावर और ऑल-व्हील ड्राइव क्षमता के साथ आता है, जिससे यह एसयूवी तेज और दमदार बनती है। साथ ही, यह इलेक्ट्रिक मोड में भी एक अच्छी रेंज देने में सक्षम है। इस एसयूवी की कुल ड्राइविंग रेंज काफी ज्यादा बताई गई है। जिससे यह लंबी दूरी की यात्रा के लिए उपयुक्त बनती है।

भारत में लॉन्च की संभावना मजबूत : डिजाइन पेटेंट फाइल करना आमतौर पर लॉन्च की तैयारी का पहला कदम होता है।इससे इशारा मिलता है कि बीवाईडी भारतीय बाजार में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करने की योजना बना रही है।

असरदार थे खलनायक कि खौफ खाने लगे थे लोग

बॉलीवुड की बाते

> *70 के दशक के बॉलीवुड के वो खतरनाक खलनायक जिन्हें लोग असल जिंदगी में भी उनके किरदारों की तरह देखने लगे थे। जानिए कैसे इन विलेन ने भारतीय सिनेमा में डर और खौफ की नई परिभाषा गढ़ी।*

• गुंजन शर्मा •

बॉलीवुड का 1970 का दशक सिर्फ रोमांस, एक्शन और सामाजिक फिल्मों का दौर नहीं था, बल्कि ये वो समय भी था जब खलनायकों ने पर्दे पर अपनी ऐसी पहचान बनाई कि वे सिर्फ विलेन नहीं रहे, बल्कि डर का चेहरा बन गए। उस दौर में एक्टिंग इतनी रियलिस्टिक होती थी कि दर्शक ये भूल जाते थे कलाकार ने सिर्फ किरदार निभाया है, मगर रियल लाइफ में वो भी एक आम इंसान ही है। तमाम एक्टर्स ने अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस से ऐसा असर छोड़ा कि कई बार लोग उन्हें असल जिंदगी में देखकर भी डर या गुस्से से प्रतिक्रिया देने लगते थे। आज हम ऐसे ही कलाकारों के बारे में बताने वाले हैं, जो पर्दे पर अपने किरदार के कारण रियल लाइफ में भी लोगों को विलेन लगने लगे थे।

गब्बर सिंह : डर का दूसरा नाम

अमजद खान ने 1975 की फिल्म 'शोले' में गब्बर सिंह का किरदार निभाकर भारतीय सिनेमा में विलेन की परिभाषा ही बदल दी। 'कितने आदमी थे?' और 'जो डर गया, समझो मर गया' जैसे डायलॉग सिर्फ डायलॉग नहीं रहे, बल्कि लोगों की यादों में बस गए डर का हिस्सा बन गए। कहा जाता है कि उस दौर में बच्चे गब्बर के नाम से डरने लगे थे। लोग गांवों में लोग उनके पोस्टर देखकर रास्ता बदल लेते थे। कई लोग अमजद खान को असल जिंदगी में गब्बर समझ लेते थे। खुद अमजद खान ने इंटरव्यू में बताया था कि लोग उनसे दूरी बनाकर रखते थे, क्योंकि उनकी छवि एक खतरनाक डाकू की बन चुकी थी।

प्रेम चोपड़ा : मुस्कान में छुपा खलनायक

प्रेम चोपड़ा भी 70 के उन चुनिंदा एक्टर्स में से थे जिन्होंने स्माइलिंग विलेन की इमेज बनाई। उनका मशहूर डायलॉग- 'प्रेम नाम है मेरा... प्रेम चोपड़ा' आज भी सिनेमा इतिहास में एक आइकॉनिक माना जाता है। उनकी खासियत थी कि वो नरम आवाज में खतरनाक कलाकार थे। शालीन चेहरे के पीछे चालाक खलनायकी, रोमांस और धोखे वाली इमेज ने उनको रियल लाइफ विलेन बना दिया था। लोग अक्सर उन्हें असल जिंदगी में भी संदिग्ध नजरों से देखते थे।

प्राण : खामोशी में छुपा सबसे बड़ा डर

प्राण हिंदी सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित और गंभीर खलनायकों में गिने जाते हैं। 70 के दशक में उनका अंदाज बेहद अलग था। ना ज्यादा बोलना, ना ज्यादा चिल्लाना, बस आंखों और एक्सप्रेशन से डर पैदा करना। उनकी खास बात उनकी तीखी नजर, शांत लेकिन दमदार प्रेसेंज थी। एक समय ऐसा भी था जब लोग उन्हें फिल्मों में देखकर असहज हो जाते थे और असल जिंदगी में उनसे दूरी बनाए रखते थे।

रंजीत : समाज की नजर में खतरा

रंजीत ने 70 के दशक में कई ऐसे किरदार निभाए जो अक्सर महिलाओं के खिलाफ अपराध या नकारात्मक सोच को दिखाते थे। उनकी इमेज इतनी मजबूत हो गई थी कि लोग उन्हें सड़क पर देखकर नाराजगी जताते थे। कई बार असल जिंदगी में ताने और गुस्सा झेलना पड़ता था, क्योंकि दर्शक उन्हें किरदार नहीं, असल में गुंडा मानने लगे थे। रंजीत ने बाद में कई इंटरव्यू में बताया कि इस छवि की वजह से उन्हें व्यक्तिगत जीवन में भी काफी असहज परिस्थितियों का सामना करना पड़ा।

अमरीश पुरी: गूंजती आवाज और भारी व्यक्तित्व

अमरीश पुरी का शुरुआती दौर 70 के दशक के अंत में उभरने लगा था, लेकिन उनकी खलनायकी का असर धीरे-धीरे इतना गहरा हुआ कि वे भारतीय सिनेमा के सबसे डरावने चेहरों में से एक बन गए। उनकी खास पहचान थी उनकी गहरी, गूंजती आवाज और दमदार चेहरा। उनकी उपस्थिति ही सीन में तनाव पैदा कर देती थी, और दर्शक उन्हें देखकर सहज नहीं रह पाते थे।

एमपी ट्रांसको के टेस्टिंग विंग में स्वदेशी आराताई एप का उपयोग हुआ अनिवार्य

रीवा। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) में एक अप्रैल से मध्यप्रदेश में परीक्षण एवं संचार (टेस्टिंग) विंग के अंतर्गत सभी आधिकारिक संदेशो के संचार के लिए व्हाट्सएप का उपयोग पूर्णतः बंद कर दिया गया है। मुख्य अभियंता राजीव अग्रवाल की पहल एवं निर्देश पर मध्यप्रदेश के सभी 417 सबस्टेशनों सहित संभागीय एवं वृत स्तर के साथ-साथ मुख्य अभियंता कार्यालय के व्हाट्सएप ग्रुपों को स्वदेशी 'आराताई' एप पर स्थानांतरित कर दिया गया है। इस व्यवस्था के तहत अब व्हाट्सएप ग्रुपों अथवा व्यक्तिगत व्हाट्सएप संदेशों के माध्यम से की गई किसी भी प्रकार की सूचना या संवाद को मान्य नहीं माना जाएगा। यहां तक कि व्हाट्सएप के माध्यम से की जाने वाली रिपोर्टिंग को भी रिपोर्ट न करने की श्रेणी में रखा जाएगा।

आईसीएसई परीक्षा परिणाम घोशित

रीवा के जेम्स एकेडेमिया स्कूल के पहले बैच का शत प्रतिशत रहा रिजल्ट

जागरण, रीवा। शिक्षा के क्षेत्र में विंध्य की धरा पर एक नया कीर्तिमान स्थापित हुआ है। रीवा शहर के पहले आईसीएसई बोर्ड संबद्ध स्कूल जेम्स एकेडेमिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल के कक्षा 10वीं के प्रथम बैच ने शत-प्रतिशत सफलता हासिल कर पूरे शहर का नाम रोशन किया है। इस ऐतिहासिक परिणाम से न केवल स्कूल बल्कि पूरे जिले में हर्ष का माहौल है। हाल ही में घोषित परिणामों में विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं ने क्वालिफाइड श्रेणी में स्थान पाकर स्कूल और जिले का नाम रोशन किया है।

अभूतपूर्व उपलब्धि : आमतौर पर किसी भी नए बोर्ड या पहले बैच के लिए परिणाम चुनौतीपूर्ण माने जाते हैंए लेकिन जेम्स एकेडेमिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने अपनी कड़ी मेहनत से इसे आसान बना दिया। स्कूल का कुल पास 100 प्रतिशत रहा, जो शिक्षण पद्धति और छात्रों के समर्पण का प्रमाण है।

स्कूल प्रबंधन और अभिभावकों में खुशी की लहर : स्कूल के प्राचार्या डॉ अलका सिंह ने इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमारे शिक्षकों के मार्गदर्शन और विद्यार्थियों के अनुशासन का परिणाम है। रीवा में आईसीएसई पाठ्यक्रम के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना हमारा लक्ष्य था और पहले ही बैच ने इसे साबित कर दिया है। रिजल्ट घोषित होते ही स्कूल में जश्न का माहौल बन गया। अभिभावकों ने स्कूल के शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षकों की दिन-रात की मेहनत और सही दिशा-निर्देशन के कारण ही उनके बच्चों ने यह मुकाम हासिल किया है। मुक्ति मिश्रा, अलका सक्सेना, गीता देवी, सोनू यादव, पूर्णिमा श्रीवास्तव, अरुण द्विवेदी, धर्मेंद्र भटनागर को उनकी कड़ी मेहनत के लिए बधाई दी।

शिक्षकों की तपस्या और छात्रों का जुनून

इस बड़ी उपलब्धि के पीछे विद्यालय के शिक्षकों की दिन-रात की कड़ी मेहनत और सही मार्गदर्शन की मुख्य भूमिका रही है। शिक्षकों द्वारा अपनाई गई आधुनिक शिक्षण पद्धति और छात्रों के व्यक्तिगत विकास पर दिए गए ध्यान का ही परिणाम है कि आज सभी छात्र शानदार अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए हैं। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि शिक्षक और विद्यार्थी मिलकर संकल्प लें, तो लक्ष्य हासिल करना आसान हो जाता है।

सभी छात्र हुए उत्तीर्ण : इस वर्ष की परीक्षा में शामिल हुए सभी छात्र-छात्राओं ने अपनी मेधा का लोहा मनवाया है। स्कूल प्रबंधन के अनुसार यह पहला मौका है जब किसी नए बोर्ड या पद्धति से जुड़े स्कूल ने अपने पहले ही बैच में शत-प्रतिशत सफलता प्राप्त की है। छात्रों की इस उपलब्धि से न केवल स्कूल परिसर बल्कि पूरे जिले के शिक्षा जगत में उत्साह का माहौल है। शिवम पटेल, आदर्श शुक्ला, सोनाली सिंह, सगुन द्विवेदी, शिवांश तिवारी, आरव शुक्ला, अभय मिश्रा, एकता मिश्रा, अविका सिंह, प्रतिभा मिश्रा, अश्विन कुमार यादव, नमन मिश्रा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्कूल को गौरवन्वित किया।

स्कूल प्रबंधन का संदेश : स्कूल विद्यालय समिति के अध्यक्ष बीएन सिंह ने इस गौरवशाली अवसर पर सभी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए अपना संदेश साझा किया है। प्रबंधन का कहना है कि हमारा उद्देश्य रीवा में अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्रदान करना था। हमारे पहले बैच के बच्चों ने 100 प्रतिशत परिणाम देकर हमारे विजन को सच कर दिखाया है।

बहुमुखी प्रतिभा को निखारने में विद्यालय का अतुलनीय योगदान

रीवा। सत्या एकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल, रतहरा (रीवा) द्वारा ग्रीष्मकालीन समर कैंप का सफल आयोजन किया गया। इस कैंप में विद्यालय के विद्यार्थियों ने डांस, कराटे, संगीत, आर्ट एंड क्राफ्ट, कंप्यूटर, अबेकस, स्केटिंग एवं फुटबॉल जैसी विविध गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा को निखारा। कैंप के दौरान अनुभवी शिक्षकों एवं कुशल प्रशिक्षकों ने बच्चों को विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षित किया, जिससे उनके कौशल और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। विद्यालय के डायरेक्टर सुखदेव सिंह के मार्गदर्शन में यह समर कैंप सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कैंप के समापन अवसर पर बच्चों ने शानदार प्रस्तुतियां दीं, जिनकी सभी ने उत्साहवर्धन किया।

महाविद्यालयों की स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश आज से

15 मई अंतिम तारीख, 21 को होगा सीटों का आवंटन

जागरण, रीवा

जिले के सरकारी व गैर सरकारी महाविद्यालयों की स्नातकोत्तर कक्षाओं में आज से प्रवेश आरम्भ होंगे। इस बाबत उच्च शिक्षा विभाग ने समय-सारिणी भी घोषित कर दी है। तय कार्यक्रम के अनुसार स्नातकोत्तर कक्षा में प्रवेश के लिए आज से ऑनलाइन आवेदन किये जा सकेंगे। ऑनलाइन पंजीयन आवेदन की अंतिम तिथि 16 मई निर्धारित की गई है। स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश लेने छात्र 2 से 15 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। दस्तावेजों का सत्यापन 4 से 16 मई तक किया जा सकेगा। तत्पश्चात विभाग द्वारा 21 मई को प्रथम चरण का सीट आवंटन ऑनलाइन जारी किया जायेगा। आवंटित महाविद्यालय में छात्रों को 21 मई से 26 मई तक ऑनलाइन शुल्क जमा कर प्रवेश तय करना होगा। स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश का द्वितीय चरण 28 मई से 13 जून व सीएलसी चरण 15 जून से 30 जून तक चलेगा।

स्नातक में शुरु हुआ प्रवेश

वहीं स्नातक में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन शुक्रवार से शुरु हो गए हैं, ऑनलाइन आवेदन करने वाले छात्रों के दस्तावेजों का सत्यापन 2 से 16 मई के बीच होगा। तत्पश्चात उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 20 मई को मेरिट के आधार पर सीट आवंटन जारी किया जायेगा। आवंटित महाविद्यालय में छात्रों को 20 मई से 26 मई के बीच शुल्क जमा कर प्रवेश सुनिश्चित करना होगा। प्रथम चरण में प्रवेश सुनिश्चित होने के साथ ही विभाग द्वारा स्नातक कक्षाओं में प्रवेश का दूसरा चरण शुरु कर दिया जायेगा।

आरटीई के तहत प्रवेश प्रक्रिया के लिए समय-सारणी जारी

20 मई को आवंटन होगा जारी

रीवा। निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अनुसार जिले में सत्र 2026-27 के लिए ऑनलाईन द्वितीय चरण प्रवेश प्रक्रिया के लिए संचालित कक्षा नर्सरी से आठवी तक के समस्त मान्यता प्राप्त प्राईवेट स्कूल जिनमें सीटें रिक्त हैं पोर्टल पर प्रदर्शित किया गया है। द्वितीय चरण प्रवेश प्रक्रिया संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश एवं समय-सारणी जारी कर दी गई है। जारी आदेश के अनुसार इस चरण में नवीन आवेदन पंजीयन नहीं किया जाएगा। ऐसे आवेदक जिन्होंने पूर्व में आवेदन किया था लेकिन सत्यापन नहीं करा पाए थे, वे अब अपने चयनित जनशिक्षा केंद्र पर जाकर सत्यापन करा सकेंगे। सत्यापन के बाद पात्र पाए जाने पर आवेदक द्वितीय चरण में विद्यालयों की चॉइस अपडेट कर सकेंगे। प्रथम चरण में आवेदन करने के बाद भी जिन विद्यार्थियों को विद्यालय आवंटित नहीं हुआ था अथवा जिनका आवंटन हुआ लेकिन उन्होंने प्रवेश नहीं लिया, उन्हें भी द्वितीय चरण में अपनी चॉइस अपडेट कर लॉक करना अनिवार्य होगा। जिन विद्यालयों में सीटें रिक्त हैं, उन्हीं में विकल्प भरने की सलाह दी गई है ताकि आवंटन की संभावना बढ़ सके। सत्यापन प्रक्रिया 4 से 9 मई तक, विद्यालय चॉइस अपडेट 11 से 16 मई तक, ऑनलाइन लॉटरी 20 मई को तथा आवंटन उपरांत प्रवेश एवं रिपोर्टिंग 20 मई से 10 जून तक होगा।

नीट परीक्षा कल, 5236 परीक्षार्थी परीक्षा में होंगे शामिल

12 केंद्रों में होगा आयोजन, बेल्ट लगा होने या आभूषण पहने रहने पर नहीं मिलेगा परीक्षा कक्ष में प्रवेश

जागरण, रीवा। कल 3 मई को शहर के 12 परीक्षा केन्द्रों में एनटीए नीट यूजी 2026 परीक्षा का आयोजन किया जायेगा। परीक्षा अपरान्ह 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगी। परीक्षा केन्द्र में रिपोर्टिंग का समय सुबह 11 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक निर्धारित किया गया है। यदि उम्मीदवार पारंपरिक पोशाक पहन रहे हैं तो उन्हें परीक्षा के दिन दोपहर 12.30 बजे तक आवंटित परीक्षा केन्द्र पर पहुंचना होगा। शहर के 12 परीक्षा केन्द्रों में 5236 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। शहर में केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक एक, टीआरएस कालेज, पॉलिटेक्निक कालेज, एसके स्कूल, माडल हायर सेकेण्डरी स्कूल, पीके सांदीपनि स्कूल, मार्तण्ड क्रमांक एक, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल क्रमांक एक, मार्तण्ड क्रमांक 2, विधि महाविद्यालय, जीडीसी कालेज तथा पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2 में परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं।

प्रवेश पत्र व आईडी प्रूफ होगा आवश्यक

परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों को अपने साथ एनटीए वेबसाइट से डाउनलोड किये गये प्रवेश पत्र की प्रिंट कॉपी, पोस्टकार्ड साइज की एक फोटो, पासपोर्ट साइज के 2 फोटो, किसी एक अधिकृत फोटो आईडी की मूल तथा वैध प्रति (जैसे राशन कार्ड), व्यक्तिगत पारदर्शी पानी की बोतल, लड़कों के लिए हल्के कपड़े, जिनमें लंबे बाजू न हों, कोई फैंसी पॉकेट, जिपर या बैज न हो तथा लड़कियों के लिए हल्के कपड़े, जिनमें कढ़ाई या लंबे बाजू न हों; धातु की वस्तुओं से बचें तथा केवल लो-हील चप्पल या सैंडल पहनने की अनुमति होगी जूते पहनकर आने की अनुमति नहीं होगी।

इन वस्तुओं पर रहेगा प्रतिबंध

परीक्षा केन्द्र में कोई भी वस्तु जैसे मुद्रित/लिखित पाठ्य सामग्री, कागज के टुकड़े, ज्यामिति/पेंसिल बॉक्स, प्लास्टिक पाउच, कैलकुलेटर, पेन, स्केल, राइटिंग पैड, पेन ड्राइव, इरेज़र, लॉग टेबल, इलेक्ट्रॉनिक पेन/स्कैनर आदि तथा कोई भी संचार उपकरण जैसे मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, इयरफ़ोन, माइक्रोफ़ोन, पेजर, हेल्थ बैंड आदि प्रतिबंधित रहेगा। इसी प्रकार अन्य वस्तुएं जैसे बटुआ, चश्मा, हैंडबैग, बेल्ट, टोपी, कोई भी घड़ी, ब्रोसलेट, कैमरा, आभूषण/ धातु की वस्तुएं, कोई भी खुला या पैक किया हुआ खाद्य पदार्थ, पानी की बोतल तथा कोई भी अन्य वस्तु जिसका उपयोग अनुचित उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है, जैसे कि माइक्रोचिप, कैमरा, ब्लूटूथ डिवाइस आदि को छिपाकर रखना प्रतिबंधित किया गया है।

मैदान में गौरव, दिल में हौसला सैनिक स्कूल रीवा विजेता

जागरण, रीवा। नन्हे कदम ऊंची उड़ान के द्वारा सैनिक स्कूल रीवा के कैडेट्स ने अपने जुनून और ज़ज्बे के साथ विंध्य धरा पर एक अमिट छाप छोड़ी। सैनिक स्कूल रीवा में अखिल भारतीय सैनिक स्कूल अंतर-समूह फुटबॉल टूर्नामेंट-2026 का समापन समारोह 1 मई 2026 को प्रातः 7 बजे विद्यालय के फुटबॉल ग्राउंड पर कर्नल अविनाश रावल, वीएसएम प्राचार्य सैनिक स्कूल रीवा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। 25 अप्रैल से प्रारंभ हुई इस प्रतियोगिता में मेज़बान सहित कुल 6 विद्यालयों ने भाग लिया। पूरे टूर्नामेंट में खिलाड़ियों के मध्य कड़ी एवं उच्चस्तरीय प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, जिसमें सभी टीमों ने उत्कृष्ट खेल भावनाएं अनुशासन एवं कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

इस प्रकार रहे प्रतियोगिता के परिणाम

विजेता-सैनिक स्कूल रीवा, उप विजेता-सैनिक स्कूल चित्तौरगढ़, मुख्य अतिथि द्वारा विजेता टीम एवं उत्कृष्ट खिलाड़ियों को ट्रॉफी व पदक प्रदान किए गए। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने विजेताओं को बधाई देते हुए सभी प्रतिभागियों को निरंतर प्रयास एवं कठोर परिश्रम के माध्यम से सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। इस प्रतियोगिता में चैम्पियन उभरे और समस्त कैडेटों के हौसले बुलंद हुए।

द्वितीय बोर्ड परीक्षा: 22 केंद्रों में शामिल होंगे 15876 परीक्षार्थी

7 मई से सुबह 9 से 12 बजे तक होगी परीक्षा, शिक्षा विभाग कर रहा तैयारियां

फाइल फोटो

जागरण,रीवा। माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हाई और हायर सेकेंडरी स्कूल द्वितीय बोर्ड परीक्षा का आयोजन 7 मई से किया जाएगा। इसके लिए माशिमं ने 22 परीक्षा केन्द्र बनाए हैं। बोर्ड परीक्षा के लिए जिला प्रशासन के निर्देशानुसार शिक्षा विभाग के द्वारा जरूरी तैयारियां कर ली गई है। हाईस्कूल व हॉसर सेकेंडरी 15876 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन प्रातः 9 से 12 बजे तक रहेगा। प्रत्येक पुलिस थानों में गोपनीय सामग्री निकालने के लिये कलेक्टर प्रतिनिधि की नियुक्ति किए गए हैं, उन्हें निर्देशित किया गया है कि निर्धारित समय पर पुलिस थाना में उपस्थित होकर समय विभाग चक्र के अनुसार प्रश्नपत्र के पैकेटस नियत तिथि को परीक्षा प्रारम्भ होने के निर्धारित समय के पूर्व नियमानुसार निकालेगें। बोर्ड परीक्षा के लिए नियुक्त कलेक्टर प्रतिनिधि द्वारा कार्यस्थल पर अनुपस्थित रहने अथवा निर्देशों की अवहेलना करने पर सम्बंधितों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही प्रश्नपत्रों की गोपनीयता भंग करने अथवा गोपनीयता भंग का प्रयास करने की स्थिति में मध्यप्रदेश परीक्षा अधिनियम 1937 में विहित प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

सामग्री वितरण पांच को

गोपनीय सामग्री 5 मई को प्रातः 11 बजे से जिला स्तरीय स्ट्रांग रूम शासकीय मार्तंड क्रमांक 1 रीवा से वितरित की जाएगी। राजस्व अधिकारियों को गोपनीय सामग्री वितरण हेतु कलेक्टर प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। नियुक्त केन्द्राध्यक्ष, सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं परीक्षा केन्द्र में परीक्षा सम्बंधी कार्य करने वाले शिक्षक एवं भृत्य आवश्यक सामग्री लेकर अनिवार्य रूप उपस्थित होने सुनिश्चित करेंगें ताकि गोपनीय सामग्री प्रदाय की जाकर उसी दिवस परीक्षा केन्द्र के निकटतम पुलिस थानों में सुरक्षित रूप से भेजा जा सके। नियुक्त केन्द्राध्यक्ष स्वयं के बैंक पासबुक के प्रथम प्रष्ठ की छायाप्रति साथ में लेकर अनिवार्य रूप से आयेगे।

उड़नदस्ता दल गठित

बोर्ड परीक्षा में अनुचित साधन एवं नकल की दुष्प्रवृति को रोकने के लिये जिला प्रशासन द्वारा तत्सम्बंधी आदेश जारी किये गये हैं कि निरीक्षणकर्ता अधिकारी अपने विभागीय कार्यों के साथ-साथ निर्धारित परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर प्रतिवेदन जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से उपलब्ध करायेंगे। निरीक्षण के दौरान पायी गई अनियमितताओं के सम्बंध में केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षणकर्ताओं के विरुद्ध प्रकरण तैयार कर प्रस्तुत किया जाएगा, यदि कोई व्यक्ति सामूहिक नकल कराने में गंभीर रूप से पाया जाता है तो उनके विरुद्ध परीक्षा अधिनियम 1937 की धाराओं के तहत पुलिस में तत्काल एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

कार्यालय में कंट्रोल रूम

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जो प्रातः 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक संचालित रहेगा। कंट्रोल रूम में बोर्ड परीक्षा प्रभारी को नियुक्त किया गया है। इनके साथ एक अलग टीम मानिटरिंग करेगी। बोर्ड परीक्षा को आयोजित कराने के लिए मण्डल की गाईड लाईन एवं जिला प्रशासन के निर्देशानुसार समस्त आवश्यक तैयारियां की जा चुकी है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 9 मई को

रीवा। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार आगामी 9 मई को जिला न्यायालय रीवा सहित सभी तहसील न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत में दीवानी, फौजदारी, पारिवारिक विवाद, मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति (क्लेम) चेक बाउंस, श्रम, भू-अर्जन और नगर पालिका निगम से संबंधित प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। साथ ही बैंकों के ऋण वसूली से जुड़े प्री-लिटिगेशन मामलों को भी इसमें शामिल किया गया है। लोक अदालत विद्युत विभाग से जुड़े प्रकरणों में शासन द्वारा छूट दी जाएगी, जिसका लाभ लंबित और प्री-लिटिगेशन दोनों तरह के मामलों में उठाया जा सकता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने सभी पक्षकारों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और अपने समझौते योग्य प्रकरणों का निराकरण कराकर समय व धन की बचत करें।

पूर्व जिला खेल अधिकारी रमेश सिंह को सेवानिवृत्ति पर विदाई

जागरण, रीवा। शासकीय उमावि क्रमांक-1 में कार्यरत व्यायाम निर्देशक पूर्व जिला खेलकूद अधिकारी रमेश सिंह की सेवानिवृत्ति पर गरिमामयी विदाई समारोह संपन्न हुआ। प्राचार्य डॉ. प्रेमलाल मिश्रा एवं सेवा निवृत्त प्राचार्य राजेन्द्र सिंह के आतिथ्य में कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के दीप प्रज्जवलन कर किया गया। रमेश सिंह के 39 वर्ष सेवा काल के संबंध में बताते हुए उनका शॉल, श्रीफल व मोमेंटम देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में शान्ति सिंह, पुत्र नितीन सिंह, रोहित सिंह, सौरभ सिंह, पिंकू तिवारी, जितेन्द्र गुप्ता, अजय चतुर्वेदी, प्रदीप, रविकर पाण्डेय, इन्द्रेश तिवारी, धनंजय मिश्रा, अनिता सिंह आदि उपस्थित रहे। रमेश सिंह को बैंडबाजे के साथ विदाई दी गई। उन्होंने विद्यालय के स्टॉफ व बच्चों के लिए वाटर कूलर प्रदाय किए जाने की घोषणा की।

अमरनाथ यात्राः रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ तो निराश न हों, जम्मू में पांच स्थानों पर तुरंत करवा सकते हैं

रजिस्ट्रेशन पूरा होते ही अपना आरएफआइडी कार्ड लेना न भूलें, इसके बिना यात्रा संभव नहीं

जागरण,रीवा

अगर आप बाबा बर्फानी के दर्शन करना चाहते हैं लेकिन ऑनलाइन या बैंक से रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाया है, तो निराश न हों, महादेव ने आपके लिए एक और द्वार खोल रखा है। अमरनाथ यात्रा के पंजीयन यदि यहां नहीं करा सके हैं तो ऑन स्पॉट जम्मू में भी करवा सकेंगे। अमरनाथ श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) ने इसके लिए जम्मू-श्रीनगर में पांच स्थानों पर ऑन द स्पॉट रजिस्ट्रेशन कराने के लिए काउंटर स्थापित किए है। बाबा बर्फानी की पवित्र अमरनाथ यात्रा इस बार 3 जुलाई से प्रारंभ होकर 28 अगस्त (रक्षाबंधन) तक 57 दिनों की रहेगी।

धैर्य और समय का मंत्र

- पहले आओ पहले पाओः यह प्रक्रिया पूरी तरह से उस दिन के उपलब्ध कोटे पर निर्भर करती है।
- अतिरिक्त समयः भीड़ को देखते हुए अपने प्लान में 2 से 3 दिन का अतिरिक्त समय लेकर चलें। कभी-कभी टोकन मिलने के बाद अगले दिन का नंबर आता है।

आरएफआईडी कार्ड अनिवार्य

रजिस्ट्रेशन के बाद भी एक अहम पड़ाव बाकी रहेगा। यात्रा शुरू करने से पहले जम्मू या कश्मीर में निर्धारित केंद्रों पर बायोमैट्रिक आरएफआइडी करवाकर अपना आरएफआइडी कार्ड लेना अनिवार्य है। बिना इस कार्ड के डोमेल या चंदनबाड़ी के एक्सेस कंट्रोल गेट को पार करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

प्रमुख रजिस्ट्रेशन केन्द्र

- जम्मू में सरस्वती धाम, वैष्णवी धाम, पंचायत भवन (रेलवे स्टेशन के पास), महाजन हॉल और जम्मू यात्री निवास।
- श्रीनगर में टीआरसी (टूरिस्ट रिसेप्शन सेंटर) और बालटाल मार्ग के लिए गांदरबल।

पंजीकरण के लिए जरूरी आवश्यक दस्तावेज

- स्वास्थ्य प्रमाण पत्र
- सीएचसीः किसी अधिकृत चिकित्सक की ओर से जारी।
- पहचान पत्रः आधार कार्ड या वोटर आइडी।
- फोटो 4: पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो।
- शुल्कः 220 रुपए नकद।
- पंजीकरण फॉर्मः जो आपको आरएफआइडी कार्ड है अनिवार्य

शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना से सैन्य बलों के लिए तैयार किए जायेंगे पिछड़ावर्ग के युवा

200 युवाओं का किया जायेगा चयन, दिया जायेगा निः शुल्क आवासीय प्रशिक्षण

रीवा। मध्यप्रदेश शासन के पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसजागरण ख्यक कल्याण विभाग द्वारा युवाओं को सैन्य और सुरक्षा बलों में भर्ती के लिए तैयार करने के लिए महत्वाकांक्षी पहल शुरू की गई है। इस संबंध में पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सहायक संचालक ने बताया कि जिले में शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना 2026 का आगाज़ किया जा रहा हैए जिसका मुख्य उद्देश्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिभावान युवक.युवतियों को थल सेनाए पुलिसए होमगार्ड और निजी सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करना है। इस योजना के तहत रीवा जिले से कुल 200 अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा, जिनमें 100 बालक और 100 बालिकाएं शामिल होंगी। यह पूरी तरह से एक आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम है जिसकी अवधि 45 दिन निर्धारित की गई है। प्रशिक्षण के दौरान अभ्यर्थियों को न केवल शारीरिक दक्षता के लिए तैयार किया जाएगा, बल्कि उन्हें सैद्धांतिक विषयों का भी गहन ज्ञान दिया जाएगा। शारीरिक प्रशिक्षण के अंतर्गत अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिदिन सुबह और शाम तीन घंटे रनिंग, ऊँची-कूद, गोला फेंक और भाला फेंक जैसी गतिविधियाँ कराई जाएंगी। वहीं, सैद्धांतिक सत्रों में प्रतिदिन चार घंटे सामान्य ज्ञानए तर्कशक्तिए गणितए कंप्यूटर और अंग्रेजी जैसे विषयों की कक्षाएं संचालित होंगी।

पुरुषों को एक हजार, महिलाओं का 1100 मिलेगी प्रोत्साहन राशि

योजना की सबसे खास बात यह है कि इसमें शामिल होने वाले प्रशिक्षणार्थियों को निरूशुल्क भोजनए आवास और शिक्षण सामग्री के साथ.साथ प्रशिक्षण अवधि में शिष्यवृत्ति भी प्रदान की जाएगी। चयनित पात्र पुरुष अभ्यर्थियों को 1000 रुपये प्रति माह और महिला अभ्यर्थियों को 1100 रुपये प्रति माह की दर से शिष्यवृत्ति सीधे उनके बैंक खातों में भुगतान की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी इस योजना का लाभ उठाने के लिए आगामी 11 मई तक आवेदन कर सकते हैंए जिसके तुरंत बाद 12 मई से प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ कर दिया जाएगा। सहायक संचालक ने जिले के सभी शासकीय और अशासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों एवं रजिस्ट्रार से अपील की है कि वे अपनी संस्थाओं में अध्ययनरत अधिक से अधिक पात्र विद्यार्थियों को इस योजना से जोड़ें ताकि वे देश की सुरक्षा सेवाओं में अपना करियर बना सकें।

यह होगी पात्रता

सहायक संचालक ने बताया कि प्रशिक्षण के लिए आवेदन करने के लिए कुछ अनिवार्य पात्रता शर्तें रखी गई हैं जिसमें आवेदक का मध्य प्रदेश का मूल निवासी होना और न्यूनतम 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। साथ हीए आवेदक के पास सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमीलेयर) का जाति प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है। शारीरिक मानकों में पुरुषों के लिए न्यूनतम ऊंचाई 168 सेमी और महिलाओं के लिए 155 सेमी तय की गई है। अभ्यर्थियों का चयन कक्षा 12वीं के अंकों की वरीयता और शारीरिक दक्षता परीक्षण के आधार पर जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा किया जाएगा। आवेदन का प्रारूप विभागीय वेबसाइट अथवा विभाग से कार्यालयीन समय में प्राप्त किया जा सकता है।

बरहुला गांव के अमृत कुंड में होगा जल संरक्षण का कार्य

जिला पंचायत सीईओ ने किया निरीक्षण

जागरण, रीवा । जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में जल संरक्षण के उद्देश्य से विभिन्न कार्य कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायत बरहुला के सीगो टोला अंतर्गत पिपरहिया में प्राकृतिक जल स्रोत से निर्मित अमृत कुंड में जल संरक्षण का कार्य किया जाएगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर ने कार्य स्थल का भ्रमण किया तथा निर्देश दिए कि अमृत कुण्ड का जीर्णोद्धार व साफसफाई कर इसे जल संरक्षण के योग्य निर्मित किया जाए ताकि प्राकृतिक जल का संचय हो सके। उल्लेखनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्रामों में जल स्रोत की सफाई व उसकी मरम्मत का कार्य प्राथमिकता से कराया जा रहा है। सीईओ जिला पंचायत ने ग्रामीणजनों से संवाद करते हुए कहा कि जल संरक्षण व संवर्धन के कार्य में सभी सहभागी बनें और इसमें अधिक से अधिक लोगों को जोड़ें। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने ग्राम पंचायत के सरपंचए सचिव व जीआरएस को निर्देश दिए कि अमृत कुण्ड में जल संचय का कार्य शीघ्र प्रारंभ कराएं। इस अवसर पर जनपद के सीईओए एपीओ तथा उपयंत्री तथा ग्रामीण जन उपस्थित रहे। इसी क्रम में रामनई के महादेव तालाब में साफसफाई कार्य कराने के निर्देश पीओ नरेगा शिव सोनी द्वारा भ्रमण के दौरान दिए गए। उन्होंने रामनई स्कूल में वाटर हार्वेस्टिंग कार्य प्रारंभ कराने का लेआउट अपने समक्ष करवाया। रामनई के महादेव तालाब में मेगा प्लांटेशन कार्य के लिए स्थल का निरीक्षण किया गया तथा पौधारोपण कार्य की पूर्व व्यवस्थाएं कराने के निर्देश दिए गए।

गहरी जुताई और खरपतवार नष्ट करने के लिए उपयोगी है रोटावेटर

रीवा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार खेती है। खेती के आधुनिकीकरण के साथ इसका तेजी से यंत्रीकरण हो रहा है। अब खेतों की जुताई लगभग शत-प्रतिशत ट्रैक्टरों के माध्यम से होती है। ट्रैक्टर से संचालित कई कृषि उपकरण किसानों के लिए बहुत उपयोगी हैं। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि ट्रैक्टर के माध्यम से चलने वाला रोटावेटर और रोटरी टिलर्स खेतों की गहरी जुताई और खरपतवार नष्ट करने के लिए बहुत उपयोगी है। रोटावेटर से किसान अपनी सुविधा और उपयोगिता के अनुसार जुताई की गहराई का निर्धारण कर सकते हैं। इसके उपयोग से नरवाई तथा अन्य खरपतवार छोटे-छोटे टुकड़ों में बंटकर मिट्टी में मिल जाते हैं। बारिश के बाद इनसे मिट्टी के लिए बहुत उपयोगी हरी खाद तैयार होती है जिससे मिट्टी की उर्वरता और जलधारण क्षमता में वृद्धि होती है। धान की रोपाई के लिए खेत को समतल करने और पडलिंग के लिए भी रोटावेटर का उपयोग किया जा सकता है। रोटावेटर का उपयोग 35 हार्सपावर से 55 हार्सपावर तक के ट्रैक्टर में सबसे कारगर होता है। रोटावेटर से सामान्य रूप में तीन घण्टे में एक हेक्टेयर के खेत में जुताई का कार्य हो जाता है। बाजार में रोटावेटर के कई माडल उपलब्ध हैं। किसान अपनी सुविधा के अनुसार इनका उपयोग कर सकते हैं। कृषि विभाग द्वारा रोटावेटर के लिए अनुदान की भी सुविधा उपलब्ध है।

आमजन को नहीं ठेला, होटल, रेस्टोरेंट संचालकों को आसानी से उपलब्ध हो रहा एलपीजी सिलेंडर

जागरण, रीवा। शहरवासी भले ही पिछले एक माह से अधिक समय से घरेलू गैस सिलेण्डर के लिए मशक्कत कर रहे हों, किन्तु इन सिलेण्डरों का व्यावसायिक उपयोग करने वालों को कतई परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा, गैस सिलेण्डर नहीं आ रहे थे तब भी और अब, जब उपभोक्ताओं को घंटों कतार में लगने के बाद भी कई बार सिलेण्डर नसीब नहीं हो पा रहा तब भी। शहर में घेरलू गैस सिलेण्डरों का व्यावसायिक उपयोग करने वाले ठेला संचालक, होटल व रेस्टोरेंट संचालकों को बड़ी सहजता से गैस सिलेण्डर मुहैया करवाए जा रहे हैं, जिनमें से कई तो खुलेआम इसका व्यावसायिक उपयोग कर खाद्य विभाग को ठेंगा दिखा रहे हैं। खाद्य विभाग ने हाइवे के ढाबों में घरेलू गैस सिलेण्डरों के खिलाफ जांच कर कार्यवाही को अंजाम दिया, किन्तु शहर की होटल, रेस्टोरेंट सहित जगह-जगह ठेलों में उपयोग किए जाने वाले घरेलू गैस सिलेण्डरों के विरुद्ध किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की। करहिया मण्डी जहां समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की जा रही है, जहां संभागीय कमिश्नर, एसडीएम, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी गेहूं खरीदी केन्द्रों के निरीक्षण के लिए जा चुके हैं, किन्तु मण्डी के गेट के समीप ही खुलेआम घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यावसायिक उपयोग कर रहे ठेला संचालक पर इनकी नजर नहीं पड़ी। ठेला संचालक जहां घरेलू गैस सिलेण्डर से खाद्य सामग्री बना रहा है वहीं ठेले के बगल से रखा गया सिलेण्डर ठेले पर आने वाले ग्राहकों के बैठने के उपयोग में भी कर रहा है।

रीवा में एससी-एसटी उद्यमिता को मिला नया आयाम, स्वरोजगार एवं उद्योग स्थापना पर जोर

उद्यमिता जागरुकता और वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम में शामिल हुए उद्यमी और युवा एससी-एसटी हब और डिक्की ने आयोजित किया कार्यक्रम सरकारी कंपनियों और विभागों ने की सहभागिता

जागरण, रीवा । नेशनल एससी-एसटी हब एवं दलित इंडियन चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की) द्वारा गुरुवार को समदड़िया गोल्ड रीवा में आयोजित उद्यमिता जागरूकता एंड स्पेशल वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम में संभाग के युवाओं, उद्यमियों एवं इच्छुक प्रतिभागियों को स्वरोजगार, उद्योग स्थापना तथा सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों एवं सार्वजनिक उपक्रमों के अधिकारियों ने सहभागिता करते हुए उद्यमिता विकास के लिए उपलब्ध अवसरों पर मार्गदर्शन दिया। नेशनल एससी-एससटी हब भारत सरकार महाराष्ट्र एवं मध्य प्रदेश के प्रभारी महेन्द्र मालवीय ने एससी-एसटी युवाओं के लिए हब की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि एससी-एसटी युवाओं को व्यापार शुरू करने के लिए 25 प्रतिशत की कैपिटल सब्सिडी, बैंक लोन प्रोसेसिंग फीस की वापसी, मार्केटिंग सहायता जैसी अनेक सुविधाएं हैं। केन्द्र सरकार की कंपनियों से एससी-एसटी युवाओं को जोड़कर सप्लायर बनाने पर भारत सरकार को जोर है। उन्होंने कहा कि रीवा में पहली बार एससी-एसटी हब का जागरूकता और वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम हो रहा है। इसमें जो उत्साह दिखाई दे रहा है, वह वास्तव में इस बात का संकेत है कि रीवा संभाग में मौजूद अवसरों का लाभ लेने के लिए सभी तैयार हैं।

डिक्की के अध्यक्ष डॉ अनिल सिरवैया ने कहा कि रीवा सहित पूरे प्रदेश में एससी-एसटी समुदाय की आबादी 40 प्रतिशत के आसपास है। इतनी बड़ी आबादी को सरकार नौकरी नहीं दे सकती। इसलिए जरूरी है कि एससी-एसटी के युवा आत्मनिर्भर बनें और व्यापार-व्यवसाय के क्षेत्र में अपनी जगह बनाएं। इसके लिए भारत सरकार और राज्य सरकार की अनेक योजनाएं हैं, जिनका लाभ लेना हमें सीखना होगा। डिक्की इसी मिशन में लगा है। भारत सरकार और राज्य के साथ मिलकर अनेक योजनाएं डिक्की ने बनवाईं और इनका लाभ लेकर बड़ी संख्या में एससी-एसटी के युवा आत्मनिर्भर हुए हैं। उन्होंने कहा कि विंध्य अंचल अवसरों की खदान हैं। सिंगरौली में एनसीएल और एनटीपीसी जैसे बड़े सरकारी उपक्रम हैं और अनेक प्राइवेट पॉवर प्लांट हैं। इनमें एंसलरी यूनिट बनाई जा सकती है। इसी तरह रीवा और सतना के आसपास स्थित सीमेंट प्लांट में लगने वाले मटेरियल की सप्लाई के लिए छोटे उद्योग स्थापित किए जा सकते हैं। क्लस्टर बनाकर इस काम को आसान बनाया जा सकता है। डिक्की रीवा कोऑर्डिनेटर स्नेहित आर्य ने बताया कि रीवा में ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, जिससे स्थानीय युवाओं को अवसरों की जानकारी मिलती रहे और वे आत्मनिर्भर बन सकें।

कार्यक्रम में एमपीआईडीसी रीवा के कार्यकारी निदेशक यूके तिवारी ने उद्यमिता के लिए स्किल डेवलपमेंट को अत्यंत आवश्यक बताते हुए कहा कि उद्योग स्थापित करने से पहले कार्य का व्यावहारिक ज्ञान होना जरूरी है। उन्होंने युवाओं को रोजगार मांगने के बजाय रोजगार देने वाला बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने सिंगरौली में स्किल डेवपलमेंट सेंटर विकसित करने पर जोर दिया। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक जेपी तिवारी ने विभिन्न औद्योगिक योजनाओं एवं सब्सिडी की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार की योजनाओं के तहत उद्योग स्थापना हेतु भूमि, ऋण एवं 90 प्रतिशत तक सहायता उपलब्ध है। उन्होंने एनटीपीसी एवं एनसीएल जैसे बड़े उद्योगों के आसपास एंसिलरी यूनिट स्थापित करने पर जोर दिया।

एनटीपीसी महाप्रबंधक के. वामसी मोहन एवं एनसीएल प्रबंधक आनंद पाटिल ने कंपनियों की खरीद प्रक्रिया, स्थानीय सप्लायर बनने के अवसर तथा आरक्षण प्रावधानों की जानकारी साझा की।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के चीफ मैनेजर सचिन नेमा ने बैंक ऋ ण, सरकारी गारंटी योजनाओं तथा उद्यमियों के लिए आवश्यक वित्तीय प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि जागरूकता और सही मार्गदर्शन से ऋण प्राप्त करना आसान हो सकता है। इसके अतिरिक्त मुजम्मिल कुरैशी ने गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस के माध्यम से मोबाइल से ही पूरे देश में व्यापार करने की प्रक्रिया एवं प्रशिक्षण की जानकारी भी दी गई। डिक्की के उपाध्यक्ष डॉ पंकज पाटिल, जनजातीय कार्य विभाग के जिला संयोजक केके पांडे, एनआरएम के डीपीएम अमित मिश्रा, उद्यानिकी अधिकारी प्रशस्ति पांडे ने विभागीय स्व-रोजगार योजनाओं की जानकारी दी। अंत में सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए भविष्य में ऐसे और आयोजनों की आवश्यकता पर बल दिया तथा उद्यमिता की दिशा में सक्रिय रूप से आगे बढ़ने का संकल्प लिया।

चाकू मारकर युवक की हत्या

जागरण, सतना । चाकू मारकर युवक की हत्या का सनसनी खेज मामला सामने आया है। घटना के बाद क्षेत्र में सनाका खिंच गया। जानकारी लगते ही कोठी थाना प्रभारी संतोष तिवारी और एफएसएल टीम मौके पर पहुची व जांच पड़ताल के पश्चात आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। मृतक की पहचान गौरा मेदनीपुर निवासी रोहित डोहर पुत्र रामलाल डोहर उम्र 24 वर्ष के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार रोहित रनेही गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने आया था। इसी दौरान खाने.पीने को लेकर उसका हलवाई सतीश डोहर से विवाद हो गया।

घर लौटते वक्त हुई घटना : पुलिस के मुताबिक विवाद के बाद जब रोहित अपने गांव लौट रहा था तभी आरोपी सतीश ने अपने साथियों के साथ मिलकर उस पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में रोहित गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपी उसे लहूलुहान हालत में छोड़कर मौके से भाग निकले। वहां मौजूद लोगों ने रोहित डोहर को उपचार के लिए तत्काल कोठी अस्पताल पहुंचाया। हालांकि डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना गुरुवार शुक्रवार की दरमियानी रात की बताई जा रही है । खबर लिखे जाने तक कोठी थाना प्रभारी अपने अमले के साथ आरोपियों की तलाश में जुटे हुए थे। उम्मीद है कि जल्द ही सभी आरोपियों को पुलिस दबोच लेगी।

अनियमित यातायात व्यवस्था और जाम के लिए गलत विकास नीति के योजनाकार जिम्मेदारः अजय खरे

जागरण, रीवा। समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने शहर की बिगड़ती जा रही यातायात व्यवस्था और आए दिन विभिन्न मार्गो पर चकाजाम की स्थिति के लिए गलत विकास नीति के योजनाकारों को जिम्मेदार ठहराया है। श्री खरे ने कहा कि पिछले बाइस सालों से लगभग तीन लाख आबादी वाले शहर वासियों को महानगर का सपना दिखाया जा रहा है। जबकि पूरे जिले की आबादी तकरीबन पच्चीस लाख है।

इधर बहुत आपत्तिजनक बात दुष्प्रचारित जा रही कि सन 2003 से पहले रीवा कस्बा था। जबकि रीवा लम्बे समय तक रियासत की राजधानी रहा और आजाद भारत में रियासत विलय के बाद 1 नवम्बर 1956 तक विंध्य क्षेत्र की राजधानी भी रहा। यातायात नियंत्रण के नाम पर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मनमाने तरीके से बनाए गए फ्लाईओवरों से स्थिति बेहतर होने के बजाय बदतर हो गई। फ्लाईओवरों के नीचे अघोषित बाज़ार विकसित होने से सड़क मार्ग बुरी तरह प्रभावित हुआ है। सिरमौर चौराहा हो या नया बस स्टैंड क्षेत्र सभी जगह यातायात और पर्यावरण की समस्या विकराल बन रही है। इंदिरा नगर, नेहरु नगर, सिरमौर चौराहा आदि की आवासीय कॉलोनियों पर बाज़ार विकसित किया जा रहा है। गल्ला मंडी रोड़, पीली कोठी रोड़, सिरमौर चौराहा से रतहरा मार्ग पर बहुमंजिले इमारतों और माल अपसंस्कृति को बढ़ावा मिलने से समस्या जटिल हो गई है।

शहर की अधिकांश सरकारी जमीनों को बड़े पूंजीपतियों के हवाले किए जाने से स्थिति बेहद बिगड़ी है। विकास के नाम पर हो रहे मनमानी दुकानीकरण को नियंत्रित करना बहुत जरूरी है।

कार्यालय आयुक्त, जनजातीय कार्य, मध्यप्रदेश
59, आदि भवन, अरेरा हिल्स भोपाल
अनुसूचित जनजाति वर्ग के उम्मीदवारों हेतु
"विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना"
विज्ञप्ति (वर्ष 2026-27)

मध्यप्रदेश शासन, जनजातीय कार्य विभाग, मंत्रालय, भोपाल के पत्र क्रमांक एफ 12-16/2003/25-2/ दिनांक 30 अगस्त 2003 के द्वारा लागू एवं समय-समय पर संशोधित योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश के अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों को विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना के लिये आवेदन निर्धारित प्रारूप में आमंत्रित किये जाते हैं। विदेश में उच्च शिक्षा यथा शोध उपाधि उपरांत अध्ययन, पी.एच.डी. एवं स्नातकोत्तर करने हेतु चयनित अभ्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

छात्रवृत्ति के लिए स्लॉटों की संख्या : 50

आवेदन पत्र का प्रारूप एवं विस्तृत जानकारी जनजातीय कार्य विभाग की Website: tribal.mp.gov.in पर उपलब्ध है। योजना अंतर्गत अभ्यर्थियों का चयन वर्तमान प्रचलित योजना नियमों में प्रावधान अनुसार किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए जनजातीय कार्य विभाग की वेबसाइट www.tribal.mp.gov.in पर अथवा कार्यालय आयुक्त, जनजातीय कार्य, 59, आदि भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल/ संभागीय उपायुक्त, जनजातीय कार्य एवं अनु. जाति विकास / सहायक आयुक्त एवं जिला संयोजक जनजातीय कार्य में उपस्थित होकर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। जावेदन किये जाने की अंतिम तिथि 18 मई 2026 को कार्यालयीन समय तक रहेगी।

G-12299/26

आयुक्त
जनजातीय कार्य, मध्यप्रदेश

नाम सुधार सूचना

मै भगवानदास ठारवानी तनय स्व. साधूमल ठारवानी उम्र 63 वर्ष निवासी मकान नं. 433 अर्जुन नगर चौराहा के पास साधूमल कैम्पस वार्ड नं. 23 अर्जुन नगर तहसील हुजूर जिला - रीवा (म.प्र.) मेरा आधार नम्बर 520684317515 है मेरा पासपोर्ट नं. P1491416 इसू डेट 23.08.2016 इक्सपारी डेट 22.08.2026 भोपाल से बना हुआ है, जिसमें त्रुटि वस मेरे पिताजी का नाम साधूराम ठारवानी लिखा है जबकि मेरे अन्य दस्तावेजों में मेरे पिता जी का वास्तविक नाम साधूमल ठारवानी लिखा है जिससे मेरे पासपोर्ट नं. P1491416 में मेरे पिता का नाम साधूराम ठारवानी के स्थान पर उनका वास्तविक नाम साधूमल ठारवानी अंकित किया जाए एवं लिखा पढ़ा व जाना जाए।

RN- 85052
भगवानदास ठारवानी

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल
माखनपुरम परिसर, मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी के सामने, बिशनखेड़ी, भोपाल-462044

प्रवेश सूचना 2026-27

विश्वविद्यालय के भोपाल एवं रीवा परिसरों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 में संचालित होने वाले पत्रकारिता, जनसंचार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रसारण पत्रकारिता, विज्ञापन एवं जनसंपर्क, नवीन मीडिया, डिजिटल पत्रकारिता, फिल्म प्रोडक्शन, मीडिया शोध, एआई ड्रिवन मीडिया, मीडिया व्यवसाय प्रबंधन, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, मल्टीमीडिया, ग्राफिक्स एवं ऐनिमेशन, वाणिज्य, ई-कॉमर्स, प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग, हिन्दी भाषा एवं अनुवाद तथा इंग्लिश जर्नलिज्म के स्नातक, स्नातकोत्तर तथा पत्रोपाधि पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित हैं। आवेदन **16 जून 2026 की मध्यरात्रि तक** किए जा सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए विजिट करें - www.mcu.ac.in
ऑनलाइन आवेदन के लिए विजिट करें - https://mcrpv.mponline.gov.in/portal/
म.प्र. माध्यम/125477/2026
कुलसचिव

उत्तर मध्य रेलवे

पत्रांकः- ए.डी.ई.एन./ग्वा./परित्यकत रेलवे/क्वार्टर — दिनांकः- 27.04.2026

ई-नीलामी सूचना

ग्वालियर, बानमोर, मुरैना एवं हेतमपुर रेलवे स्टेशन में परित्यकत रेलवे क्वार्टर की नीलामी दिनांक 13.05.2026 को होनी है। नीलामी का विवरण निम्न है-

रेलवे आवास विवरण एवं संख्या	
RB-I (GWL-26), (HET-7) & (MRA-20) - 53	
RB-II (MRA-10) -10	RB-III (MRA-3) - 3
RB-IV (MRA-I) -1	H (GWL-2) - 2
MA (BAO-4), (MRA-8)-12	G (MRA-2) - 2
स्टॉक होल्डरः एसएसई/कार्य/मैन लाइन/ग्वालियर	
नीलामी की तिथि एवं समयः दिनांक 13.05.2026 11.00 पूर्वाहन	
निविदा के पूर्व पेशगी राशि (रू.में): नीलामी की जाने वाली राशि का 10 प्रतिशत- ₹ 20502.80	
सामग्री हटाने की अवधि दिनों में: 45 दिन	
नीलामी का स्थानः सहायक मंडल अभियन्ता ग्वालियर के कार्यालय में	

नीलामी में जाने वाले व्यक्ति किसी भी कार्यदिवस में आकर एसएसई/कार्य/मेन लाइन/ग्वालियर मो. 09752417595 से किसी भी कार्य दिवस में संपर्क कर परित्यकत किये जाने वाले रेलवे आवास का निरीक्षण कर सकते है। **नीलामी के लिये सामान्य शर्ते-** 1. नीलामी Sr. DEN/North/JHS द्वारा नामित समिति द्वारा की जाएगी और उसे किसी भी समय नीलामी रद्द करने का अधिकार होगा। 2. आमतौर पर बिक्री उच्च बोली लगाने वाले के पक्ष में की जाएगी लेकिन Sr. DEN/North/JHS को किसी भी समय और बिना किसी कारण के रद्द करने का अधिकार होगा। 3. नीलाम की जाने वाली सामग्री का आरक्षित मूल्यः 2,05,028.00 रूपये बोली इसी न्यूनतम मूल्य से प्रारंभ होगी। 4. नीलाम की गई सामग्री को हटाने का कार्य केवल दिन के समय किया जाएगा। रात में काम करने की अनुमति नहीं है। 5. सभी इच्छुक बोलीदाताओं को जमा रसीद भुगतान आदेश, डिमांड ड्राफ्ट के डिविजनल कैशियर और पे मास्टर (यानी DCPM/JHS) से धन रसीद के रूप में Sr. DFM/JHS/NCR के पक्ष में गिरवी रखी गई रू. 20502.80 की सुरक्षा जमा करनी होगी। टीडीआर, सिक्योरिटी मनी के ये रूपया एस.बी.आई. या किसी अन्य राष्ट्रीयकृत बैंक के हो सकते हैं। सुरक्षा जमा, नीलामी शुरू होने से कम से कम आधे घंटे पहले यानी दिनांक **13.05.2026** को **10.30** बजे तक ADEN/GWL को जमा करनी होगी। केवल वे बोली लगाने वाले, जिन्होंने नामांकित समय और तारीख तक निर्दिष्ट प्रपत्र में सुरक्षा जमा की अपेक्षित राशि जमा कर दी है, उन्हें दिनांक- **13.05.2026** को **11.00** बजे नामांकित स्थल पर नीलामी की कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। निर्धारित प्रारूप में अपेक्षित सुरक्षा जमा राशि के बिना किसी भी बोली लगाने वाले को नीलामी कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। 6. सफल बोली दाता को स्वीकृति पत्र जारी करने के बाद असफल बोली दाताओं को सुरक्षा जमा राशि वापस कर दी जाएगी। सफल उच्चतम बोली लगाने वाले की सुरक्षा जमा राशि बरकरार रखी जाएगी और कार्य के संतोष जनक समापन की बाद जारी की जाएगी। 7. सफल बोली दाता को सामग्री का पूरा स्वीकृत नीलामी मूल्य आवंटन के तीन दिन के भीतर और काम शुरू होने से पहले Miscellaneous E-Receipt System (MERS) Portal के माध्यम से जमा करनी होगी। 8. नीलामी सामग्री को स्वीकृत बोली दाता द्वारा अपने स्वयं के श्रम परिवहन के साथ संरचना को तोड़ने और लोडिंग और अनलोडिंग, लेवलिंग के लिए अपनी लागत पर नीलामी की तारीख से 45 दिनों के भीतर साइट से हटा दिया जाना है। राज्य/केन्द्र सरकार द्वारा लगाया गया कोई भी कर, स्वीकृत बोलीदाता द्वारा भुगतान किया जाएगा। रेलवे इस मद में कोई भुगतान नहीं करेगा। 9. नीलाम की गई सामग्री का निपटान रेलवे भूमि के बाहर किया जाना है और वर्तमान स्थल को रेलवे प्रतिनिधि की संतुष्टि के अनुसार साफ और समतल किया जाना है। 10. यदि ठेकेदार आवंटन की तारीख से 45 दिनों के भीतर साइट को साफ करने में विफल रहता, तो 1000/- रूपये प्रतिदिन की दर से जुर्माना लगाया जाएगा, ठेकेदार के असफल होने पर नीलामी की तारीख से 45 दिनों से अधिक की देरी के लिए जुर्माना लगाया, साइट से सामग्री (ईंटें/पत्थर) की अनुमति नहीं दी जाएगी, अवार्ड की तारीख से निर्दिष्ट दिन तक जब तक ठेकेदार द्वारा जुर्माने की अनुमानित राशि पूरी तरह से जमा नहीं कर दी जाती है। 11. विघटनकारी संरचना की नीलामी से जारी ईंटों/पत्थरों की कुल मात्रा लगभग घनमीटर में होगी। 12. निराकरण के दौरान पाए जाने वाले सभी दरवाजे, खिड़कियां, स्टील या अन्य अनदेखी सामग्री रेलवे की संपत्ति होगी और ठेकेदार इसे SSE/Wks/ ML/GWL के स्टोर में अपनी लागत से जमा करेगा एवं रेलवे की साइट इंजीनियर के निर्देशानुसार चट्टा लगायेगा। 13. किसी भी विवाद की स्थिति में अंतिम निर्णय Sr. DEN/North/JHS का होगा और इसे किसी भी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती है। **940/26 FA**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरुरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - **8962086944**

नाबालिग किशोरी बरामद, आरोपी गुजरात से गिरफ्तार

जागरण, सीधी। गुमशुदा बालक-बालिकाओं की शीघ्र बरामदगी हेतु पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित अभियान मुस्कान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना जमोड़ी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस टीम ने शादी का झांसा देकर अपहृत की गई नाबालिग किशोरी को सुरक्षित दस्तयाब करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दिनांक 16 अप्रैल 2026 को थाना जमोड़ी क्षेत्र से एक नाबालिग किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी। विवेचना के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि आरोपी द्वारा किशोरी को शादी एवं बेहतर भविष्य का प्रलोभन देकर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाया गया। मामले की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी की लोकेशन सूरत गुजरात में चिन्हित की गई। थाना प्रभारी जमोड़ी उनि दिव्य प्रकाश त्रिपाठी के नेतृत्व में गठित टीम तत्काल रवाना हुई। इसी दौरान आरोपी किशोरी को लेकर सूरत से लगभग 130 किलोमीटर दूर वापी पहुंच गया। सतत प्रयास एवं त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने वापी बस स्टैंड से नाबालिग को सुरक्षित बरामद कर आरोपी को मौके से गिरफ्तार किया। आरोपी को सीधी लाकर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। लगभग 1350 किलोमीटर दूर जाकर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में इस ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम देने में थाना प्रभारी उनि दिव्य प्रकाश त्रिपाठी, एसआई वर्षा यादव, एएसआई वीरभान, आरक्षक नीरज, आरक्षक सविता तथा साइबर सेल से प्रदीप एवं कृष्ण मुरारी की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

कार्यालय नगर परिषद् सुठालिया, जिला राजगढ़ (म. प्र.)
E-MAIL ID- CMONPSUTH@GMAIL.COM

क्रमांक/460/लोक निर्माण/2026 — दिनांक 30.04.2026

ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम)

एतद् द्वारा निम्नलिखित निर्माण कार्यों के लिए ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	निर्माण कार्य का विवरण	अनुमानित लागत राशि (रु. लाख में)	कार्य की अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	पूर्णता अवधि (माह)	ऑनलाइन निविदा क्र.	एनआईटी क्रमांक	ठेकेदार की श्रेणी
1	एसबीएम 2.0 के अंतर्गत सुठालिया नगर में इंटरसेप्शन व डायवर्सन सहित वेट लैंड तकनीक के माध्यम से सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट क्षमता 0.80 MLD का निर्माण	272.96	136480	15000	12 माह वर्षाकाल सहित	2026_UAD_504478_1	454 दिनांक 30.04.2026	C & above

- उक्त कार्यों के निविदा प्रपत्र दिनांक 04.05.2026 समय प्रात: 10:00 बजे से दिनांक 02.06.2026 समय सायं 06:00 बजे तक वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान कर प्राप्त हो सकेंगे।
- निविदा में संशोधन, यदि कोई होता है, तो केवल वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा और समाचार पत्र में नहीं।
- उपरोक्त कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

लक्ष्मी बाई लोधी
अध्यक्ष
नगर परिषद् सुठालिया

इकरार अहमद
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद् सुठालिया

संक्षिप्त खबरें

प्रशासनिक लापरवाही से हुई बरगी दुर्घटना: सिंघार

विशेष संवाददाता, भोपाल। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा है कि प्रशासनिक लापरवाही के चलते बरगी डैम में दुर्घटना हुई है। प्राकृतिक आपदा अपनी जगह है,लेकिन इस घटना के पीछे पूरी तरह से प्रशासनिक खामी है। सिंघार शुक्रवार को बरगी के दुर्घटना स्थल पहुंचे और उन्होंने वहां मौजूद मृतकों के परिजनों व अन्य लोगों से मुलाकात की।

उन्होंने मौके पर चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन की भी विस्तृत जानकारी लेकर अधिकारियों से चर्चा की। इस मौके पर सिंघार ने पत्रकारों से कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार पूरी तरह से असंवेदनशील हो चुकी है। हर बड़े हादसे के बाद केवल जांच की औपचारिकता निभाई जाती है। उन्होंने कहा कि घटना स्थल पर आंधी -तूफान मापक यंत्र का अभाव था, ऐसे में मौसम में क्रूज को अनुमति कैसे दे दी गई। साथ ही पर्यटकों को लाइफ जैकेट उपलब्ध भी नहीं कराई गई थी। इनके अलावा दूसरी कई बड़ी खामियां भी सामने देखने में आई है। सिंघार ने कहा कि इस पूरे मामले पर तत्काल दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, अन्यथा भविष्य में भी ऐसे हादसे होते रहेंगे और कोई जिम्मेदारी तय नहीं होगी। उन्होने कहा कि जनता केवल जांच नहीं, ठोस कार्रवाई चाहती है।

सत्येन्द्र भूषण बने लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को भी दो राजनीतिक नियुक्तियां कर दी।

प्रदेश भाजपा के पूर्व कार्यालय मंत्री सत्येन्द्र भूषण सिंह को मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम के संचालक मंडल का अध्यक्ष बनाया गया है। उनकी नियुक्ति दो वर्षो के लिए की गई है। इस संबंध में शुक्रवार को सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम विभाग ने आदेश जारी किया है। इसी तरह गुड्डी आदिवासी को मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय सहरिया विकास प्राधिकरण का अध्यक्ष बनाया गया है। उनका कार्यकाल तीन वर्ष का रहेगा। इस संबंध में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिया गया। जिसमें कहा गया है कि गुड्डी आदिवासी को मध्यप्रदेश शासन आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा विशेष पिछड़ी जनजाति सहरिया के उत्थान, सामाजिक भागीदारी व योजनाओं, कार्यक्रमों के अभिसरण के लिये प्राधिकरण का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

दिग्विजय सिंह का जीतू पर कटाक्ष... गुरु गुड़ हो गए, चेला शक्कर

कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की बैठक का राज्यसभा सांसद का वीडियो हुआ वायरल

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस में एक बार फिर से वरिष्ठ नेताओं की उपेक्षा और उनके बीच की दूरियां होने की बात सामने आई है। राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर कटाक्ष ने यह जता दिया है कि पार्टी में अब भी सबकुछ ठीक नहीं है।

दरअसल शुक्रवार को सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल हुआ है, जो पीसीसी में गुरुवार को कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की बैठक का बताया जा रहा है। इस बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह और पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा सहित दूसरे बड़े नेता मौजूद थे। बैठक में अपने संबोधन के दौरान दिग्विजय सिंह ने संगठन में नियुक्तियों और सामाजिक प्रतिनिधित्व को लेकर सवाल खड़े किए।

उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी से कहा कि संगठन में वाल्मीकी और बसोड़ समाज का प्रतिनिधित्व नहीं है, आप इन समाज के सदस्यों की नियुक्तियां कर दीजिए। केसी वेणुगोपाल (एआईसीसी संगठन महामंत्री) से तो आप जो चाहे लिखवाकर ले आओगे। जितने आप उन्हें प्रिय हैं, उतना किसी दूसरे प्रदेश का पार्टी अध्यक्ष नहीं है। आपका कहा कोई टालता है क्या? यहां राजेन्द्र पाल गौतम (राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुसूचित जाति विभाग) बैठे हैं, उन्होंने आपकी बात कभी टाली है क्या। दिग्विजय सिंह ने आगे कहा कि एआईसीसी में जो पकड़ आपकी है, उतनी हम लोगों की नहीं है। इसलिए इन लोगों को जोड़ दो। इस पर जीतू पटवारी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि मैं आपका ही चेला हूं। इसके प्रत्युत्तर में दिग्विजय सिंह ने व्यंग्य करते हुए कहा कि मेरे चेले हो, लेकिन गुरु रह गया गुड़ और चेला बन गया शक्कर। इसके बाद बैठक में थोड़ी देर तक खामोशी छा गई और दिग्विजय सिंह भी अपनी बात समाप्त कर बैठ गए। इस वायरल वीडियो पर राजनीति शुरू हो गई है। कांग्रेस के एक नेता ने पहचान उजागर नहीं करने की शर्त पर कहा कि हम भले ही दावा करते रहें कि सभी नेता एक हैं, लेकिन पार्टी के भीतर संगठनात्मक असहमति और पक्षपात की स्थिति दल को नुकसान पहुंचा रही है। दिग्विजय सिंह ने मंच से स्पष्ट रूप से सही कार्यकर्ताओं को प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाने पर सवाल खड़े कर पार्टी में सुधार की आवश्यकता की ओर इशारा किया है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी से कांग्रेस का कभी भी भला नहीं हो सकता।

कांग्रेस के बीच अंतर्द्वंद्व चल रहा है: रामेश्वर

दिग्विजय सिंह द्वारा जीतू पटवारी पर किए गए कटाक्ष को लेकर भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने चुटकी ली है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के अंदर अंतर्द्वंद चल रहा है और आपसी खींचतान मची हुई है। दिग्विजय सिंह के अंदर तो दर्द है कि प्रदेश में संगठन का पद पाने वाला उनका बेटा जिला अध्यक्ष बना दिया गया। उन्होंने कहा कि जिन समाज की दिग्विजय सिंह बात कर रहे हैं, उनको समझ लेना चाहिए कि आपको अंधेरे में रख कर कांग्रेस नेता अपने बेटा बेटियों के लिए राजनीति करते हैं।

भाजपा हम पर सवाल न उठाए उनके घर खुद शीशे के हैं: शर्मा

पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने विधायक रामेश्वर शर्मा के बयान पर पलटवार किया है।

उन्होंने कहा कि एससी विभाग की बैठक में जो हुआ, वह दिग्विजय सिंह और जीतू पटवारी के बीच की कैमिस्ट्री है। जयवर्धन सिंह के लिए अभी बहुत समय है। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह के बयान का मतलब यह है कि जितना पावरफुल पीसीसी चीफ को होना चाहिए, उतने जीतू पटवारी हैं। भाजपा हम पर सवाल न उठाए उनके घर खुद शीशे के हैं।

2014 के बाद की अधिग्रहित जमीनों पर मिले 4 गुना मुआवजा

विसं, भोपाल। राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने राज्य सरकार से मांग की है कि 1 जनवरी 2014 के बाद अधिग्रहित की गई जमीनों के बदले किसानों को चार गुना मुआवजा दिया जाए। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह सरकार ने भूअर्जन अधिनियम 2013 में प्रभावित किसानों को चार गुना मुआवजा दिए जाने का निर्णय लिया था। इस संबंध में दिग्विजय सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि कांग्रेस पार्टी पिछले 12 सालों से लगातार मांग करती आ रही है कि किसानों को जमीनों के बदले कानूनी तौर पर उचित मुआवजा मिलना चाहिए। पिछले एक दशक से अनेक सड़क और सिंचाई परियोजनाओं सहित अनेक जनहितेषी कार्यों के लिए राज्य सरकार ने किसानों की जमीनें उपयोग में ली है। केन्द्र सरकार के अधिनियम के पालन की जगह राज्य सरकार किसानों को दो गुना मुआवजा देकर उनके साथ अन्याय कर रही थी।

सीएम से मिलने पहुंचे दिग्विजय

सीएम डॉ. मोहन यादव से पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन में भेंट कर प्रदेश में जारी गेहूं उपार्जन के संबंध में चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उन्हें बताया कि अब तक 80 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं उपार्जन के लिए स्लॉट बुक हो चुके हैं, स्लॉट बुकिंग का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के किसानों से गेहूं उपार्जन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। किसानों की सुविधा के लिए सभी संभव व्यवस्थाएं की गई हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि वे स्वयं भी उपार्जन प्रक्रिया पर लगातार निगरानी बनाए हुए हैं।

केंद्र सरकार आज देशभर में अलर्ट सिस्टम की करेगी टेस्टिंग

मोबाइल में तेज सायरन के बाद अचानक आए मैसेज तो घबराएं नहीं

जागरण संवाददाता, भोपाल। आज अचानक आपके मोबाइल पर सायरन की तेज आवाज के साथ अचानक ही कोई मैसेज आए तो घबराएं बिल्कुल भी नहीं, क्योंकि भारत सरकार द्वारा प्राकृतिक आपदाओं व आपातकालीन स्थितियों में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम की टेस्टिंग करने की तैयारी है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और दूरसंचार विभाग मिलकर भोपाल के साथ ही देशभर में इस अलर्ट सिस्टम की टेस्टिंग करने जा रहे हैं। ऐसे में यदि मोबाइल फोन पर तेज बीप के साथ इमरजेंसी अलट का फ्लैश मैसेज आए, तो चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। यह सरकार द्वारा किए जा रहे सिस्टम टेस्टिंग का हिस्सा है। यह अलर्ट आपात स्थिति में शासकीय संदेश बिना किसी देरी के सीधे रियल-टाइम में भारतीय नागरिकों तक पहुंचाएगा। दो मई को इसी की टेस्टिंग की जा रही है। स्वदेशी रूप से विकसित सचेत पोर्टल को सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स ने तैयार किया है। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर के कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल पर आधारित है।

यह खासियत है सचेत पोर्टल की : यह सिस्टम 19 से अधिक भारतीय भाषाओं में संदेश भेजने में सक्षम है। यह प्लेटफॉर्म 134 अरब से अधिक एसएमएस अलर्ट भेज चुका है। यह सिस्टम प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूकंप, सुनामी, बिजली गिरना और चक्रवात के समय पूर्व में अलर्ट जारी कर देगा। साथ ही मानव जनित खतरे, गैस रिसाव या रासायनिक दुर्घटनाओं की भी चेतावनी देगा। आपदा के समय क्या करें और क्या न करें, इसकी सटीक जानकारी और सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश भी दिए जाएंगे।

मध्यप्रदेश मंत्रालय में जल्द होगा प्रशासनिक फेरबदल

मुख्यमंत्री ने की मुख्य सचिव से चर्चा, अफसरों का बोझ होगा कम

विशेष संवाददाता, भोपाल। राज्य सरकार मंत्रालय स्तर पर जल्द ही बड़ा प्रशासनिक फेरबदल कर सकती है। जिसे लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन के बीच मंत्रणा हो चुकी है। इस फेरबदल में बड़े विभागों को स्थाई अधिकारी मिलेंगे, तो कुछ विभागों में वर्षो से पदस्थ अधिकारियों को दूसरी जवाबदारी सौंपी जा सकती है। प्रशासनिक लॉबी से जुड़े सूत्रों की माने तो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को जबलपुर के बरगी जाने के पहले मंत्रालय स्तर पर बड़े फेरबदल को लेकर मुख्य सचिव अनुराग जैन से चर्चा की है। इसमें ऐसे विभागों में स्थायी अधिकारियों की पदस्थापना करने पर विचार विमर्श किया गया है,जहां पर पदस्थ अधिकारियों के पास दो से तीन विभागों का अतिरिक्त प्रभार है। इनमें गृह विभाग भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला के पास गृह विभाग के अलावा पर्यटन,संस्कृति विभाग का भी

अतिरिक्त प्रभार है। सरकार यहां पर ऐसे अधिकारी को पदस्थ करना चाहती है,जिनके रिटायर होने में अभी एक से डेढ़ वर्ष का समय बचा है। इसी तरह सरकार उन विभागों के अधिकारियों को भी बदल सकती है,जो दो से तीन वर्ष से ज्यादा एक ही विभाग में पदस्थ है। इनमें खाद्य ,नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की अपर मुख्य सचिव रश्मि अरुण शमी का नाम सामने आ रहा है। इसी तरह अलावा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण की प्रमुख सचिव सोनाली पोंक्षे वायंगणकर तकरीबन डेढ़ साल से पदस्थ है। उनके पास आयुक्त निःशक्तजन का भी अतिरिक्त प्रभार है। इनके अलावा दूसरे वरिष्ठ अधिकारी भी है,जिनके पास अपने मूल विभाग के बाद भी दो से तीन विभागों का अतिरिक्त प्रभार भी है।

राजनीतिक नियुक्तियों पर भी मुहर

खबर है कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश में राजनीतिक नियुक्तियों को भी हरी झंडी दे दी है। इसमें मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग और बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों के नामों पर फंसा पेंच भी सुलझा लिया गया है। एक दो दिन में इन आयोगों की नियुक्तियों का काम पूरा कर दिया जाएगा।

आईपीएस अधिकारियों की भी सूची तैयार

बताया गया है कि सीएम ने भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों के व्यापक स्तर पर तबादलों के लेकर मुख्य सचिव अनुराग जैन और पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के साथ विचार विमर्श करने के उपरांत सूची पर अंतिम सहमति प्रदान कर दी है। ऐसा माना जा रहा है कि जल्द ही आईपीएस अधिकारियों के तबादलों की सूची जारी कर दी जाएगी, जिसमें विशेष पुलिस महानिदेशक, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक और उपपुलिस महानिरीक्षक के साथ-साथ कई जिलों के पुलिस कप्तान भी बदले जाएंगे। विशेष कर उन जिलों को नए पुलिस अधीक्षक मिलना तय है, जिनकी कमान डीआईजी पद पर पदोन्नत हो चुके आईपीएस अधिकारी संभाल रहे हैं।

हड़ताल करने वाले डॉक्टरों की छुट्टियां रद्द

10 मई से प्रस्तावित है चिकित्सकों का आंदोलन

नगर संवाददाता, भोपाल। गांधी चिकित्सा महाविद्यालय में हड़ताल को लेकर भ्रम की स्थिति बन गई है। डीन कार्यालय ने 10 मई से हड़ताल पर जाने वाले डॉक्टरों का समर वैकेशन निरस्त करने का आदेश जारी किया है, जबकि मध्यप्रदेश मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन (एमटीए) ने साफ कहा है कि फिलहाल किसी हड़ताल की घोषणा नहीं की गई है। इसी बीच करीब 130 डॉक्टर शुक्रवार से एक माह के समर वैकेशन पर जा चुके हैं। ऐसे में प्रशासन और डॉक्टरों के बीच स्थिति को लेकर असमंजस बना हुआ है। अस्पताल प्रबंधन ने सेवाएं प्रभावित न हों, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। दरअसल, गांधी मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता कार्यलय से 28 अप्रैल को जारी आदेश में कहा है कि 10 मई 2026 को प्रस्तावित हड़ताल के मद्देनजर यदि कोई डॉक्टर ड्यूटी से अनुपस्थित रहता है, तो उसका समर वैकेशन निरस्त माना जाएगा। सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। मामले में मध्यप्रदेश मेडिकल टीचर्स एसो. के अध्यक्ष डॉ. राकेश मालवीय ने प्रशासन के इस आदेश पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि 9 अप्रैल को अपर मुख्य सचिव (एसीएस) के साथ हुई बैठक में मिले आश्वासन के बाद प्रस्तावित हड़ताल को स्थगित कर दिया था। फिलहाल संगठन ने किसी भी तरह की हड़ताल या आंदोलन की तारीख तय नहीं की है। आगे एसीएस के साथ होने वाली वार्ता के बाद ही प्रदेश स्तर पर निर्णय लिया जाएगा। यह आदेश भ्रामक और अनावश्यक है।

130 डॉक्टर समर वेकेशन पर

घटनाक्रम के बीच बड़ी संख्या में डॉक्टर पहले ही अवकाश पर जा चुके हैं।जानकारी के मुताबिक, करीब 130 डॉक्टर शुक्रवार से एक माह के समर वैकेशन पर हैं। ऐसे में 10 मई को संभावित स्थिति को लेकर अस्पताल प्रबंधन के सामने चुनौती और बढ़ गई है। कॉलेज प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी स्थिति में मरीजों की सेवाएं प्रभावित नहीं होनी चाहिए। विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया है कि वे अपने स्तर पर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि अस्पताल की ओपीडी और इमरजेंसी सेवाएं सुचारु रूप से चलती रहें।

पेंशन से रिकवरी पर अंतरिम रोक लगाई

जबलपुर। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति मनिंदर सिंह भट्टी की एकलपीठ ने गलत वेतन निर्धारण के आधार पर निकाली गई पेंशन से रिकवरी करने पर अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने आयुक्त लोक शिक्षण, पेंशन कार्यालय भोपाल और डीईओ बालाघाट को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता बालाघाट निवासी विमला चौधरी की ओर से अधिवक्ता मोहन लाल शर्मा, प्रतीक दुबे व शिवम शर्मा ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता के पति की मृत्यु के बाद 2014 में पीपीओ जारी किया गया। इसके बाद 2019 में नया पीपीओ जारी किया गया, लेकिन पुराने पीपीओ के आधार पर ही पेंशन जारी रखी गई। बाद में विभाग ने 2019 से 2026 तक की रिकवरी निकाल दी और बैंक खाता भी फ्रीज कर दिया। कोर्ट ने उक्त आदेश के साथ याचिकाकर्ता को बैंक खाता आपरेट करने की अनुमति भी प्रदान कर दी।

गेहूं खरीदी पर सरकार की पूरी नजर: सीएम

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अलावा सरकार के मंत्री व अधिकारी भी गेहूं खरीद केन्द्रों का औचक निरीक्षण करेंगे। किसानों को उनकी फसलों की पूरी कीमत मिले,इस पर सरकार की पूरी नजर रहेगी। यह बात शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गेहूँ उपार्जन का कार्य तेजी से किया जा रहा है। किसानों द्वारा बड़ी संख्या में स्लॉट बुक किए हैं। अब तक 80 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ उपार्जन के लिए स्टॉल बुक हो चुके है। उन्होंने कहा कि यह एक सकारात्मक संदेश है। स्टॉल बुकिंग का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के किसानों से गेहूँ उपार्जन करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। किसानों की सुविधा के लिए उपार्जन केन्द्रों पर सभी संभव व्यवस्थाएं की गई हैं। डॉ. यादव ने कहा कि गेहूँ उपार्जन प्रक्रिया में व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के लिए आकस्मिक निरीक्षण लगातार चलता रहेगा और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

राज्यपाल ने की भेंट : सीएम शुक्रवार को लोक भवन पहुंचे और उन्होंने राज्यपाल मंगुभाई पटेल से सौजन्य भेंट की। राच्यपाल पटेल को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य के विकास व जनकल्याण संबंधी विभिन्न विषयों पर जानकारी दी। दोनों के बीच अनौपचारिक चर्चा भी हुई। सीएम लोकभवन में गुजरात एवं महाराष्ट्र के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक समारोह में भी शामिल हुए और आकर्षक प्रस्तुतियों को सराहा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, राच्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी मौजूद थे।

इंदौर-पीथमपुर कॉरिडोर का 3 को भूमिपूजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर प्रोजेक्ट को गति देने के लिए किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। उन्होंने जमीन देने वाले भू-स्वामियों को मिलने वाली विकसित जमीन का हिस्सा 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दिया है। इस फैसले से किसानों का भरोसा बढ़ा है और वे प्रोजेक्ट में स्वेच्छा से जुड़ रहे हैं। इस कॉरिडोर के प्रथम चरण के लिए 3 मई को मुख्यमंत्री डॉ . यादव द्वारा भूमि पूजन किया जाएगा। भूमि-पूजन सेक्टर-ए, ग्राम नैनोद, इंदौर में किया जाएगा। प्रथम चरण की लागत 326.51 करोड़ रु. है, जिसके तहत प्रारंभिक अधोसंरचना विकास कार्य शुरू किए जाएंगे।

समाधान

म्यूनिसिपल बॉण्ड से जुटाएंगे फंड, बिजली बिल के बोझ से मुक्त होंगे नगरीय निकाय

184 शहरों के लिए 1320 करोड़ से लगेगा 220 मेगावाट का सोलर प्लांट

मुख्य संवाददाता, भोपाल। इंदौर नगर निगम द्वारा जलूद में सोलर पावर प्लांट की स्थापना के बाद अब प्रदेश के 184 नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर परिषदों की आर्थिक सेहत सुधारने और बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए नई योजना तैयार की गई है। नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय और एमपी अर्बन डेवलपमेंट कंपनी द्वारा जारी ताजा निर्देशों के अनुसार, इन शहरों में बिजली के भारी-भरकम बिलों से राहत पाने के लिए मध्यप्रदेश अर्बन कैप्टिव सोलर प्रोजेक्ट की शुरुआत होगी। इसके तहत 220 मेगावाट क्षमता का सोलर प्लांट लगाया जाएगा। इसकी बिजली का आधे से अधिक हिस्सा केवल संबंधित नगरीय निकायों को दिया जाएगा। फिलहाल मध्य प्रदेश में नगरीय निकायों की आय का लगभग 30 से 40 प्रतिशत हिस्सा केवल पेयजल और स्ट्रीट लाइट जैसी सुविधाओं के बिजली बिल भरने में खर्च हो जाता है। भविष्य में बिजली महंगी होने और बढ़ती खपत को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

बॉण्ड जारी करेगी सरकार

इस प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने की जिम्मेदारी मध्य प्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड को सौंपी गई है। नगरीय प्रशासन आयुक्त संकेत भोंडवे द्वारा जारी इस आदेश के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट की लागत लगभग 1320 करोड़ रुपये होगी। इस रकम को जुटाने के लिए सरकार ने एक वित्तीय मॉडल तैयार किया है, जिसके तहत 119 करोड़ रुपये की इक्विटी नगरीय निकायों को अनुदान राशि से उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं, शेष रकम का इंतजाम करने के लिए सामूहिक म्यूनिसिपल बॉण्ड आमंत्रित किए जाएंगे। परियोजना के लिए एक स्पेशल पर्पज व्हीकल का गठन भी किया जा रहा है। नियमों के मुताबिक, कैप्टिव सोलर प्रोजेक्ट का लाभ लेने के लिए निकायों की इसमें कम से कम 26 प्रतिशत हिस्सेदारी होना अनिवार्य है और उन्हें प्लांट में बनी बिजली का न्यूनतम 51 प्रतिशत हिस्सा हर साल उपयोग करना होगा। इस योजना से न केवल बिजली खर्च में भारी कटौती होगी, बल्कि ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा मिलने से पर्यावरण भी सुधरेगा।

संभागों के चुनिंदा निकायों को किया शामिल

- **भोपाल संभाग**- भोपाल नगर निगम समेत 28 नगरीय निकाय
- **चंबल संभाग**- मुरैना नगर पालिका समेत 9 नगरीय निकाय
- **ग्वालियर संभाग**- ग्वालियर नगर निगम समेत 17 नगरीय निकाय
- **इंदौर संभाग**- इंदौर, खंडवा, बुरहानपुर नगर निगम समेत 33 नगरीय निकाय
- **जबलपुर संभाग**- जबलपुर, कटनी, छिंदवाड़ा समेत 24 नगरीय निकाय
- **नर्मदापुरम**- 9 नगरीय निकाय
- **रीवा**- **रीवा,** सतना, सिंगरौली समेत 10 नगरीय निकाय
- सागर- सागर नगर निगम समेत 19 नगरीय निकाय
- शहडोल- 7 नगरीय निकाय
- **उज्जैन**- उज्जैन, देवास, रतलाम नगर निगम समेत 28 नगरीय निकाय

चुंगी क्षतिपूर्ति से जमा किया नगरीय निकायों का 103 करोड़ का बिजली बिल

अप्रैल के अंतिम दिन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रदेश की तीनों बिजली वितरण कंपनियों को नगरीय निकायों के 103.06 करोड़ रुपये के बिजली बिल का भुगतान किया है। यह भुगतान अप्रैल 2026 की चुंगी क्षतिपूर्ति राशि से किया गया है। विभाग ने विंध्याचल कोषालय के माध्यम से यह राशि सीधे बिजली कंपनियों के खातों में जमा करा दी है। सबसे अधिक राशि इंदौर नगर निगम की जमा कराई गई है, जहां 26.48 करोड़ रुपये का बिजली बिल जमा हुआ है। जबकि भोपाल नगर निगम के लिए 15.55 करोड़, ग्वालियर नगर निगम के लिए 9.92 करोड़, जबलपुर नगर निगम के लिए 5.80 करोड़, सतना नगर निगम के लिए 2.30 करोड़ और सागर नगर निगम के लिए 2.25 करोड़ रुपये के बिजली बिल भरे गए हैं। सरकार ने मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भोपाल के खाते में 40.26 करोड़, पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर को 39.13 करोड़ और पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी जबलपुर को 23.66 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया है।

प्रथम पृष्ठ के शेष

अब प्रदेश के जलाशयों ...

अधिकारियों एवं दूसरे जनप्रतिनिधियों के साथ दुर्घटना स्थल का जायजा लिया। इस दर्दनाक हादसे में मां-बेटे की मौत से जहां दिल्ली का परिवार बिखर गया। परिवार के तीन लोग इस हादसे में बच नहीं सके। जबकि पति, बेटी व ससुर बचा लिये गए। वहीं जबलपुर के खमरिया में रहने वाले कामराज के परिवार पर भी पहाड़ टूटा है। इस परिवार के 15 लोग क्रूज में सवार थे। इनमें से पत्नी काकुलाझी का शव गुरूवार को ही मिल गया था तो पति कामराज और बेटे तमिल का 24 घंटे बाद भी कोई पता नहीं है। कामराज के बुजुर्ग माता-पिता कल शाम से ही घाट पर बैठे हैं। बाकी उनके भैया भाभी व अन्य रिश्तेदारों को रेस्क्यू टीम ने बचा लिया था।

गुरुवार शाम हुए इस हादसे के बाद देर रात तक टार्च की रोशनी में सर्च ऑपरेशन चलाया जाता रहा। शुक्रवार सुबह से चलाए गए ऑपरेशन में कुछ लोगों को सुरक्षित निकालने में कामयाबी मिली तो शव मिलने से बरगी का घाट मातम में डूबता चला गया। चार लोगों का अभी भी पता नहीं चला है। इनकी तलाश में चलाए जा रहे ऑपरेशन को शुक्रवार शाम अचानक बदले मौसम ने रोक दिया। तेज बारिश होने से सर्चिंग रोक दी गई है। शनिवार सुबह 5 बजे से फिर सर्चिंग की जाएगी। ऐसे में अपनों के लौटने की आस लगाए बैठे परिजनों का इंतजार और बढ़ गया है।

इस हादसे में मृतकों की संख्या के साथ ही सुरक्षित निकल रहे लोगों की संख्या बढ़ने के साथ ही पर्यटन निगम, बोट क्लब के स्टॉफ पर उठने वाली उंगलियां भी बढ़ती जा रही है। बोट क्लब ने प्रशासन को घटना के तत्काल बाद बताया था कि कुल 29 लोगों को टिकट जारी की गई थी। मगर अब तक प्रशासन द्वारा जारी सूची के मुताबिक ही 41 से ज्यादा नाम सामने आ चुके हैं। वहीं लाइफ जैकेट भी किसी को नहीं दी गई थी। वीडियो में भी अधिकांश लोग बिना जैकेट के नजर आए हैं। पायलट ने खुद स्वीकार किया कि मौसम बदलने पर जैकेट दी गईं। बचकर बाहर निकले यात्रियों ने बताया है कि पानी भरने पर क्रूज स्टॉफ भाग गया था। वे लोगों को बचाने भी नहीं आया। लोगों को जैकेट भी मुश्किल से दी गईं। कई पर्यटक तो जैकेट पहन भी नहीं सके। पानी भरने पर लोगों ने ही कांच फोड़कर अपनी जान बचाई।

मृतकों में 8 महिलाएं और एक बच्चा

- नीतू सोनी (43), निवासी कोतवाली, जबलपुर
- सौभाग्यम अलागन (42), निवासी अन्नानगर, वेस्ट तारापुरम, तमिलनाडु
- मधुर मैसी (62), निवासी खाजन बस्ती, नई दिल्ली
- काकुलाझी पति/पिता कामराज (38), निवासी वेस्ट लैंड खमरिया, जबलपुर
- रेशमा सैयद (66), निवासी सिविल लाइन, भसीन आर्केड, जैक्सन होटल के पास
- शमीम नकवी (68), निवासी डेरखी, भोपाल
- मरीना मैसी पति प्रदीप मैसी (39), निवासी दिल्ली
- त्रिशान पिता प्रदीप मैसी (4), निवासी दिल्ली
- ज्योति सेन, निवासी फूटाताल, जबलपुर।

जूनियर को भी प्राचार्य ...

अदालत ने उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 25 अगस्त और 8 सितंबर 2021 को जारी उन सर्कुलरों को भी अल्प संख्यक संस्थाओं के संबंध में निरस्त कर दिया, जिनमें इन संस्थाओं को वरिष्ठतम शिक्षक को ही प्रभारी बनाने का प्रावधान किया गया था। यह विवाद तब अदालत में पहुंचा था जब विदिशा के एसएसएल जैन पीजी कॉलेज की प्रबंधन समिति ने प्रभारी प्राचार्य डॉ. शोभा जैन के सेवानिवृत्त होने के बाद डॉ. एसके उपाध्याय को प्रभारी प्राचार्य नियुक्त किया था। उच्च शिक्षा विभाग के क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक ने इस फैसले को निरस्त करते हुए वरिष्ठता के आधार पर डॉ. अर्चना जैन को प्रभार सौंपने का आदेश दिया था।

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर में 24 दिन से रखे हैं दो बच्चों के शव

इंफाल, जेएनएन। मणिपुर के ट्रोंगलाओबी गांव में 7 अप्रैल को बम धमाके में 5 साल के बच्चे और उसकी 6 महीने की बहन की मौत हो गई थी। दो भाई-बहनों का शव 24 दिन बाद भी इंफाल के रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के मुर्दाघर में रखे हैं। इस हमले का आरोप संदिग्ध कुकी उग्रवादियों पर लगाया गया। इन मासूम मौतों ने मणिपुर हिंसा के दर्द को कई गुना बढ़ा दिया है। बच्चों के 71 साल के दादा, बाबुटन ओइनाम कहते हैं- सरकार 10-10 लाख रुपए लेकर बच्चों का अंतिम संस्कार करने को कह रही है, लेकिन हमें पैसे नहीं हत्यारे चाहिए।

अटारी बॉर्डर पर रिट्रीट सेरेमनी का समय बदला

अमृतसर, जेएनएन। अमृतसर स्थित भारत-पाकिस्तान अटारी बॉर्डर पर होने वाली प्रसिद्ध रिट्रीट सेरेमनी के समय में बदलाव किया गया है। नए निर्णय के अनुसार अब रिट्रीट सेरेमनी शाम 6 बजे से शुरू होकर 6:30 बजे तक चलेगी। इससे पहले रिट्रीट 5:30 बजे शुरू होकर 6 बजे खत्म हो रही थी। मौसम और दिन की घटती-बढ़ती रोशनी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने यह फैसला लिया है। अधिकारियों का कहना है कि दर्शकों को बेहतर अनुभव देने और सुरक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए समय में यह बदलाव जरूरी था। यह नया समय आज यानी 1 मई से लागू कर दिया गया है। अटारी-वाघा बॉर्डर पर हर रोज होने वाली इस सेरेमनी को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं।

अमेरिका में भारतीय युवक ने दी जान

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका के शिकागो में रह रहा आंध्र प्रदेश निवासी 26 वर्षीय युवक इरागनाबोयिना चंदू ने बेरोजगारी और आर्थिक तंगी से टूटकर आत्महत्या कर ली। इरागनाबोयिना चंदू आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले का रहने वाला था, जिसने हाल ही में डीपॉल यूनिवर्सिटी से मास्टर्स पूरा किया था। कुरनूल जिले के निवासी चंदू अमेरिका में नौकरी न मिलने और सुरक्षा गार्ड पिता पर आर्थिक बोझ बनने के कारण यह कदम उठाया। अब अमेरिका में रह रहे भारतीय समुदाय शव को भारत भेजने और परिवार का कर्ज चुकाने के लिए फंड जुटा रहा है। वहीं, केंद्र और राज्य सरकार की ओर से भी पार्थिव शरीर को जल्द स्वदेश लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

एक्सप्रेस-वे पर 'दो घंटे जाम में फंसी रहीं सुप्रिया

मुंबई, जेएनएन। मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार को ऐसा हाल रहा कि लोग अपनी गाड़ियों में कैद होकर रह गए। हुआ ये कि लंबा वीकेंड होने के कारण सड़कों पर पहले से ही दबाव था, वहीं 'मिसिंग लिंक' के उद्घाटन कार्यक्रम के चलते ट्रैफिक और बढ़ गया। इसी भारी जाम के बीच एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले की गाड़ी भी फंस गई और वो करीब दो घंटे तक सड़क पर ही अटकी रहीं। घाट वाले इलाके में तो गाड़ियों की ऐसी लंबी कतारें लगीं। सुप्रिया सुले ने जब देखा कि जाम खुलने का नाम नहीं ले रहा, तो उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर वहां का हाल दिखाया। उन्होंने बताया कि कैमरे से देखने पर घाट की पहाड़ियां भले ही सुंदर लग रही हों, लेकिन सड़क पर फंसे लोगों का बुरा हाल है।

ईरान जंग में अमेरिका को हुआ 24 हजार करोड़ रुपये का नुकसान

नई दिल्ली, जेएनएन। ईरान के साथ चल रहे युद्ध में अमेरिका को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। अमेरिका स्थित थिंक टैंक सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) के अनुसार, ईरान के मिसाइलों, ड्रोनों और एक दुर्भाग्यपूर्ण 'फ्रेंडली फायर' की वजह से अमेरिकी सैन्य उपकरणों को 2.3 अरब से 2.8 अरब डॉलर (19,400 करोड़ से 23,700 करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ है। यह अनुमान हवाई उपकरणों का है। इसमें नौसेना के जहाजों का नुकसान शामिल नहीं है।

रक्षा मंत्री का दावा और अगले दिन ईरान का हमला: 26 मार्च को अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कैबिनेट बैठक में बड़े दावे किए। उन्होंने कहा कि इतिहास में कभी भी किसी देश की सेना को इतनी तेजी और प्रभावी ढंग से कमजोर नहीं किया गया। लेकिन ठीक अगले दिन, 27 मार्च को ईरान ने सऊदी अरब में स्थित अमेरिकी एयरबेस 'प्रिंस सुल्तान' पर मिसाइल और ड्रोन हमला कर दिया।

छिपा रहा ट्रंप प्रशासन

अमेरिका ने इस युद्ध में पूर्ण पारदर्शिता नहीं दिखाई है। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप प्रशासन चुनावी कारणों से नुकसान की पूरी जानकारी छिपा रहा है। ईरान के साथ युद्ध में अमेरिका ने ऑपरेशनल सफलताएं हासिल कीं, लेकिन रणनीतिक लक्ष्य अभी दूर दिख रहे हैं। 2003 के इराक युद्ध और अफगानिस्तान की तरह यहां भी ऑपरेशनल जीत रणनीतिक हार में बदल सकती है।

थिंक टैंक ने पेश की गणना

सीएसआईएस के सीनियर एडवाइजर मार्क कैनशियन ने विस्तृत गणना की है। उनके अनुसार थाड मिसाइल डिफेंस सिस्टम का एक या दो पावरफुल रडार नष्ट हुए, जिनकी कीमत लगभग 4,100 करोड़ से 8,200 करोड़ रुपये के बीच है। ईरान के हमलों और एक फ्रेंडली फायर घटना में लगभग 19,400 करोड़ से 23,700 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। फ्रेंडली फायर में कुवैत में तीन एफ-15 फाइटर जेट भी नष्ट हो गए। युद्ध की शुरुआत 28 फरवरी को हुई थी। ईरान ने न सिर्फ अमेरिकी ठिकानों पर, बल्कि अमेरिका के सैनिकों वाले खाड़ी देशों के ठिकानों पर भी हमले किए। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को भी प्रभावित किया, जिससे तेल परिवहन प्रभावित हुआ। सीएसआईएस विशेषज्ञ का कहना है कि ईरान का खाड़ी देशों पर हमला करना रणनीतिक गलती साबित हुआ, क्योंकि इससे खाड़ी देश अमेरिका के और करीब आ गए।

ईरान जंग का असर, रोजाना 100 फ्लाइट कम करेगी एयर इंडिया

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका और ईरान की जंग के बीच क्रूड ऑयल के दाम में आग लगी हुई है। ईंधन की बढ़ती कीमत से एयरलाइंस पर भी दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में टाटा ग्रुप की एयरलाइन एयर इड़िया ने बड़ा फैसला किया है। एयरलाइन की तरफ से दी गई जानकारी में बताया गया कि जल्द ही रोजाना 100 फ्लाइट को कम कर दिया जाएगा। यह कटौती डोमेस्टिक और इंटरनेशनल दोनों रूट पर होगी। एयर इंडिया की तरफ से अभी रोजाना करीब 1100 फ्लाइट का संचालन किया जाता है। जून के महीने से सबसे ज्यादा फ्लाइट यूरोप, नॉर्थ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर के लंबे रूट्स पर कम की जाएंगी। इंडियन एयरलाइंस के संगठन फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआईए) की तरफ से पिछले दिनों चेतावनी दी गई थी कि यदि सरकार जल्द मदद नहीं करती तो और कई फ्लाइट को बंद करना पड़ सकता है।

यूएई ने ईरान, लेबनान और इराक जाने पर लगाया ट्रैवल बैन

नई दिल्ली, जेएनएन। यूएई सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए अपने नागरिकों के लिए ईरान, इराक और लेबनान की यात्रा पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। मध्य पूर्व में जारी भारी तनाव और युद्ध जैसी स्थितियों को देखते हुए विदेश मंत्रालय ने यह सख्त कदम उठाया है। मंत्रालय ने इन देशों में पहले से मौजूद अपने नागरिकों को तुरंत घर लौटने का आदेश भी जारी किया है। यूएई के विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान क्षेत्रीय घटनाक्रम और सुरक्षा चिंताओं के कारण यह फैसला लिया गया है। मंत्रालय के बयान में साफ कहा गया है कि मौजूदा क्षेत्रीय परिस्थितियों को देखते हुए, यूएई के नागरिकों का ईरान, लेबनान और इराक जाना फिलहाल प्रतिबंधित है।

पंजाब में 'आप' फ्लोर टेस्ट में पास पर डोप टेस्ट को लेकर मचा हंगामा

94 में से 88 विधायकों ने आप सरकार के पक्ष में किया मतदान

चंडीगढ़, जेएनएन। पंजाब विधानसभा में शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने फ्लोर टेस्ट पास कर लिया। 94 में से 88 विधायकों ने सरकार के पक्ष में वोट दिया। वहीं 4 विधायक गैरहाजिर रहे, जबकि 2 विधायक लालजीत सिंह भुल्लर और हरमीत सिंह पठानमाजरा जेल में बंद हैं। इस दौरान कांग्रेस, भाजपा और शिरोमणि अकाली दल के विधायक मौजूद नहीं रहे।

सीएम भगवंत मान ने कहा कि इसकी कॉपी राष्ट्रपति के पास लेकर जाऊंगा। इससे पहले उस वक्त हंगामा हो गया, जब नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने स्पीकर को पत्र देकर सीएम और सभी विधायकों का डोप टेस्ट कराने की मांग की। स्पीकर ने इस मांग को ठुकरा दिया। कार्यवाही के दौरान सीएम ने कांग्रेस विधायकों पर कमेंट किया कि वह सदन में मोबाइल यूज कर रहे हैं। इसके बाद कांग्रेस विधायक सुखपाल खैहरा के बैठने के तरीके पर विवाद हो गया। इस पर बहस होने लगी। इस दौरान खैहरा ने सीएम को लेकर आपत्तिजनक आरोप लगाए। जिसको लेकर हंगामा हो गया। इसके बाद कांग्रेस विधायक वॉकआउट कर गए।

मीटिंग में 65 विधायक ही आए

सांसदों के पार्टी छोड़ने और विधायकों के बगावत के खतरे के बीच आप के पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने जालंधर में विधायक की मीटिंग बुलाई थी। इसमें 94 में से सिर्फ 65 ही विधायक आए। हालांकि 117 विधानसभा सीटों वाले पंजाब में बहुमत का आंकड़ा 59 सीटों का है।

भाजपा-कांग्रेस के नेताओं पर मिलीभगत के आरोप

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के नेता आपस में मिले हुए हैं और केवल राजनीतिक लाभ के लिए इस तरह की खबरें फैलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी आम लोगों की पार्टी है और यह टूटने वाली नहीं है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने यह भी कहा कि गुजरात में स्थानीय चुनावों में उनकी पार्टी ने सैकड़ों सीटें जीती हैं, जिससे विरोधी दलों में बेचैनी है। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार मजबूत है और बहुमत पूरी तरह सुरक्षित है। विधानसभा में विधायक अनमोल गगन मान ने भी सरकार के समर्थन में बोलते हुए कहा कि वे आखिरी सांस तक पार्टी के साथ रहेंगे और पार्टी ने ही उन्हें यह मुकाम दिया है।

अकाली दल का आरोप- सीएम शराब पीकर आए

शिरोमणि अकाली दल ने पंजाब के मुख्यमंत्री पर विधानसभा में शराब पीकर आने का गंभीर आरोप लगाया है। पंजाब की विपक्षी पार्टी शिरोमणि अकाली दल ने मुख्यमंत्री भगवत मान का एक्स पर एक वीडियो जारी किया है। अकाली दल ने एक्स पर लिखा है कि, 'बहुत शर्म की बात है कि भगवंत मान आज मजदूर दिवस के मौके पर पवित्र सदन विधानसभा में शराब पीकर पहुंच गए।' अकाली दल ने वीडियो का जिक्र करते हुए कहा है कि, 'आप खुद मुख्यमंत्री का हाल देख लीजिए कि वह विधानसभा में किस तरह व्यवहार कर रहे हैं।' आगे शिरोमणि अकाली दल ने कहा है कि पार्टी मुख्यमंत्री के इस व्यवहार की कड़ी निंदा करती है।

एग्जिट पोल बोले दादा भविष्यवाणी तो मां दुर्गा भी नहीं कर पाएंगी

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों का माहौल अपने चरम पर है। हर तरफ अटकलें, दावे और कयासों का दौर चल रहा है, लेकिन असली तस्वीर क्या होगी? इस पर अभी भी सस्पेंस बना हुआ है। इसी बीच भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली से जब चुनावी नतीजों को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने बेहद सधे हुए अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि नतीजों का अंदाजा लगाना इतना आसान नहीं है कि कोई अभी से कुछ तय कर दे। गांगुली ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, 'संभावित नतीजों का अंदाजा तो मां दुर्गा भी नहीं लगा सकतीं। मतपेटियां सोमवार को खुलेंगी और तभी वोटों की गिनती के साथ ये भी साफ हो पाएगा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने किसे चुना है। अभी इस पर कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।' उनके इस बयान से साफ है कि चुनावी नतीजों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और हर किसी को अंतिम परिणाम का इंतजार करना होगा। फिलहाल, सभी की नजरें 4 मई के दिन पर टिकी हैं, जब मतगणना के बाद पश्चिम बंगाल में सरकार बनने की तस्वीर पूरी तरह साफ हो जाएगी। दरअसल, सौरव गांगुली लंबे समय से अपनी बेबाकी के लिए जाने जाते हैं, लेकिन राजनीति के सवालों पर वह अक्सर संतुलित और सतर्क नजर आते है।

एंट्रैकर ने पेश किए आंकड़े

भारतीय स्टार्टअप फंडिंग में 8.7 प्रतिशत की गिरावट

एंट्रैकर द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2026 में स्टार्टअप फंडिंग 865 मिलियन डालर रही, जो मार्च के 948 मिलियन डालर से कम है, क्योंकि बड़े स्तर की डील्स सीमित रहीं। इस महीने में 100 मिलियन डालर से अधिक की केवल एक डील दर्ज की गई, जिसमें क्रेडिटबी ने डालर 280 मिलियन जुटाए। मुख्य आकर्षणों में होम सर्विसेज में स्नैबिट, डेमी-फाइन ज्वेलरी में पाल्मोनास, क्रेडिट साइकिल में उल्का और परफॉरमेंस-ड्रिवन ट्रेडर्स के लिए ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म साही शामिल रहे। 2026 में अब तक कोई आईपीओ नहीं आया है, लेकिन पाइपलाइन सक्रियता दिखा रही है क्योंकि एको, ज़ेप्टो, रेंटोमोजो, गरुड़ा एयरोस्पेस और किश्त सार्वजनिक लिस्टिंग की तैयारी कर रहे हैं। यह 2026 की मजबूत पहली तिमाही के बाद आया है, जब नेयसा के 1.2 बिलियन डालर के राउंड के समर्थन से स्टार्टअप फंडिंग डालर 4 बिलियन तक पहुंच गई थी।

- क्रेडिटबी ने अप्रैल की सबसे बड़ी डील के साथ जुटाए 280 मिलियन
- मार्च के मुकाबले अप्रैल के स्टार्टअप फंडिंग में गिरावट
- अप्रैल में 69 स्टार्टअप्स ने जुटाया 865 मिलियन डालर

टॉप ग्रोथ-स्टेज डील्स

अप्रैल 2026 में, ग्रोथ और लेट-स्टेज डील्स में फिनटेक, मैन्युफैक्चरिंग और कंज्यूमर-फोकस्ड स्टार्टअप्स का मिश्रण दिखा। क्रेडिटबी 280 मिलियन डालर के सीरीज़ ई राउंड के साथ चार्ट में सबसे आगे रहा, उसके बाद स्मार्ट मीटरिंग क्षेत्र में पोलारिस डालर 80 मिलियन पर रहा। स्नैबिट ने डालर 56 मिलियन जुटाए, जबकि पाल्मोनास और साही ने क्रमशः डालर 40 मिलियन और डालर 33 मिलियन सुरक्षित किए। किम्बल टेक्नोलॉजीज ने डालर 22 मिलियन जोड़े।

प्रभास की 'फौजी'... फिल्म की कहानी आगे नहीं, पीछे जाएगी

भारत के सबसे बड़े सुपरस्टार में से एक प्रभास इन दिनों काफी बिजी चल रहे हैं, क्योंकि उनके खाते में कई फिल्में हैं। संदीप रेड्डी वांगा के साथ उनकी 'स्पिरिट' तो सुर्खियों में है ही, लेकिन उनकी 'फौजी' भी चर्चा में बनी हुई है। साल 2026 और 2027 तक ये फिल्में रिलीज होने वाली हैं। फैंस को प्रभास की 'फौजी' का बेसब्री से इंतजार है। ये एक पीरियड वॉर एक्शन ड्रामा, जिसे हनु राघवपुडी डायरेक्ट कर रहे हैं। इस फिल्म में युद्ध के मैदान का धमाकेदार एक्शन और एक इमोशनल रोमांटिक कहानी देखने को मिलने वाली है। प्रभास की इस फिल्म नें इमानवी लीड रोल प्ले करेंगी, जो इस पैन-इंडिया स्टार के साथ अपना डेब्यू कर रही हैं। मैत्री मूवी मेकर्स के बैनर तले बनी 'फौजी' 1940 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित युद्ध-फिल्म है। इस साल कई फिल्मों के सीक्वल आ रहे हैं, जिनका ऑडियंस को बेसब्री से इंतजार है। ऐसे में प्रभास की अपकमिंग फिल्म 'फौजी' को भी दो पार्ट में बनाने की बातें हो रही हैं। लेकिन मेकर्स ने सीक्वल को लेकर अपना प्लान पहले ही साफ कर दिया है। मेकर्स 'फौजी' का सीक्वल नहीं, प्रीक्वल बनाने की तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में मैत्री मूवी मेकर के प्रोड्यूसर्स ने 'फौजी' की कहानी को लेकर एक दिलचस्प अपडेट शेयर किया। हालांकि, इस फिल्म को एक

सीक्वल बेस्ड फ्रैंचाइजी के तौर पर बनाने का प्लान नहीं है। लेकिन मेकर्स का एक प्रीक्वल बनाने का इरादा है। उन्होंने बताया कि कहानी में एक बड़ा ऐसा हिस्सा है जिसे अभी तक दिखाया नहीं गया है, जिससे फिल्म के लीड कैरेक्टर की शुरुआत के बारे में गहराई से जानने का रास्ता खुल जाता है। इसी साइड को दिखाने के लिए फिल्म के प्रीक्वल पर शुरुआती प्री-प्रोडक्शन का काम पहले से ही चल रहा है। अगर ये आइडिया सच होता है, तो ये प्रभास के करियर के लिए एक बड़ा प्रोजेक्ट होगा। ऐसा पहली बार होगा जब हनु राघवपुडी अपनी कहानी को बड़े फ्रैंचाइजी फॉर्मेट में दिखाएंगे। इस फिल्म को मैत्री मूवी मेकर एक बड़े स्केल पर बना रही है, जिसका बजट 700 करोड़ रुपये से ज्यादा बताया जा रहा है। कास्ट की बात करें तो इस फिल्म में अनुपम खेर, जया प्रदा, मिथुन और चैत्रा जे आचार जैसे अनुभवी कलाकार अहम किरदारों में नजर आएंगे।

48 घंटे में दो पायलटों की मौत, एसोसिएशन ने लिखा डीजीसीए को पत्र

नई दिल्ली, जेएनएन। दो पायलट्स की हार्ट अटैक से मौत के बाद देश में कॉमर्शियल पायलट्स की थकान और उनके ड्यूटी के घंटों को लेकर विवाद बढ़ गया है। द एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को पत्र लिखकर फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियमों को पूरी तरह सख्ती से लागू करने की मांग की है। एसोसिएशन ने बताया कि पायलट्स का कहना है कि एयरलाइंस को नियमों में बार-बार दी जा रही छूट सुरक्षा और क्रू की सेहत के साथ समझौता है। पायलट्स एसोसिएशन ने डीजीसीए प्रमुख वीर विक्रम यादव और नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा को लिखे लेटर में बताया कि, बाली (इंडोनेशिया) में 29 अप्रैल को रेस्ट पीरियड के दौरान एअर इंडिया के एक पायलट की हार्ट अटैक से मौत हो गई। उन्होंने 28 अप्रैल को दिल्ली से बाली की फ्लाइट ऑपरेट की थी। वहीं, 30 अप्रैल को बेंगलुरु में ट्रेनिंग सेशन के दौरान अकासा एयर के एक पायलट (उम्र 40-45 साल) की भी हार्ट अटैक से मौत हो गई। एसोसिएशन का कहना है कि 45 साल से कम उम्र के पायलट्स की ये मौतें काम के बढ़ते दबाव और थकान की ओर इशारा करती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पवन खेड़ा को दी बेल, सरमा को नसीहत

कहा- आरोप-प्रत्यारोप राजनीति से प्रेरित हैं

नई दिल्ली, जेएनएन। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी के खिलाफ आरोप लगाने के चलते एफआईआर झेल रहे कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से अग्रिम जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे राजनैतिक प्रतिद्वंद्विता का केस करार दिया। कोर्ट ने कहा कि इस केस में आरोप-प्रत्यारोप राजनीति से प्रेरित हैं। पवन खेड़ा को हिरासत में लेकर पूछताछ करना जरूरी नहीं है। कोर्ट ने कहा कि पहली नजर में ऐसा लगता है कि पवन खेड़ा ने अपनी पार्टी को राजनीतिक फायदा पहुंचाने के लिए यह बयान दिया, वहीं मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने भी ऐसे बयान दिए जो संसदीय मर्यादा के अनुरूप नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में गोहाटी हाई कोर्ट के फैसले पर भी सवाल खड़े किए। कहा कि हाई कोर्ट ने आरोप साबित करने का बोझ पवन खेड़ा पर डाल दिया। कोर्ट ने कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार बेहद महत्वपूर्ण मौलिक अधिकार है। सिर्फ पुख्ता वजह होने पर ही इसे छीना जा सकता है।

असम सीएम के बयान पर भड़का बांग्लादेश

ढाका, जेएनएन। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को ढाका में भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त पवन बाधे को तलब किया और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की टिप्पणियों पर अपनी बात रखी। बांग्लादेश के एक अधिकारी ने बताया कि महानिदेशक (दक्षिण एशिया) इशरत जहां ने दोपहर में भारतीय कार्यवाहक उच्चायुक्त को ढाका का पक्ष बताया। बांग्लादेश ने इन टिप्पणियों को बांग्लादेश-भारत संबंधों के लिए 'अपमानजनक' बताया और भारत के प्रति अपनी नाराज़गी जाहिर की। 15 अप्रैल को प्रसारित एक इंटरव्यू में असम के मुख्यमंत्री ने कहा था, 'मैं हर सुबह भगवान से प्रार्थना करता हूँ कि यूनुस के समय जैसी स्थिति थी, वैसी ही बनी रहे कि संबंध और बेहतर न हों।'

नेपाल में मंत्री, सांसदों की संपत्ति की जांच शुरू

काठमांडू, जेएनएन। नेपाल की बालेन शाह सरकार भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कड़ा प्रहार करने जा रही है। सरकार ने मौजूदा प्रधानमंत्री, पूर्व प्रधानमंत्री, सभी मंत्री, सभी सांसद से लेकर सरकारी अधिकारियों और सार्वजनिक पद धारण करने वाले अधिकारियों की संपत्ति की जांच के लिए 'संपत्ति जांच आयोग' को हरी झंडी दे दी है। नेपाल सरकार की ओर से गठित संपत्ति जांच आयोग ने शुक्रवार से काम करना शुरू कर दिया है। कार्यादेश गुरुवार देर रात को राजपत्र में नोटिफाई किया गया। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस राजेन्द्र कुमार भंडारी की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय आयोग का गठन किया गया है, जिसमें पूर्व न्यायाधीश सदस्य हैं।

नेपाल: पेट्रोल 2 रुपये और डीजल 12 रुपये सस्ता

काठमांडू, जेएनएन। पड़ोसी देश नेपालमें पेट्रोल 2 रुपये और डीजल 12 रुपये प्रति लीटर सस्ता कर दिया है। नेपाल ऑयल कॉरपोरेशन ने नोटिस जारी कर जानकारी दी है कि शुक्रवार दोपहर 12 बजे से पेट्रोल, डीजल और केरोसिन घटा दिए गए। नई कीमतों के अनुसार, पेट्रोल अब 214.50 रुपये प्रति लीटर और डीजल-केरोसिन 222.50 रुपये प्रति लीटर (पहले कैटेगरी एरिया) मिलेगा।

रिपोर्ट

प्रशांत महासागर में मिले धरती की ऊपरी सतह टूटने के साफ सबूत

वैज्ञानिकों ने पहली बार लाइव दिखा 'प्लेट का अंत'

नई दिल्ली, जेएनएन। वैज्ञानिकों ने पहली बार समुद्र की गहराई में एक ऐसी घटना देखी है जिसे अब तक केवल थ्योरी में ही माना जाता था। प्रशांत महासागर के नीचे स्थित कैस्केडिया सबडक्शन जोन में पृथ्वी की क्रस्ट (ऊपरी परत) के टूटने के साफ सबूत मिले हैं। यह रिसर्च 'साइंस एडवांसेज' जर्नल में पब्लिश हुई है। इसमें बताया गया है कि जुआन डी फूका प्लेट, जो उत्तर अमेरिकी प्लेट के नीचे दब रही है, अब टुकड़ों में बिखर रही है। इस खोज ने जियोलॉजिस्ट्स के बीच खलबली मचा दी है क्योंकि यह प्रक्रिया लाखों सालों में एक बार होती है। वैज्ञानिकों ने इसे 'एक मरते हुए सबडक्शन जोन की पहली तस्वीर' करार दिया है। एडवांस सिस्मिक इमेजिंग तकनीक की मदद से इस पूरे मंजर को करीब से देखा गया है।

क्या जुआन डी फूका प्लेट का अंत करीब आ गया है?: रिसर्च के मुताबिक जुआन डी फूका प्लेट अब एक ठोस स्लैब की तरह व्यवहार नहीं कर रही है। लुइसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर ब्रैंडन शक

का कहना है कि यह प्लेट धीरे-धीरे छोटे टुकड़ों में रिप हो रही है। इन छोटे टुकड़ों को माइक्रोप्लेट्स कहा जाता है। आमतौर पर सबडक्शन जोन वह इलाका होता है जहां एक प्लेट दूसरी के नीचे धंसती है। यह प्रक्रिया ही बड़े भूकंप और सुनामी का कारण बनती है। जुआन डी फूका प्लेट के टूटने का मतलब है कि यह विशाल सिस्टम अब अपनी आखिरी सांसे ले रहा है। यह बदलाव प्रशांत उत्तर-पश्चिमी इलाके के सिस्मिक मैप को पूरी तरह बदल सकता है।

इसे 'ट्रेन एक्सीडेंट' जैसा बताया?

ब्रैंडन शक ने इस प्रक्रिया को समझाने के लिए एक बहुत ही दिलचस्प उदाहरण दिया है। उन्होंने कहा, 'किसी सबडक्शन जोन को शुरू करना पहाड़ पर ट्रेन चढ़ाने जैसा है जिसमें बहुत ताकत लगती है। लेकिन एक बार यह शुरू हो जाए तो यह ढलान पर दौड़ती ट्रेन जैसी हो जाती है जिसे रोकना नामुमकिन है।' उन्होंने आगे बताया कि इसे खत्म करने के लिए किसी बड़े हादसे की जरूरत होती है। कैस्केडिया में ठीक ऐसा ही हो रहा है। प्लेट एक साथ रुकने के बजाय एक-एक डिब्बे की तरह पटरी से उतर रही है। यह धीरे-धीरे हो रहा डैमेज बताता है कि पृथ्वी की मशीनरी कैसे काम करना बंद करती है।

दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी ऐसे संकेत

वैज्ञानिकों का मानना है कि बाजा कैलिफोर्निया के पास मिले प्राचीन प्लेटों के अवशेष भी इसी तरह बने होंगे। कैस्केडिया में जो हम आज देख रहे हैं, वह धरती के इतिहास की एक सामान्य प्रक्रिया है। बस फर्क यह है कि इंसानों ने इसे पहली बार अपनी आंखों से लाइव देखा है। इससे यह भी पता चलता है कि सबडक्शन जोन अचानक बंद नहीं होते बल्कि चरणों में दम तोड़ते हैं। जब एक बड़ा टुकड़ा अलग होता है, तो पूरी प्लेट की रफ्तार कम हो जाती है और अंत में पूरा सिस्टम थम जाता है। यह खोज भूगोल की किताबों को अपडेट करने और धरती के विकास को समझने के लिए एक मील का पत्थर है।

अब ओवरसीज नागरिकता प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार ने नागरिकता से जुड़े नियमों में अहम बदलाव करते हुए सिटिजनशिप (संशोधन) नियम, 2026 लागू कर दिए हैं। गृह मंत्रालय के अनुसार अब ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) के लिए आवेदन की पूरी प्रक्रिया डिजिटल कर दी गई है। यानी अब आवेदन से लेकर दस्तावेज तक सब कुछ ऑनलाइन माध्यम से ही होगा। नए नियमों के तहत पारंपरिक फिजिकल ओसीआई कार्ड के साथ अब ई-ओसीआई दस्तावेज भी जारी किया जाएगा। इससे दस्तावेजों का इस्तेमाल भी अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित हो जाएगा। सरकार ने नए नियमों में यह भी साफ किया है कि कोई नाबालिग एक साथ भारतीय और विदेशी पासपोर्ट नहीं रख सकता। यह प्रावधान दोहरी नागरिकता से जुड़े विवादों को रोकने और प्रक्रिया में स्पष्टता लाने के लिए जोड़ा गया है। सरकार ने दो टूक कहा है कि ओसीआई स्टेटस कोई मौलिक अधिकार नहीं, बल्कि एक विशेषाधिकार है। यदि कोई कानूनों का उल्लंघन करता है, तो उसका पंजीकरण रद्द किया जा सकता है।

पतंजलि अनुसंधान संस्थान और सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया के बीच एमओयू

हरिद्वार। वैश्विक स्तर पर शिक्षा, अनुसंधान और विशेष रूप से समग्र स्वास्थ्य विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पतंजलि अनुसंधान संस्थान और ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी के बीच एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता ज्ञापन नई दिल्ली स्थित ऑस्ट्रेलिया उच्चायोग में संपन्न हुई वार्ता के ही आगे की कार्यवाही के अंतर्गत किया है। यह साझेदारी दोनों संस्थानों के बीच दीर्घकालिक साक्ष्य-आधारित सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक निर्णायक पहल है, जो पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समन्वय को वैश्विक मंच पर स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करेगी। इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि पतंजलि, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा और आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान के समन्वय में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, और सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी, जो ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में स्थित एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थान है, इस साझेदारी के माध्यम से शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस का जेट ईंधन 5 प्रतिशत महंगा हुआ

लगातार दूसरे महीने बढ़े दाम, विमानों का किराया बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली, जेएनएन। अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस के लिए विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमत में शुक्रवार को 5 फीसदी की वृद्धि हुई। कीमतों में लगातार दूसरे महीने उछाल आई है, क्योंकि तेल कंपनियों ने ऊर्जा की वैश्विक कीमतों में वृद्धि को समायोजित तरीके से आगे बढ़ाया है। हालांकि, घरेलू एयरलाइंस के लिए एटीएफ की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। ऐसे में अनुमान है कि घरेलू उड़ानों का किराया नहीं बढ़ेगा।

दो दशक पहले हुआ था कीमतों का विनियमन

एक मई के फैसले के बाद दिल्ली में एटीएफ की कीमतें 76.55 अमेरिकी डॉलर प्रति किलोलीटर या 5.33 फीसदी बढ़कर 1511.86 अमेरिकी डॉलर प्रति किलोलीटर हो गईं। एक अप्रैल को कीमतों में वृद्धि के बाद जेट फ्यूल एक मई को पांच फीसदी और महंगे हुए, यानी एक माह में दूसरी बार कीमतों में उछाल आया है। गौरतलब है कि जेट ईंधन की कीमतें दो दशक पहले विनियमित की गई थीं।

सरकार रख रही कीमतों पर नजर

हालांकि उद्योग से जुड़े सूत्रों के अनुसार, पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में आई भारी तेज़ी को देखते हुए, जब एटीएफ की कीमतों में अब तक की सबसे बड़ी बढ़ोतरी करने की ज़रूरत पड़ी, तो सरकार और सरकारी तेल कंपनियों ने एक संतुलित और सोच-समझकर कदम उठाने का फ़ैसला किया है। उन्होंने बताया कि जहां एक ओर विदेशी एयरलाइंस और अन्य विमान कंपनियां बाजार दरों पर भुगतान करेंगी, वहीं दूसरी ओर घरेलू एयरलाइंस के लिए कीमतों को कुछ हद तक कंट्रोल रखा गया है।

क्यों बढ़ रही है एयरलाइंस जेट फ्यूल की कीमत

जेट फ्यूल की कीमतों को दो दशक से भी पहले ही कंट्रोल फ्री कर दिया गया था। तब से, एयरलाइंस के साथ हुए एक लिखित समझौते के अनुसार, इसकी कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार की बेंचमार्क कीमतों के आधार पर तय की जाती हैं। इस समय कच्चे तेल का दाम 120 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गया है, जिस कारण जेट फ्यूल की कीमतों में भी इजाफा हुआ है। पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में भारी उछाल आया था। सरकार और राज्य-स्वामित्व वाली तेल कंपनियों ने एक समायोजित दृष्टिकोण अपनाया है। विदेशी एयरलाइंस बाजार दरों का भुगतान करेंगी, जबकि घरेलू एयरलाइंस के लिए कीमतें नियंत्रित रखी गई हैं।

संक्षिप्त समाचार

युद्ध का विदेश से पैसा भेजने पर कोई असर नहीं : आरबीआई

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद भारत में विदेश से भेजे जाने वाले 'मनी ऑर्डर' पर असर पड़ने की संभावना नहीं है और देश का भुगतान संतुलन 'संतोषजनक' स्थिति में बना रहेगा। गुप्ता ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि भारत के भुगतान संतुलन में कुछ अंतर्निहित मजबूती है, जिसमें चालू खाते के तहत मजबूत धनप्रेषण यानी बाहर से आने वाला मनी ऑर्डर और सेवा निर्यात तथा पूंजी खाते में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'भारत को हर साल 135 अरब डॉलर से अधिक रकम विदेशों से भेजी जाती है और यह राशि लगातार बढ़ रही है। यहां तक कि कोविड-19 जैसे संकट के दौरान भी इसमें केवल मामूली गिरावट आई थी।' उन्होंने कहा कि भारतीय धनप्रेषण में पश्चिम एशिया का हिस्सा घटकर लगभग 40 प्रतिशत रह गया है और प्रवासी भारतीयों का भौगोलिक वितरण अब अधिक विविध हो गया है। भारतीय प्रवासी अब सूचना प्रौद्योगिकी, होटल, स्वास्थ्य, शिक्षा और निर्माण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हैं, जिससे किसी एक क्षेत्र में व्यवधान का समग्र प्रवाह पर सीमित प्रभाव पड़ता है।आरबीआई की डिप्टी गवर्नर ने कहा कि मार्च के धनप्रेषण आंकड़े पहले की तुलना में बेहतर रहे हैं, जो संभवतः लौटे प्रवासियों द्वारा लाए गए संचित धन के कारण हो सकता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा संघर्ष मुख्य रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य तक सीमित है और पूरे पश्चिम एशिया क्षेत्र पर इसका व्यापक असर नहीं है।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स में बदलाव; रवि बने सीएमडी

बंगलूरु, जेएनएन। रक्षा क्षेत्र की सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) में बड़ा बदलाव हुआ है। रवि के ने शुक्रवार को कंपनी के 22वें अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के रूप में पद संभाल लिया। उन्होंने डॉ. डीके सुनील की जगह ली है, जो 30 अप्रैल 2026 को सेवानिवृत्त हो गए। रवि के के पास अनुसंधान एवं विकास, विनिर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे विविध क्षेत्रों में 30 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव है। इससे पहले वे एचएएल में निदेशक (संचालन) के पद पर कार्यरत थे और कंपनी को 'महारत्न' का दर्जा दिलाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य एचएएल को नवाचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, परिचालन उत्कृष्टता और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से एक वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी एयरोस्पेस और रक्षा उद्यम में बदलना है। रवि के ने अपने करियर में कई अहम नेतृत्व जिम्मेदारियां निभाई हैं। वे कार्यकारी निदेशक और एलसीए तेजस डिवीजन के महाप्रबंधक रह चुके हैं, साथ ही कार्यकारी निदेशक (कॉर्पोरेट योजना) जैसे रणनीतिक पदों पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

जीएसटी कलेक्शन अप्रैल में बढ़कर रिकॉर्ड 2.42 लाख करोड़ रु. पहुंचा

नई दिल्ली, जेएनएन। अप्रैल 2026 में ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन बढ़कर लगभग 2.43 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को अप्रैल 2026 का मासिक जीएसटी कलेक्शन के आंकड़े जारी किए। प्रोविजनल आंकड़ों के अनुसार, देश का कुल सकल जीएसटी राजस्व अप्रैल 2026 में 2,42,702 करोड़ रुपए पहुंच गया। यह अप्रैल 2025 के 2,23,265 करोड़ रुपए की तुलना में 8.7 फीसदी अधिक है। शुद्ध जीएसटी राजस्व (रिफंड घटाकर) 2,10,909 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल के 1,96,618 करोड़ रुपए से 7.3 फीसदी ज्यादा है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था युद्ध ने दिया झटका

अप्रैल के आंकड़े मार्च महीने के दौरान एकत्र किए गए तेल के हैं, जब ईरान-इजराइल-अमेरिका के बीच युद्ध ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को झटका दिया और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया। क्षेत्र में फिर से तनाव की आशंकाओं के कारण 30 अप्रैल को ब्रेंट क्रूड की कीमतें 126 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई। आंकड़े देखें तो सकल घरेलू राजस्व में साल-दर-साल 4.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 1.85 लाख करोड़ तक पहुंच गया, जबकि आयात से संबंधित जीएसटी राजस्व में 25.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 57,580 करोड़ त्तक पहुंच गया।

आयात से जीएसटी राजस्व में हुई बढ़ोतरी

इस महीने के दौरान रिफंड में भी वृद्धि हुई, कुल रिफंड में 19.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 31,793 करोड़ रुपये हो गया, जिसमें घरेलू रिफंड में 54.6 प्रतिशत की वृद्धि मुख्य कारण रही, जबकि निर्यात से संबंधित रिफंड में 14 प्रतिशत की गिरावट ने इस वृद्धि को आंशिक रूप से संतुलित कर दिया।

कैसे रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा जीएसटी कलेक्शन: मासिक रुझानों से पता चलता है कि जीएसटी संग्रह अप्रैल 2022 में लगभग 1.67 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर अप्रैल 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपये हो गया, फिर अप्रैल 2025 में 2.23 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया और वर्तमान रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। अप्रैल 2026 में वार्षिक वृद्धि दर धीमी होकर 8.7 प्रतिशत हो गई, जो मार्च में 8.8 प्रतिशत थी। हालांकि जीएसटी संग्रह निरपेक्ष रूप से नए उच्च स्तर पर पहुंच रहा है, लेकिन विकास की गति जारी रही है। अप्रैल 2026 में वार्षिक वृद्धि दर धीमी होकर 8.7 प्रतिशत हो गई, जो मार्च में 8.8 प्रतिशत थी। इससे पता चलता है कि हालांकि जीएसटी संग्रह निरपेक्ष रूप से नए उच्च स्तर पर पहुंच रहा है, लेकिन विस्तार की गति विशेष रूप से उपभोग से जुड़ी धीमी हो सकती है, जिसमें हाल के लाभों में आयात-आधारित राजस्व की बड़ी भूमिका रही है।

15 जून से नोएडा एयरपोर्ट से कमर्शियल फ्लाइट शुरू होंगी

गौतम बुद्ध नगर, जेएनएन। नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट 15 जून 2026 से यात्रियों के लिए खुल जाएगा। एयरपोर्ट प्रशासन ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। उद्घाटन के बाद यहां से कमर्शियल उड़ानें शुरू हो जाएंगी। एयरपोर्ट को संचालन की मंजूरी नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो से एयरपोर्ट सिक्योरिटी प्रोग्राम क्लियर होने के बाद मिली है। इसके साथ ही सुरक्षा ढांचा, सिस्टम और ऑपरेशन सभी नियामकीय मानकों पर खरे पाए गए हैं। एयरपोर्ट से पहली कमर्शियल फ्लाइट इंडिगो संचालित करेगी। इसके बाद जल्द ही अकासा एयरलाइन और एयर इंडिया एक्सप्रेस भी अपनी सेवाएं शुरू करेंगी। फ्लाइट शेड्यूल की जानकारी जल्द जारी की जाएगी। हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को देखते हुए तैयार किए गए इस एयरपोर्ट में आधुनिक टर्मिनल, बेहतर ऑपरेशन सिस्टम और मजबूत मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी दी गई है। इससे यात्रियों को आसान सफर के साथ एयरलाइंस को किफायती और भरोसेमंद संचालन का फायदा मिलेगा। इससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी और पर्यटन, व्यापार व निवेश के नए अवसर खुलेंगे।

1.2 करोड़ यात्रियों की सालाना क्षमता

यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित यह प्रोजेक्ट की शुरुआत 1 अक्टूबर 2021 से हुई थी। यह पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर आधारित है और इसकी रियायत अवधि 40 साल है। फिलहाल एयरपोर्ट में एक रनवे और एक यात्री टर्मिनल तैयार है, जिसकी सालाना क्षमता 1.2 करोड़ यात्रियों की है। मास्टर प्लान के तहत इसे आगे बढ़ाकर 7 करोड़ से ज्यादा यात्रियों की क्षमता तक विकसित किया जाएगा। एयरपोर्ट को 'नेट जीरो एमिशन' लक्ष्य के साथ विकसित किया गया है, जिसमें स्विस टेक्नोलॉजी और भारतीय आतिथ्य का संयोजन देखने को मिलेगा।

यूरोपीय कारों पर 25 फीसदी टैरिफ, क्यूबा पर नए प्रतिबंध

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि मैं अगले हफ़्ते ही यूरोपीय संघ से आयात होने वाली कारों और ट्रकों पर टैरिफ बढ़ाकर 25% करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने इस गुट पर पहले से तय व्यापार समझौते का पालन न करने का आरोप लगाया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी प्लांट में असेंबल किए गए वाहनों पर ये बढ़ी हुई ड्यूटी लागू नहीं होगी।

सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने इस कदम को एक सुधारात्मक उपाय और निर्माताओं के लिए अमेरिका में उत्पादन बढ़ाने का एक प्रोत्साहन, दोनों के रूप में पेश किया है। ट्रंप ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'मुझे यह ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि अगले हफ़्ते मैं अमेरिका में आने वाली कारों और ट्रकों पर यूरोपीय संघ से लिए जाने वाले टैरिफ को बढ़ा दूंगा, टैरिफ बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दिया जाएगा। क्योंकि यूरोपीय संघ हमारे पूरी तरह से सहमत व्यापार समझौते का पालन नहीं कर रहा है।

क्यूबा पर प्रतिबंध के दिए आदेश

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, व्हाइट हाउस के अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत क्यूबा सरकार पर नए प्रतिबंध लगाए गए हैं। यह कार्यकारी आदेश क्यूबा के खिलाफ अमेरिका के मौजूदा प्रतिबंधों का दायरा बढ़ाता है। इसके साथ ही क्यूबा के सुरक्षा तंत्र को समर्थन देने, सरकारी भ्रष्टाचार में संलिप्तता या मानवाधिकारों के उल्लंघन के मामलों में नए प्रतिबंध लगाता है। ट्रंप के आदेश में क्यूबा पर ईरान के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखने और हिज़्बुल्लाह जैसे उग्रवादी समूहों को सुरक्षित पनाहगाह मुहैया कराने का आरोप लगाया गया है।

एआई के दौर में बदल रहा जीसीसी मॉडल

हाइब्रिड रणनीति की ओर बढ़ रही कंपनियां

बदलाव के पीछे तीन मुख्य कारण

- एआई तकनीक की तेज रफ्तार
- इंफ्रास्ट्रक्चर और अपनाने की गति
- स्किल्स की कमी

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) तेजी से अपने ऑपरेटिंग मॉडल में बदलाव कर रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), साइबर सिक्योरिटी और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के बढ़ते प्रभाव के बीच अब ये सेंटर हाइब्रिड मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं, जिसमें इन-हाउस टीम और बाहरी पार्टनर्स दोनों की भूमिका अहम हो गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह बदलाव किसी कमजोरी का संकेत नहीं, बल्कि एक रणनीतिक फैसला है। कंपनियां अब जटिल और उच्च मूल्य वाले काम अपने अंदर रख रही हैं, जबकि तेजी और विशेषज्ञता के लिए बाहरी आईटी और कंसल्टिंग फर्म्स की मदद ले रही हैं। जीसीसी जानबूझकर हर काम इन-हाउस नहीं ला रहे हैं, ताकि लागत का दबाव कम हो, जोखिम घटे और लचीलापन बना रहे। खासकर एआई जैसे तेजी से बदलते क्षेत्रों में हर तकनीक को अंदर विकसित करना न तो व्यावहारिक है और न ही लागत के लिहाज से सही।

केपीएमजी इंडिया की शालिनी पिल्लई ने इसे एक ट्रांजिशन फेज बताया है। उन्होंने कहा कि कंपनियां अब डेटा तैयारी, प्रोसेस इंटेलिजेंस और संगठनात्मक क्षमता बढ़ाने के लिए बाहरी पार्टनर्स का सहारा ले रही हैं। अब एफएमसीजी और थर्ड-पार्टी कंपनियों के बीच साझेदारी का स्वरूप भी बदल रहा है। पहले जहां फोकस केवल लागत कम करने पर था, वहीं अब यह 'आउटकम आधारित' और 'कैपेबिलिटी आधारित' हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि एआई के प्रति बढ़ती होड़ के कारण कई कंपनियां बिना स्पष्ट लाभ के भारी निवेश कर रही हैं। ऐसे में जीसीसी पहले बाहरी पार्टनर्स के साथ प्रयोग (सैंडबॉक्स) कर रही हैं और सफल होने पर ही इन क्षमताओं को अपने भीतर ला रही हैं।

रीना बोरासी को मैं पवनखेड़ा बनाकर छोड़ूंगा: मालवीय

विधायक का महिला कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष पर पलटवार

जागरण, रतलाम। महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी के आरोपों के बाद आलोट विधायक चिंतामणि मालवीय ने उन पर पलटवार किया है। विधायक ने एक वीडियो जारी कर सभी आरोपों को झूठा बताया और कहा कि वे इस मामले में कोर्ट में आपराधिक और मानहानि का केस करेंगे। विधायक ने यहां तक कहा कि मै उन्हें (रीना बौरासी) को पवन खेड़ा बनाकर छोड़ूंगा। मालूम हो कि विगत दिवस भोपाल में महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी ने आलोट विधायक मालवीय के खिलाफ राज्यपाल को शिकायत की थी, जिसमें विधायक के खिलाफ यौन शोषण, संपत्ति हड़पने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद से ही मामला गरमा गया है। विधायक ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि 'रीना बोरासी के आरोप लगाए नितांत असत्य, तथ्यविहिन और प्रमाणविहिन हैं। मुझ पर कोई आरोप, कोई जांच, कोई, कोई प्रकरण लंबित नहीं है।

तेल की ऊंची कीमतों से बढ़ेगी महंगाई विकास दर पर भी होगा असर: विशेषज्ञ बोले

नई दिल्ली, जेएनएन। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल भारत की अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर डाल सकता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि यदि कच्चे तेल की कीमत लंबे समय तक 110 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रहती है, तो देश में महंगाई 5 फीसदी से ऊपर जा सकती है और आर्थिक विकास दर 6 फीसदी से नीचे गिर सकती है। इस सप्ताह कच्चे तेल की कीमत 126 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई, जो मार्च 2022 के बाद सबसे ज्यादा है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि अगर यह स्तर लंबे समय तक बना रहा, तो वित्त वर्ष 2026-27 में आर्थिक संतुलन बिगड़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से सरकार का राजकोषीय घाटा भी बढ़ सकता है। अनुमान है कि यह जीडीपी का 5 फीसदी तक पहुंच सकता है, जो मौजूदा स्तर से करीब 50 बेसिस पॉइंट ज्यादा होगा। इसके अलावा चालू खाता घाटा भी बढ़ने की आशंका है, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है।

तीन संभावित परिदृश्य

- यदि कीमत 85 डॉलर रहती है, तो विकास दर करीब 6.5 फीसदी रह सकती है
- 105 डॉलर पर यह घटकर 5.8 फीसदी हो सकती है
- यदि कीमत 125 डॉलर तक पहुंचती है, तो विकास दर 5 फीसदी या उससे नीचे जा सकती है

नतीजा: इसी तरह महंगाई भी इन परिस्थितियों में 4.5 फीसदी से बढ़कर 5 फीसदी से ज्यादा हो सकती है।

मौसम मौसम विभाग ने जारी किया पूरे महीने का चार्ट, तापमान में देखने मिलेगा उतार-चढ़ाव

मई में तेज गर्मी के आसार कम, सक्रिय रहेगा सिस्टम

नगर संवाददाता, भोपाल। अप्रैल के आखिरी सप्ताह में जितनी तेज गर्मी पड़ी है, शायद मई के पूरे महीने में दोबारा ऐसी गर्मी न पड़े। यह भविष्यवाणी मौसम केंद्र भोपाल ने जारी की है। इसके अनुसार मई के महीने में इस बार औसत तापमान सामान्य से कम रहने की उम्मीद है। भोपाल का मई महीने का सामान्य तापमान 41.1 डिग्री है, इस बार यह इसके बराबर या इससे कम रहने की संभावना जताई गई है। हालांकि मौसम विभाग ने यह भी कहा है कि महीने में कुछ दिन ऐसे हो सकते हैं, जब तेज गर्मी पड़ेगी, लेकिन ऐसे दिनों की निरंतरता बहुत ज्यादा रहने की संभावना कम है।

ऐसा रहेगा मई का महीना

पहला सप्ताह: शहर का अधिकतम तापमान 38 से 41 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 से 26 डिग्री के बीच रह सकता है। 4 मई के आसपास बादल छाने और गरज-चमक के साथ हल्की बारिश या धूल भरी आंधी चलने की संभावना है।

दूसरा सप्ताह: शहर का अधिकतम तापमान 39 से 41 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 से 29 डिग्री के बीच रह सकता है। धूप काफी तीखी होगी और दिन के समय लू जैसी स्थिति बन सकती है।

तीसरा सप्ताह: शहर का अधिकतम तापमान 40 से 43 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 से 30 डिग्री के बीच रह सकता है। यह महीने का सबसे गर्म समय हो सकता है। 21 मई के आसपास तापमान 43 डिग्री के पार जा सकता है। रातें भी काफी गर्म रहेंगी।

चौथा सप्ताह: महीने के अंत में बादलों की आवाजाही बढ़ेगी। उमस में वृद्धि होगी और शाम के समय प्री-मानसून बौछारों की संभावना बढ़ जाएगी।

बारिश की संभावना: मौसम विभाग के अनुसार के अनुसार इस साल मई में सामान्य से अधिक बारिश (110 प्रतिशत से ज्यादा) होने का अनुमान है, जिससे बीच-बीच में भीषण गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है।

रायसेन सबसे गर्म, बाकी जगह गर्मी से राहत

शुक्रवार को प्रदेश में सबसे अधिक गर्मी या तापमान रायसेन में रहा। यहां दिन का अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री दर्ज किया गया। इसके अलावा प्रदेश के ज्यादातर जिलों में तापमान सामान्य से कम रहे। भोपाल की बात करें तो शुक्रवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 39.8 डिग्री रहा। जो कि सामान्य से 1.3 कम है। तापमान में कमी और बादलों के कारण लोगों को गर्मी से राहत रही। मौसम विभाग ने शनिवार के लिए जबलपुर और कटनी में आकाशीय बिजली चमकने-गिरने के साथ 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चलने का अलर्ट जारी किया है। वहीं, रात में दमोह, उमरिया, डिंडोरी, मंडला, नीमच, नरसिंहपुर और सीहोर में बारिश होने के आसार है। यहां भी तेज आंधी चल सकती है।

तेल कीमतों में गिरावट और बेहतर नतीजों से अमेरिकी बाजार ऊंचाई पर

न्यूयॉर्क, जेएनएन। अमेरिकी शेयर बाजार में शुक्रवार को मजबूती देखी गई और प्रमुख इंडेक्स नए रिकॉर्ड स्तरों की ओर बढ़ते नजर आए। मजबूत कॉर्पोरेट नतीजों और तेल की कीमतों में आई गिरावट ने बाजार को सहारा दिया। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.6 फीसदी चढ़कर अपने ऑल-टाइम हाई के ऊपर कारोबार करता दिखा। वहीं डॉव जोन्स 162 अंक (0.3 फीसदी) ऊपर रहा और नैस्डैक 0.9 फीसदी बढ़कर अपने रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गया। इस तेजी में सबसे बड़ा योगदान एप्पल का रहा, जिसके शेयर करीब 4 फीसदी उछल गए। कंपनी ने तिमाही नतीजों में उम्मीद से बेहतर मुनाफा और राजस्व दर्ज किया। चूंकि एप्पल वॉल स्ट्रीट की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है, इसलिए इसके प्रदर्शन का असर पूरे बाजार पर पड़ा। इसके अलावा एस्ती लॉडर के शेयर 6.8 फीसदी और कोलगेट-पामोलिव के शेयर 2.7 फीसदी बढ़े, क्योंकि दोनों कंपनियों ने भी अनुमान से बेहतर नतीजे पेश किए। रिपोर्ट के अनुसार, एसएंडपी 500 की करीब 25 फीसदी कंपनियां अपने नतीजे घोषित कर चुकी हैं।

10-12वीं की दूसरी परीक्षा सात से, अब 4 तक भर सकेंगे फार्म

माशिमं ने फिर बढ़ाई फार्म भरने की अंतिम तिथि

जागरण, भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने हाईस्कूल और हायर सेकंडरी की परीक्षा में फेल और सप्लीमेंट्री पाने वाले परीक्षार्थियों को राहत देते हुए बड़ा फैसला लिया है। मंडल ने ऐसे परीक्षार्थियों को साल बचाने का एक और मौका देते हुए 7 मई से होने वाली दसवीं-बारहवीं की दूसरी परीक्षा का आवेदन भरने की तिथि एक बार फिर बढ़ा दी है। फेल व सप्लीमेंट्री वाले परीक्षार्थियों के अलावा अपने प्राप्तांकों से असंतुष्ट छात्र भी इस दूसरी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 की मुख्य परीक्षा का रिजल्ट माशिमं ने 15 अप्रैल को जारी किया था। रिजल्ट के साथ ही मंडल ने द्वितीय परीक्षा की घोषणा भी की थी। इस परीक्षा के फार्म जमा करने की अंतिम तिथि पहले 22 अप्रैल थी। बाद में मंडल ने इसे बढ़ाकर 26 अप्रैल कर दिया था। मगर एक बार फिर इस तिथि को बढ़ाकर 4 मई कर दिया गया है। अभी तक दूसरी परीक्षा का फार्म भरने से चूके छात्र-छात्राएं अगले तीन दिन में एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। माशिमं के सचिव बुद्धेश कुमार वैद्य का कहना है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों पर अमल करते हुए मंडल ने इस साल एक बड़ा बदलाव करते हुए पूरक परीक्षा की परंपरा को समाप्त कर दिया है। इसका फायदा मुख्य परीक्षा में फेल होने वाले परीक्षार्थियों को भी मिल सकेगा। पहले केवल सीमित विषयों में फेल छात्र ही पूरक परीक्षा दे सकते थे। मगर अब 'द्वितीय परीक्षा' के तहत सभी विषयों में फेल रहे छात्रों को सप्लीमेंट्री वालों के समान अवसर मिलेगा। इससे छात्रों को अपना साल बचाने का भी एक और मौका मिल सकेगा। साथ ही उन पर दबाव भी नहीं रहेगा। दूसरी परीक्षा सभी विषयों के लिए होगी और इसमें सभी विषयों में फेल छात्र भी शामिल हो सकेंगे। इनके अलावा पास हो चुके छात्र अपने अंक व श्रेणी सुधार की दृष्टि से भी इस परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। अच्छी बात यह है कि यदि दूसरी परीक्षा में उन्हें कम अंक मिलते हैं तो पुरानी परीक्षा के ज्यादा अंक ही उनके माने जाएंगे।

अमेरिका के शहीद श्रमिकों की याद में मनाया जाता है मजदूर दिवस : लालमणि

अल्ट्राटेक बेला सीमेंट के गेट के सामने सोनरा गांव में हुआ मजदूर दिवस का आयोजन

आंचलिक डेस्क। अल्ट्राटेक बेला सीमेंट वर्क्स रीवा के कारखाने में कार्यरत श्रमिकों ने विंध्याचल सीमेंट स्टील फाउंड्री खदान कामगार यूनियन एटक के तत्वाधान में अल्ट्राटेक बेला सीमेंट के गेट के सामने सोनरा गांव में 1 मई मजदूर दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । सभा का संबोधित करते हुए एटक के अध्यक्ष कामरेड अरुण तिवारी ने कहा कि अमेरिका के शिकागो शहर में 1 मई 1886 को मजदूरों ने 8 घंटे काम के 8 घंटे आराम के 8 घंटे मनोरंजन के मांगों को ले करके मजदूरों ने मालिको और तत्कालीन सत्ता के शोषण, दमन, जुल्म के खिलाफ मजदूरों ने शांतिपूर्ण आंदोलन व विरोध किया तो निहत्थे मजदूर के ऊपर लाठी गोली चार्ज हुआ। जिसमें काफी मजदूर मारे गए और मजदूर नेताओं को फांसी की सजा दी गई, इस घटना से पूरे दुनिया में मजदूरों ने आंदोलन किया और शहीद मजदूरों के याद में 1 मई मजदूर दिवस पूरे दुनिया में मनाया जाने लगा।

भारत में 1920 से में मजदूर आंदोलन को मिला था नेतृत्व

यह घटना 140 वर्ष पूर्व की है लेकिन भारत में मजदूर आंदोलन लगातार होते रहे मजदूरों ने एटक यूनियन की स्थापना 1920 की । एटक यूनियन के नेतृत्व में पूरे हिंदुस्तान में मजदूरों का संघर्ष लगातार जारी रहा। सभा का संबोधित करते हुए एटक के प्रांतीय उप महासचिव राम सरोज कुशवाहा ने कहा कि मजदूरों के पक्ष में 44 श्रम कानून बनाए गए लेकिन आजादी के 79 वर्ष बाद भी श्रम कानूनों को पालन नहीं हो पाया।

मजदूरों के शोषण का लगाया आरोप : केंद्र की भाजपा सरकार ने 44 श्रम कानूनों समाप्त कर मलिक पक्षीय 4 संहिता बना करके मजदूरों को गुलामी की ओर धकेल दिया। आज भी चाहे अल्ट्राटेक बेला सीमेंट प्लांट हो, नोएडा, पानीपत, हरियाणाका मानसेर, फरीदाबाद, देश के कई राज्यों 12 घंटा से 18 घंटा तक मजदूरों से काम कराया जा रहा है जो 1886 को आज भी याद दिलाता है और अंग्रेजों का जुल्म भारत सरकार का जुल्म एक जैसे है।

अल्ट्राटेक बेला में काम के घंटे नहीं है निर्धारित : अल्ट्राटेक बेला सीमेंट रीवा के कारखाने में कोई भी नियम कानून लागू नहीं है कारखाने में न काम के घंटे निर्धारित हैं, कभी मजदूरों को 2:00 बजे रात बुलाएंगे तो कभी 3:00 बजे रात बुलाएंगे और 18 से 22 घंटे लगातार कार्य कराया जाता, ओवर टाइम दुगने दर से नहीं दिया जाता, न सीमेंट बैज बोर्ड के तहत वेतन दिया जाता श्रमिकों ने अपनी विंध्याचल सीमेंट स्टील फाउंड्री कामगार यूनियन एटक बनाई और यूनियन के माध्यम से शासन प्रशासन को शिकायत किया तो 300 श्रमिकों को काम से पृथक कर दिया गया, दो माह से श्रमिकों ने रीवा जिले के कलेक्टर, कमिश्नर, एसपी, सांसद, विधायक, उपमुख्यमंत्री, सभी को ज्ञापन दिया और मजदूरों के प्रतिनिधि सभी से मिले। रीवा जिले का न कोई अधिकारी न कोई नेता मजदूरों की न्याय की बात नहीं करता ऐसा मालूम होता है की न्याय मर गया है, आगे राम सरोज कुशवाहा ने कहा अल्ट्राटेक बेला सीमेंट का प्रबंधन के साथ त्रिपक्षी बैठक क्षेत्रीय श्रम आयुक्त केंद्रीय जबलपुर के समक्ष हुई 20 अप्रैल को सभी श्रमिकों लेने की सहमत बनी इसके बावजूद भी निकले गए श्रमिकों को काम पर वापस नहीं लिया गया, तो संघ द्वारा पुनः शिकायत की गई कि समझौते को पालन नहीं किया जा रहा। क्षेत्रीय श्रम आयुक्त केंद्रीय जबलपुर गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए 29 अप्रैल 2026 निकल गए सभी श्रमिकों को कम पर वापस रखने का आदेश जारी किया। आदेश जारी करने के बाद भी प्रबंधक की अड़ियल रवैया के कारण आदेश को पालन नहीं कर रहा।

आंदोलन की दी चेतावनी

उन्होंने आगे कहा कि 5 मई 2026 तक सभी श्रमिकों को कम पर नहीं लेता तो दिनांक 6 मई 2026 सभी मजदूरों की रैली जबलपुर उप मुख्य श्रर्मायुक्त केंद्रीय के समक्ष धरना दिया जाएगा। सभा में लालमणि त्रिपाठी ने कहा श्रमिकों ने अपनी आवाज अन्याय के खिलाफ उठाए हैं उनकी आवाज को दबाया नहीं जा सकता। 2 मार्च 2026 से लगातार मजदूरों ने 22 अप्रैल 2026 तक आंदोलन किया। क्षेत्रीय श्रमायुक्त के हस्तक्षेप से आंदोलन को समाप्त किया गया था। प्रबंधक के हठ धर्मिता के कारण स्थितियां निर्मित होगी तो औद्योगिक आशांति के जिम्मेदार शासन प्रशासन प्रबंधन होगा । सभा में सुशील सिंह, सूर्यभान साहू ,सत्यभान पटेल ,श्री राम बिंद्रा, श्रीकेश कुशवाहा, नरेंद्र मिश्रा ,पूरन तिवारी ने संबोधित किया सभा में सैकड़ो श्रमिक उपस्थित रहे हैं।

शिक्षकों को न देनी पड़े पेंशन इसलिए लाया गया टीईटी : गणेश पाठक

मनिकवार, नि.प्र.। न्यू मूवमेंट फार ओल्ड पेंशन संघ रीवा मध्यप्रदेश के जिला संयोजक गणेश प्रसाद पाठक ने संवाददाता को बताया कि विगत कई बरसों से न्यू मूवमेंट फार ओल्ड पेंशन संघ शिक्षक संघ द्वारा एनपीएस का विरोध एवं पुरानी पेंशन लागू करने के लिए सरकार से सभी प्रदेशों की तरह मध्यप्रदेश में भी विरोध हो रहा था । एवं पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग की जा रही थी। अभी भी ज्ञापन धरना एवं प्रदर्शन किया जा रहा है । यह मांग कर्मचारियों के हित में है । बुढ़ापे में आर्थिक सुरक्षा एवं सम्मान के लिए पेंशन अतिआवश्यक है । शिक्षक संगठनों के पुरानी पेंशन की माग के आंदोलन को कुचलने हेतु टेट परीक्षा का आयोजन के लिए सरकार द्वारा दबाव बनाकर भयभीत करने का प्रयास कुछ महीनों से किया जा रहा है जो न्याय संगत नहीं है । संगठन की सरकार से मांग है कि टेट परीक्षा निरस्त करें एवं पुरानी पेंशन बहाल करने की उचित मांग को केन्द्र सरकार से अनुमति लें। उक्त आशय की जानकारी न्यू मूवमेंट फार ओल्ड पेंशन संघ रीवा मध्यप्रदेश के जिला संयोजक गणेश प्रसाद पाठक ने बैठक में दी । बैठक में शैलेंद्र सिंह, अवधराज सिंह, शिव बालक साकेत, यज्ञनारायण पांडे देवेश मणि, श्रद्धा भारद्वाज, शैल पांडे, ममता पांडे उपस्थिति रही।

शिक्षक राजेंद्र पांडे को सेवानिवृत्ति पर दी गई समारोह पूर्वक विदाई

आंचलिक डेस्क। हनुमना जिला मऊगंज में अपने विभाग से लेकर समाज में एक अलग पहचान बनाने वाले हनुमना जनपद के तेंदुआ गांव निवासी भूतपूर्व सैनिक राजेंद्र कुमार पांडे सेना के बाद शिक्षा विभाग में 17 वर्ष अपनी सेवा देने के बाद 30 अप्रैल 2026 को सेवानिवृत हुए, जिनके सेवानिवृत होने के उपलक्ष में मॉडल स्कूल हनुमना सलैया मैं उनके स्टाफ के सभी शिक्षक साथियों ने एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया, जहां पर पूर्व ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रघुनाथ सिंह, सेवानिवृत्ति प्राचार्य आरके मिश्रा, उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य अर्जुन उपाध्याय, प्राचार्य कन्या अमरनाथ तिवारी, प्राचार्य मॉडल स्कूल सलैया राजीव मिश्रा, बीआरसी लक्ष्मण धर द्विवेदी, एडवोकेट एवं समाजसेवी जाह्नवी शरण तिवारी, डॉ उमेश सिंह, इंजीनियर अनिरुद्ध तिवारी, देवेश पांडे, वेदांती मिश्रा, सेवानिवृत शिक्षक विजयपाल सिंह, शिक्षक प्रवीण शुक्ला, प्रधानाध्यापक सलैया मनोज तिवारी, हेड मास्टर शिव प्रसाद द्विवेदी, प्रधानाध्यापक सुरेंद्र बहादुर सिंह, प्रधानाध्यापक राजेश पांडे, राममिलन द्विवेदी, बृजेंद्र पांडे, सुनिति कुमार द्विवेदी, गंगेश्वर प्रताप सिंह के अलावा अन्य विद्यालय का स्टाफ, सलैया गांव के कई संभ्रांत नागरिक उपस्थित रहे, जहां पर उपस्थित कई विशिष्ट अतिथियों ने श्री पांडे की विदाई समारोह के अवसर पर अपने-अपने विचार रखें एवं उनके अच्छे कार्यकाल की याद किये एवं सेवानिवृत्ति के बाद का समय अच्छे से बीते इसकी शुभकामनाएं दीं, वही विद्यालय के सभी स्टाफ एवं अतिथियों द्वारा श्री पांडे का माल्यार्पण कर साल श्री फल से उनका सम्मान किया गया। श्री पांडे अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद इकाई हनुमना के संयोजक के दायित्व के साथ, रेडक्रॉस संस्था के आजीवन सदस्य एवं धार्मिक भावनाओं से जुड़े होने के कारण सनातन धर्म हनुमना के ट्रस्टी सदस्य भी थे, जो सेना में सेवा देने के बाद 17 वर्ष शिक्षा विभाग में अध्यापन का कार्य करते हुए शासकीय प्राथमिक शाला सलैया पहड़ी टोला हनुमना से सेवानिवृत हुए, उन्होंने अपने विदाई समारोह में अपने शिक्षा विभाग में सर्विस के दौरान जो अपने स्टाफ का सहयोग एवं बच्चों का प्यार मिला उसके लिए सभी का आभार व्यक्त किये।

कर्मचारी संघ अध्यक्ष पर दर्ज फर्जी एफआईआर को रद्द करने की मांग

त्योंथर ब्यूरो। सिविल अस्पताल त्योंथर में पदस्थ सुपरवाइजर मनोज कुमार मिश्र का जो कि मध्यप्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ तहसील शाखा त्योंथर के अध्यक्ष हैं ने संवाददाता को बताया कि उनके खिलाफ थाना जनेह में 28 अप्रैल को एससी-एसटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। मनोज मिश्र की ओर से कर्मचारी संघ द्वारा हल्का पटवारी पर लगाए गए आरोप बेहद गंभीर हैं। उनका कहना है कि ये पूरी एफआईआर फर्जी और साजिशन दर्ज कराई गई है।

संवाददाता को स्थानीय नागरिकों ने बताया कि जिस दिन ये घटना हुई उस दिन ग्राम भुआरा में जमीन का सीमांकन कार्य चल रहा था। जहां पटवारी द्वारा बिना समुचित सीमा चिन्ह के निर्धारण किए गलत नाप की जा रही थी जिस पर पक्षकारों द्वारा सही नाप करने की सामान्य तौर पर बात रखी गई थी, इसी दौरान एक वकील भी आ गए और पटवारी से सीमांकन बिंदु वगैरह की जानकारी मांगी गई तब पटवारी द्वारा कहा गया कि नहीं बताऊंगा जो मैं करूंगा वही सही है, साथ ही वकील से कहा सुनी की। इसी बीच सरहदी द्वितीय पक्ष के लोगों से जिसकी पटवारी से पूर्व से सांठगांठ थी उन्हीं के घर में बैठ कर पटवारी कार्य भी किए नाश्ता भी किए थे, उनसे मिलकर अधिवक्ता से तीखी बहस कराने लगे। ग्रामीणों ने संवाददाता को बताया कि दिलचस्प बात यह है कि आवेदक मनोज मिश्र उस विवाद से दूर खड़े थे और उनकी कोई भूमिका नहीं थी। अब सवाल ये उठता है कि जब विवाद किसी और के बीच हुआ तो फिर मनोज मिश्र पर इतनी गंभीर धाराएं क्यों लगाई गई? ग्रामीणों ने संवाददाता को बताया कि सीमांकन को लेकर पटवारी द्वारा पैसों की माँग की गई जिसे मनोज मिश्र द्वारा मना कर दिया गया तथा पहले भी कई बार सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की गई थी और उसी से नाराज़ होकर पटवारी ने खुन्नस में ये कार्रवाई की। ग्रामीणों ने संवाददाता को बताया कि इस पूरे मामले की सच्चाई मौके पर उपस्थित लोगों से पूछ कर तथा वीडियो देख कर प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर साफ हो सकता है।

कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने अब प्रशासन से निष्पक्ष जांच और एफआईआर निरस्त करने की मांग की है, वहीं इस पूरे घटनाक्रम के वीडियो और प्रत्यक्षदर्शियों का भी हवाला दिया जा रहा है, जो सच्चाई सामने ला सकते हैं। लोगों का कहना है कि अब देखना होगा कि क्या प्रशासन इस मामले में निष्पक्ष जांच करता है या फिर मध्यप्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ अध्यक्ष को न्याय दिलाने के लिए संगठन एवं कर्मचारियों को लामबंद होकर सड़कों पर उतरना होगा।

बिजली की समस्या पर नप अध्यक्ष हनुमना ने बिजली ऑफिस पहुंचकर जाना कारण, दी चेतावनी

गुणवत्ताहीन केबल का किया गया है प्रयोग, गर्मी में जल्द ही गर्म होकर पिघलने से हो रही बिजली समस्या

हनुमना, नि.प्र.। हनुमना नगर में बिजली व्यवस्था की बदहाल स्थिति एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है जो नगर में 24 घंटे बिजली न होने के कारण नगर परिषद अध्यक्ष सोनू आशुतोष गुप्ता व्यापार मंडल के अध्यक्ष मनीष गुप्ता मोनू जनता के साथ बिजली ऑफिस हनुमना जानकारी लेने पहुंचे कि क्या बात है कि 24 घंटे से लाइट नहीं है। उन्हें कर्मचारियों द्वारा बताया गया कि केबल जल जाने के कारण लाइट की समस्या आ रही है। नगर परिषद अध्यक्ष ने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि बिजली का बिल नहीं जमा होता है तो लाइन तत्काल काट देते हो, बिजली के बिल में कोई सुधार भी नहीं करते हो, अगर जनता को बिजली की समस्या आएगी तो मैं जनता के साथ तत्पर सदैव खड़ा रहूंगा, जिसमें लोगों में भारी आक्रोश देखा गया। कारण यह है कि नगर क्षेत्रों में कम गुणवत्ता वाली बिजली केबल बिछाए जाने के कारण आए दिन केबल जलने की घटनाएं सामने आ रही हैं। हालत यह है कि सड़कों, गलियों और खेतों के पास लगी केबलें धू-धू कर जल रही हैं, जिससे आमजन में दहशत का माहौल बना हुआ है। लोगों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा मानक के अनुरूप केबल नहीं लगाई गई है। कम पावर क्षमता वाली केबल बिछाने के कारण थोड़े लोड में ही तार गर्म होकर जलने लगती है। कई जगहों पर तो नई लगाई गई लाइनें भी कुछ ही दिनों में खराब हो गईं, जिससे विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आगे व्यापार मंडल अध्यक्ष मनीष गुप्ता ने कहा कि बिजली के खंभों से लटकती जली हुई केबलें कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती हैं। खासकर बारिश और गर्मी के मौसम में यह खतरा और बढ़ जाता है। इसके बावजूद बिजली विभाग के अधिकारी और संबंधित ठेकेदार स्थिति से बेखबर नजर आ रहे हैं। नगर के लोगों ने संवाददाता को बताया कि बार-बार शिकायत करने के बाद भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। केवल अस्थायी मरम्मत कर मामले को शांत कर दिया जाता है, लेकिन कुछ दिनों बाद फिर वही स्थिति बन जाती है। इस पूरे मामले में बिजली विभाग की लापरवाही और ठेकेदार की मनमानी साफ तौर पर उजागर हो रही है। सवाल यह उठता है कि आखिर किसकी मिलीभगत से घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है और जनता की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। लोगों का कहना है कि अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारी इस गंभीर समस्या पर क्या कार्रवाई करते हैं या फिर यह मामला भी अन्य मामलों की तरह फाइलों में ही सिमट कर रह जाएगा।

पुण्य स्मृति में सेवा और श्रद्धा के संगम में विविध कार्यक्रमों का आयोजन कल

गुढ़ विधायक की रहेगी उपस्थिति

गुढ़ (नि. प्र)। (स्व.) संजय कुमार गुप्ता की तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर संजय गुप्ता स्मृति सेवा संस्थान, गुढ़ द्वारा 03 मई 2026, रविवार को श्रद्धांजलि, धार्मिक एवं जनसेवा से जुड़े विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। संस्थान द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम सामाजिक सरोकारों और आध्यात्मिक भावना का अनूठा संगम प्रस्तुत करेगा। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक स्वामी विवेकानंद क्लिनिक, भैरव बाबा मोड़ में 29वें निःशुल्क स्वास्थ्य, दंत एवं मुख रोग परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें जरूरतमंदों को निःशुल्क औषधि भी वितरित की जाएगी। सायंकालीन सत्र में शाम 5 बजे से 06:30 तक गीता स्वाध्याय पाठ का आयोजन होगा, जिसमें चंद्रिका प्रसाद त्रिपाठी के संचालन एवं डॉ. जे.एल. त्रिपाठी सहित स्वाध्याय परिवार के मार्गदर्शन में श्रद्धालु सहभागिता करेंगे।

इसके पश्चात शाम 6 बजे से श्री हनुमान चालीसा पुस्तिका का वितरण तथा 6:40 बजे से हनुमान चालीसा का सात बार सामूहिक पाठ किया जाएगा। कार्यक्रम का समापन शाम 7 बजे प्रसाद वितरण एवं सार्वजनिक निःशुल्क प्याऊ के शुभारंभ के साथ होगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्र के विधायक नागेन्द्र सिंह उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का आयोजन श्री भागवत पैलेस, वार्ड क्रमांक 14, गुढ़वा, नगर परिषद गुढ़ में किया जाएगा। संस्थान के अध्यक्ष एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष गुढ़ एड. अनंत कुमार गुप्ता ने सभी शुभचिंतकों एवं सम्मानित नागरिकों से कार्यक्रम में सहभागिता कर पुण्य स्मृति को श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील की है।

राममणि द्विवेदी के मप्र नगरीय निकाय चुनाव का प्रदेश महासचिव बनने पर क्षेत्र में हर्ष

हनुमना, नि.प्र.। मऊगंज जिले के ग्राम (हरदिहा) ग्राम पंचायत गौरी के निवासी सामाजिक कार्यकर्ता कांग्रेस नेता राम मणि द्विवेदी पर पार्टी के उच्च नेताओं के द्वारा भरोसा जताते हुए मध्य प्रदेश नगरीय निकाय चुनाव का प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया जिस पर द्विवेदी ने कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं संगठन मंत्री संजय काबले एवं वरिष्ठ नेताओं का बहुत बहुत आभार व्यक्त किया गया। राम मणि द्विवेदी ने संवाददाता को बताया कि मैं कांग्रेस पार्टी के उम्मीद पर खरा उतरने की पूरी कोशिश एवं कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने में अपना अथक सहयोग प्रदान करूंगा। राम मणि द्विवेदी के मध्य प्रदेश नगरीय निकाय चुनाव का प्रदेश महासचिव नियुक्त किए जाने ग्रामीण एवं नगरीय कार्यकर्ताओं ने आभार व्यक्त किया इसमें मुख्य रूप से जनपद पंचायत हनुमना पूर्व अध्यक्ष बंशमणि प्रसाद शुक्ला, मानस तिवारी, निलेश केसरी बच्चा, अरजेन्द्र गुप्ता, श्याम जी गुप्ता, अभिमन्यु टाल वाले, राजकुमार गुप्ता टाल वाले, खटखरी कांग्रेस मंडलम अध्यक्ष राजू गुप्ता, दिलीप गुप्ता, हनुमना कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष वीरेंद्र मिश्रा, ओबीसी अध्यक्ष महेश यादव, रतन यादव, रमेश यादव, पीके यादव ,रमोल यादव, ढाबा तिवारीयान सरपंच विनय तिवारी, गुड्डू गुप्ता गल्ला वाले खटखरी, मद्रासी गुप्ता छोटू हलवाई राजेश गुप्ता आदि लोगों ने खुशी एवं आभार व्यक्त किया।

मेडिकल स्टोर्स में उड़ाई जा रही नियमों की धज्जियां, ड्रग इंस्पेक्टर मौन

क्लिनिक भी चला रहे दुकानदार

हनुमना, नि.प्र.। मऊगंज जिले में मेडिकल स्टोर्स पर लगातार नियमों की अनदेखी के आरोप लगते रहे हैं। संवाददाता से बात करते हुए क्षेत्र के समाजसेवियों तथा ग्रामीणों ने बताया कि कई मेडिकल स्टोर्स बाहर के डॉक्टर को बुलाकर अवैध रूप से क्लिनिक भी चला रहे हैं। इस पर ड्रग इंस्पेक्टर द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जा रहा है। जिससे मेडिकल दुकानों के हौसले बुलंद होते दिख रहे हैं। मऊगंज जिला सहित अन्य क्षेत्रों में ड्रग इंस्पेक्टर के ढुलमुल रवैया के चलते मेडिकल की दुकानें पूरी तरह से परचून की दुकान सी प्रतीत होती है। उचित विधिक कार्यवाही के अभाव में आवश्यक नियमों की खुले आम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। डीआई की लचर व्यवस्था के चलते बाजार का आलम कुछ इस तरह हो चला है कि ज्यादातर मेडिकल स्टोर संचालकों का पूरा व्यापार ही सिर्फ केल्कुलेटर के सहारे चल रहा है। मेडिकल स्टोर से दवाईयां क्रय करने के बाद अगर कोई उपभोक्ता बिल की मांग करता है तो उसे कल और परसों की डेट दे दी जाती है। जानकारों की मानें तो नये नीति के तहत हर उपभोक्ता को क्रय की सामग्री का बिल देना अनिवार्य है। अगर कोई दुकानदार ऐसा करने में अनाकानी करता है तो शासन द्वारा इनसे निपटने के लिये सख्त कानून की व्यवस्था की गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर मऊगंज जिले में ज्यादातर मेडिकल दुकानों का रजिस्ट्रेशन किसी और के नाम से है और संचालित कोई और कर रहा है। अगर मेडिकल स्टोर का निरीक्षण किया जाए तो ज्यादातर दुकानों पर फार्मासिष्ट गायब ही मिलेगे। जो कि सिर्फ कागजों में देखने को मिलते हैं। शेष समय अयोग्य व्यक्ति द्वारा बिना जानकारी के यूं ही दवाई विक्रय की जाती है। ग्राहकों को क्रय किये गये दवाईयों के बिल न देने की एक वजह यह भी मानी जा रही है कि मेडिकल की दुकानों पर फार्मासिष्ट के कभी दर्शन ही नहीं मिलते हैं। स्थानीय नागरिकों ने संवाददाता को बताया कि मऊगंज जिले में ये अधिकारी कपड़ों की भांति बदले जाते हैं। मऊगंज जिले के प्रभारी ड्रग इंस्पेक्टर जिसके चलते बाजार एवं क्षेत्र में तानाशाही पूर्ण रवैया हावी हो चुका है। मऊगंज जिले में सेवा शुल्क के माध्यम से मेडिकल स्टोर का कारोबार संचालित किया जा रहा है।

इन जगहों पर संचालित हैं दुकानें : स्थानीय लोगों ने संवाददाता को बताया कि शासन द्वारा बनाये गये नियमों की वर्तमान समय में खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है जिसमें खासतौर पर ग्रामीण अंचलों में कई ऐसे मेडिकल स्टोर हैं जहाँ रजिस्ट्रेशन की बात तो दूर कई दुकानें झोलों में संचालित हो रही हैं। बात अगर नियमों की करें तो मऊगंज जिले में ही कई ऐसे चिहिंत दुकानदार हैं । जहां पर दुकानों पर कभी भी फार्मासिष्ट नहीं रहता है। साथ ही जीवन रक्षक दवाईयों में स्वच्छता का ध्यान दिया जाता है। जिले के ज्यादातर दुकानों में कई बार एक्सपाइरी दवाईयां भी देखने को मिल जाती हैं। सरकार द्वारा चलाई जा रही जीएसटी को पूर्णतः शिथिल किया जा चुका है। जीएसटी कर जो टैक्स भारत सरकार के खाते में जानी चहिये वह दो नम्बर की काली कमाई में जा रही है।

आखिर क्यों नहीं होती मेडिकल दुकानों पर कार्यवाही : स्थानीय लोगों ने संवाददाता से कहा कि मऊगंज जिले के अधिकतर मेडिकल दुकान नियमों को दरकिनार कर संचालन कर रहे हैं। इसके साथ ही क्लिनिक का काम भी शुरू कर दिए हैं। बाहर से डॉक्टर बुलाकर अपना व्यवसाय बढ़ाने के उद्देश्य से जनता की मोटी रकम ऐंठने का काम किया जा रहा है। बाहर से डॉक्टरों के नाम पर जनता को गुमराह करने का काम ऐसे मेडिकल स्टोर संचालकों द्वारा लगातार किया जा रहा है। आखिर ड्रग इंस्पेक्टर सहित जिला प्रशासन इस पर एक्शन क्यों नहीं ले रही है।

नो एंट्री में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रशासन नहीं लगा रहा लगाम

हनुमना नगर में जाम की समस्या के राहगीर हलाकान

हनुमना, नि.प्र.। मऊगंज जिले के हनुमना एवं मऊगंज नगर में जिला कलेक्टर द्वारा सुबह 7:00 बजे से रात 10:00 बजे तक नो एंट्री लगाई गई है। नगर में भारी वाहन, ट्रक, डंपर, हाईवा, बल्कर आदि भारी वाहनों पर रोक लगाने का आदेश दिया गया है लेकिन इन आदेशों को ताकपर रखा जा रहा है। स्थानीय निवासियों ने संवाददाता को बताया कि स्थानीय अधिकारियों की उदासीनता एवं दलालों की सांठगांठ के कारण कुछ चंद पैसों की लालच में नो एंट्री के बावजूद भी भारी वाहन को नगर में प्रवेश मिल जाता है और दुर्घटनाएं भी हो रही है। विगत दिनों नो एंट्री में भारी वाहन प्रवेश कर गया जिसमें एक साकेत परिवार की मौत हो गई। लोगों का कहना है कि 4 दिन तक शासन के द्वारा सख्ती दिखाई कि गई लेकिन अब यह व्यवस्था वापस पुराने रास्ते पर लौट आई है। लोगों ने संवाददाता को बताया कि शुक्रवार के दिन नो एंट्री पर एक भारी बल्कर प्रवेश कर गया जिससे सीधी चौराहा पर जाम लग गया। इस भारी वाहन के कारण कई छोटे वाहन जिसको इमरजेंसी है, कहीं जाना है, डिलीवरी, राजस्व विभाग, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हनुमान जाना है या अन्य कोई जरूरी काम अगर पड़ जाए तो जाम के कारण आम आदमी परेशान हो जाता है और इन भारी वाहनों के प्रवेश पर हनुमना शासन, प्रशासन उदासीन है। लोगों का कहना है कि स्थानीय अधिकारी के द्वारा कार्यवाही नहीं की जा रही है। लोगों का कहना है कि इसी जाम में डायल 112 नंबर भी गाड़ी जाम में फंसी थी, पर किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गई। लोगों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारी जाम को लेकर जरा भी तत्परता नहीं दिखा रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने आगे कहा कि यहां से ट्रैक्टर वाले खनिज सम्पदा आदि बिना कागजांच के धडल्ले से सुविधा शुल्क के माध्यम से बिना रोक टोक के मप्र से उप्र से उप्र से मप्र नो एंट्री होने के बावजूद भी लापरवाही पूर्वक ड्राइवर द्वारा ट्रैक्टर का आवागमन चालू है। लोगों का कहना है कि खबर प्रकाशित होने के बाद एक दो दिन कार्यवाई करके वाहवाही लूटते हैं और फोटो खीचकर उच्च अधिकारियों के सामने अपने जिम्मेदारी का एहसास दिलाते हैं, इसके बाद फिर पुराने ढर्रे पर लौट आते हैं।

असामाजिक तत्व शराब दुकान में पीकर राहगीरों से करते हैं मारपीट

सोहागी के ग्रामीणों ने की शराब दुकान हटाने की मांग

त्योंथर ब्यूरो । रीवा जिले के त्योंथर क्षेत्र में प्रशासनिक व्यवस्था पर स्थानीय निवासियों ने एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े किये हैं। ग्रामीणों ने संवाददाता को बताया कि सोहागी क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग 30 के पास रिहायशी इलाके में संचालित कंपोजिट देसी और अंग्रेजी शराब की दुकान स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का कारण बन चुकी है। स्थानीय रहवासियों का आरोप है कि इस शराब दुकान में खुलेआम शराब पिलाने की व्यवस्था कर दी गई है। दिनभर शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है और नशे में धुत लोग गाली-गलौज, अभद्र व्यवहार और आसपास रहने वाले परिवारों को परेशान करते रहते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शराब पीने के बाद कई लोग घरों की ओर पेशाब करते हैं, बोतलें फोड़ते हैं और अशोभनीय हरकतें करते हैं। जिससे वहां रहने वाले परिवारों, खासकर महिलाओं और छोटे-छोटे बच्चों पर बेहद खराब प्रभाव पड़ रहा है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस मामले की शिकायत कई बार स्थानीय प्रशासन, पुलिस और आबकारी विभाग से की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन की निष्क्रियता के कारण शराब माफियाओं के हौसले बुलंद हैं और उन्हें खुला संरक्षण मिल रहा है। लोगों का कहना है कि अब हालात ऐसे हो गए हैं कि घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि रिहायशी इलाके में संचालित इस शराब दुकान को तत्काल हटाया जाए और क्षेत्र में कानून व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

लगातार 3 हार के बाद दिल्ली कैपिटल्स को नसीब हुई जीत, राजस्थान रॉयल्स को 7 विकेट से रौंदा

जयपुर, जेएनएन। दिल्ली कैपिटल्स ने रोमांचक मैच में राजस्थान रॉयल्स को 7 विकेट से हराकर आईपीएल में अपनी चौथी जीत दर्ज की। राजस्थान की ओर से रखे गए 226 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने 3 विकेट के नुकसान पर जीत दर्ज कर ली। दिल्ली की आईपीएल इतिहास की अब तक सबसे बड़ी रन चेज है। दिल्ली कैपिटल्स ने 5 गेंद बाकी रहते मैच को जीत लिया। इससे पहले दिल्ली ने 210 रनों का लक्ष्य चेज किया था जो उसका सबसे बड़ा रन चेज था। इस जीत से दिल्ली पॉइंट टेबल में आठ अंकों के साथ छठे नंबर पर पहुंच गई। राजस्थान रॉयल्स द्वारा निर्धारित 225 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने बेहद आक्रामक शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका और केएल राहुल ने शुरुआती ओवरों से ही विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाना शुरू कर दिया था। निसांका ने महज 33 गेंदों में 62 रनों की तूफानी पारी खेलकर टीम की नींव रखी। पारी के बीच के ओवरों में दिल्ली ने पथुम निसांका और नितीश राणा के विकेट जरूर गंवाए, लेकिन केएल राहुल ने दूसरे छोर पर संयम और आक्रामकता का बेहतरीन संतुलन बनाए रखा। राहुल 40 गेंदों पर 75 रन की पारी खेलकर आउट हुए. उन्होंने छह चौके और पांच छक्के लगाए। राणा ने 17 गेंदों पर 33 रन बनाए। आशुतोष शर्मा ने नाबाद 25 रन बनाए वहीं ट्रिस्टन स्टब्स 18 रन बनाकर नाबाद लौटे।

दिल्ली का आईपीएल इतिहास की अब तक सबसे बड़ा रन चेज

पराग-जडेजा ने 53 रन की साझेदारी की

पराग ने जैमीसन की गेंदों पर लगातार तीन बाउंड्री लगाकर रन गति को इजाफा दिया, इनमें एक शानदार अपरकट भी शामिल था। जडेजा के स्टार्क की गेंद का शिकार होने से पहले उन्होंने और पराग ने चौथे विकेट के लिए 53 रन जोड़े। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्टार्क ने पराग की पारी का भी अंत कर दिया जो कवर्स के ऊपर से खेलने की कोशिश में सीधे गेंद अक्षर के हाथों में दे बैठे। फरेरा ने फिर उपयोगी योगदान दिया जिसमें उन्होंने स्टार्क की गेंदों पर लगातार एक चौका और एक छक्का भी जड़ा।

मिचेल स्टार्क ने 40 रन देकर 3 विकेट लिए

दिल्ली कैपिटल्स के लिए सत्र का पहला मैच खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने 40 रन देकर तीन विकेट झटके। सूर्यवंशी को काइल जैमीसन ने यॉर्कर गेंद पर आउट किया जबकि जायसवाल भी स्टार्क को रिटर्न कैच दे बैठे। मेजबान टीम ने दो ओवर में 12 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। खराब फॉर्म से जूझ रहे बल्लेबाज पराग की स्टार्क के खिलाफ घबराहट साफ झलक रही थी लेकिन पराग ने छठे ओवर में जैमीसन की जमकर धुनाई की और लगातार छक्का, चौका और छक्का जड़कर आत्मविश्वास हासिल किया।

कप्तान रियान के दम पर 225 का स्कोर बनाया

इससे पहले, राजस्थान रॉयल्स ने कप्तान रियान पराग (90 रन) के अर्धशतक और अंत में डोनोवन फरेरा (14 गेंद में नाबाद 47 रन) की ताबड़तोड़ पारी की बदौलत 6 विकेट पर 225 रन बनाए। पराग ने आठ चौके और पांच छक्के जड़ित 50 गेंद की पारी से अपने आस पास की कई चिंताओं को दूर कर दिया क्योंकि वह इस सत्र में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे। उनकी मैदान पर ही मुश्किल काफी नहीं थीं कि उन्हें डगआउट में 'वेपिंग' करते हुए कैमरे में कैद कर लिया गया जिससे बीसीसीआई ने उन पर 25 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगा दिया।इसलिए उन्हें बहुत कुछ साबित करना था और इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने शानदार अंदाज में ऐसा करते हुए आईपीएल 2026 में अपना पहला पचासा बनाया।

भुवनेश्वर कुमार ने रचा इतिहास

टी20 में 350 विकेट लेने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज बने

नई दिल्ली, जेएनएन। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में गुरुवार (30 अप्रैल) को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने गुजरात टाइटंस के ओपनर साई सुदर्शन को आउट करके इतिहास रच दिया। वह टी20 में 350 विकेट लेने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज बने। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे भारतीय बने। युजवेंद्र चहल के नाम सबसे ज्यादा विकेट हैं। लिस्ट में तीसरे नंबर पर जसप्रीत बुमराह हैं। चहल ने 337 मैचों में 391 विकेट लिए हैं। भुवनेश्वर कुमार ने 325वें मैच में 350 का आंकड़ा पार किया। जसप्रीत बुमराह के 278 मैच में 347 विकेट हैं। गुजरात टाइटंस के खिलाफ भुवनेश्वर कुमार ने 4 ओवर में 28 रन देकर 3 विकेट लिए। उन्होंने साई सुदर्शन के अलावा शुभमन गिल 18 गेंद पर 43 और जोस बटलर 19 गेंद पर 39 रन को आउट किया। भुवनेश्वर ने 3 विकेट लेकर पर्पल कैप पर कब्जा जमा लिया। उनके 17 विकेट हो गए।

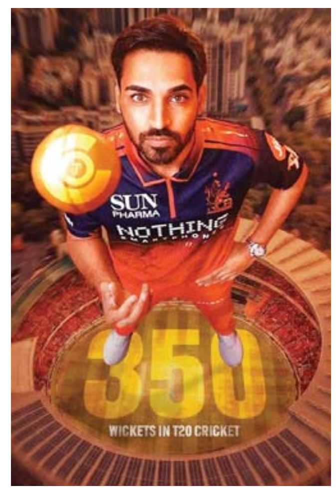

टी20 में 350 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर

गुरुवार को आरसीबी के भुवनेश्वर कुमार ने गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन को आउट कर यह मील का पत्थर पार किया। वह टी20 में 350 विकेट पूरे करने वाले दूसरे भारतीय और पहले तेज गेंदबाज बने। युजवेंद्र चहल (391 विकेट) ही उनसे आगे हैं। भुवनेश्वर कुमार 350 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। जसप्रीत बुमराह 278 मैचों में 347 विकेट के साथ तीसरे पर है।

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

केएल राहुल (दिल्ली)	433
अभिषेक (हैदराबाद)	425
क्लासैन (हैदराबाद)	414

पर्पल कैप (गेंदबाज)

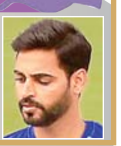

भुवनेश्वर (बेंगलुरू)	17
इशान मलिंगा (हैदराबाद)	15
आर्चर (राजस्थान)	15

बाउंड्री मीटर

790 छक्के
1354 चौके
84 अर्धशतक

दिल्ली कैपिटल्स के लिए सत्र का पहला मैच खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने 40 रन देकर तीन विकेट झटके।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
पंजाब	8	6	1	13	1.043
बेंगलुरु	9	6	3	12	1.420
हैदराबाद	9	6	3	12	0.832
राजस्थान	10	6	4	12	0.510
गुजरात	9	5	4	10	-0.192
दिल्ली	9	4	5	8	-0.895
चेन्नई	8	3	5	6	-0.121
कोलकाता	8	2	5	5	-0.751
मुंबई	8	2	6	4	0.784
लखनऊ	8	2	6	4	-1.106

थामस कप: लक्ष्य, सात्विक-चिराग ने दिलाई भारत को चीनी ताइपे पर बढ़त

होर्सेंस (डेनमार्क), जेएनएन। लक्ष्य सेन की जोरदार वापसी के बाद सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी ने भी तीन गेम तक चले मुकाबले में जीत दर्ज की जिससे भारत ने शुक्रवार को यहां थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल्स के क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे के खिलाफ 2-0 की बढ़त हासिल कर ली। लक्ष्य ने दो मैच प्वाइंट बचाते हुए विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चोउ टिएन चेन को हराकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। लक्ष्य इस मैच में अधिकतर समय पीछे चल रहे थे लेकिन उन्होंने गजब का जुझारूपन दिखाया तथा एक घंटे और 28 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में 18-21, 22-20, 21-17 से जीत दर्ज की। चोउ ने पहला गेम में 10-15 से पिछड़ने के बाद जीता, लेकिन दूसरे गेम में लक्ष्य ने दबाव में शानदार वापसी की। भारतीय खिलाड़ी ने 13-17 से पीछे रहने के बाद लगातार चार अंक जीतकर स्कोर बराबर कर लिया। चोउ को दो मैच प्वाइंट मिले, लेकिन लक्ष्य ने अपना संयम बनाए रखा और दोनों को बचाकर मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। तीसरे गेम में 36 वर्षीय चोउ शारीरिक रूप से कमजोर पड़ते नजर आए और लक्ष्य ने इंटरवल तक 11-7 की बढ़त के साथ अपनी स्थिति मजबूत कर ली। इसके बाद भी उन्होंने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा और मैच जीतने में सफल रहे। दूसरा गेम भी काफी कड़ा रहा। शुरुआत में दोनों जोड़ियां 8-8 के स्कोर पर बराबरी पर थीं। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद 14-11 की बढ़त बनाई लेकिन ताइवानी खिलाड़ियों ने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद आक्रामक खेल का सिलसिला जारी रहा, जिसमें दोनों टीमों का पलड़ा बराबर रहा लेकिन आखिर में चियू और वांग ने बढ़त बनाकर मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया।

भारत मजबूत स्थिति में

सात्विक और चिराग की युगल जोड़ी ने चियू सियांग चिएह और वांग ची-लिन को एक घंटे और 15 मिनट में 23-21 19-21 21-12 से हराकर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। एशियाई चैंपियनशिप के फाइनलिस्ट आयुष शेट्टी जब दूसरे एकल मुकाबले में विश्व के नंबर आठ और मौजूदा ऑल इंग्लैंड चैंपियन लिन चुन-यी से भिड़ेंगे तो भारत इस मुकाबले को अपने नाम करने की कोशिश करेगा। अन्य मैचों में हरिहरन आमसकारुनन और एमआर अर्जुन की जोड़ी का सामना लियू कुआंग हेंग और यांग पो-ह्सुआन से जबकि किदाम्बी श्रीकांत का सामना ची यू जेन से होगा।

यूरोपा लीग: वुड के गोल से नॉटिंघम फॉरेस्ट ने एस्टन विला पर बढ़त बनाई

इस्तांबुल। क्रिवुड के करियर के 200वें गोल से नॉटिंघम फॉरेस्ट ने यूईएफए यूरोपा लीग के सेमीफाइनल के दूसरे लेग में एस्टन विला के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल की। इस जीत ने फॉरेस्ट को फाइनल की दौड़ में मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया है। मैच की शुरुआत में दोनों टीमें बेहद रक्षात्मक नजर आईं, लेकिन फॉरेस्ट ने धीरे-धीरे खेल पर पकड़ बनानी शुरू कर दी। मॉर्गन गिब्स-व्हाइट ने दो अच्छे मौके बनाए, हालांकि वह उन्हें गोल में नहीं बदल सके। इलियट एंडरसन ने भी एक कोशिश की, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। दूसरी ओर, एस्टन विला ने भी जवाबी हमला किया। मॉर्गन रोजर्स के शानदार कर्लिंग शॉट को स्टीफन ऑर्टेगा ने बेहतरीन तरीके से रोक लिया। फॉरेस्ट का दबाव लगातार बना रहा। एमिलियानो मार्टिनेज को इगोर जीसस के प्रयास को गोल लाइन पर रोकने के लिए तेज प्रतिक्रिया दिखानी पड़ी। दूसरे हाफ में भी मुकाबला कड़ा रहा, जहां ओली वॉटकिंस को पॉइंट-ब्लैंक रेंज से गोल करने से ऑर्टेगा ने शानदार बचाव कर रोका। मैच के अंतिम पलों में निर्णायक मोड़ आया। ओमारी हचिंसन ने गेंद को खेल में बनाए रखा, जिसके बाद लुकास डिग्ने के हैंडबॉल के चलते पेनल्टी मिल गई। इस मौके पर क्रिस वुड ने कोई गलती नहीं की और दमदार शॉट के साथ गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। मैच के बाद वुड ने कहा कि यह दो लेग की टाई का केवल पहला हिस्सा है और असली चुनौती अभी बाकी है।

महिला वनडे रैंकिंग: आस्ट्रेलिया का दबदबा, भारत दूसरे स्थान पर

नयी दिल्ली, जेएनएन। इंग्लैंड ने ताजा महिला वनडे रैंकिंग में मौजूदा विश्व चैंपियन भारत पर अपनी बढ़त बढ़ा ली है और चार अंक की बढ़त से दूसरे स्थान पर है जबकि हरमनप्रीत कौर की टीम इस सूची में तीसरे स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया 163 रैंकिंग अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर बरकरार है। पिछले साल दक्षिण अफ्रीका पर जीत के साथ अपना पहला वनडे विश्व कप खिताब जीतने वाली भारतीय महिला टीम ने तब से तीन वनडे खेले हैं जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने श्रृंखला 3-0 से क्लीन स्वीप की। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, इंग्लैंड ने भारत पर अपनी बढ़त एक अंक से बढ़ाकर चार अंक कर ली है और वह 128 अंकों पर है। भारत (124), दक्षिण अफ्रीका (100), न्यूजीलैंड (93) और श्रीलंका (89) अन्य टीमें हैं जिन्होंने अपनी स्थिति बरकरार रखी है। पिछली रैंकिंग में भारत के पास 125 अंक थे जो इंग्लैंड के 126 अंक से महज एक कम था। वहीं चार अंकों की गिरावट के बावजूद ऑस्ट्रेलिया रैंकिंग में शीर्ष पर बना हुआ है। श्रीलंका को अपडेट के बाद छह अंकों का फायदा हुआ है जिससे न्यूजीलैंड के साथ उसका अंतर 13 से घटकर चार हो गया है जबकि बांग्लादेश ने पाकिस्तान को पीछे छोड़कर सातवां स्थान हासिल कर लिया है। विज्ञप्ति के अनुसार, थाईलैंड और नीदरलैंड फिलहाल तालिका से बाहर हो गए हैं, क्योंकि उन्होंने पिछले तीन वर्षों में जरूरी आठ वनडे नहीं खेले हैं।

आईपीएल की सबसे सफल टीमों चेन्नई और मुंबई के बीच होगा करो या मरो का मुकाबला

चेन्नई, जेएनएन। अब तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं करने वाली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस की टीमों के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को यहां करो या मरो का मुकाबला होगा, जिसमें दोनों का लक्ष्य प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने की उम्मीद बनाए रखना होगा। आईपीएल इतिहास की दो सबसे सफल टीम का अब तक का अभियान निराशाजनक रहा है और वे लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही हैं। सीएसके के लिए एमए चिदंबरम स्टेडियम की परिस्थितियां अनुकूल रही हैं लेकिन उनके प्रदर्शन में वह प्रभाव देखने को नहीं मिला है जो वर्षों से उसकी पहचान रही है।

सीएसके की बल्लेबाजी गेंदबाजों के दबाव में: सीएसके की बल्लेबाजी में निरंतरता का अभाव रहा है। विशेषकर उसके बल्लेबाज बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उसके गेंदबाज भी दबाव वाली परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए जूझ रहे हैं।

मंबई के मध्यक्रम और गेंदबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक: मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन भी इस सत्र में उतार-चढ़ाव वाला रहा है। शीर्षक्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के बावजूद, पांच बार की चैंपियन टीम को कमजोर मध्यक्रम और गेंदबाजों ने निराश किया है। उसके गेंदबाज स्कोर का बचाव करने और महत्वपूर्ण मौकों पर विपक्षी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में नाकाम रहे हैं।

एआई जनरेटेड

दोनों टीमों में अस्तित्व की लड़ाई

सीएसके को उम्मीद होगी कि उसके स्पिनर चेपॉक की धीमी पिच का फायदा उठाने में सफल रहेंगे, जबकि मुंबई की टीम स्पिनरों का मुकाबला करने के लिए अपने पावर हिटर्स पर निर्भर रहेगी। चेन्नई और मुंबई की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए दोनों में से कोई भी टीम इस मैच में स्पष्ट रूप से जीत की हकदार नहीं है, जिससे यह मुकाबला आईपीएल की पारंपरिक रूप से सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता में वर्चस्व की लड़ाई के बजाय अस्तित्व की लड़ाई बन गया है।

मैदान से हटकर

अनुष्का का बर्थडे सेलिब्रेट करने मुंबई पहुंचे विराट

विराट कोहली शुक्रवार को पत्नी अनुष्का शर्मा का 38वां जन्मदिन सेलिब्रेट करने के लिए मुंबई आए। कोहली अहमदाबाद में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटन्स के बीच आईपीएल 2026 का मैच खेलने के बाद मुंबई पहुंचे। वो सुबह मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए। एयरपोर्ट पर पैपराजी ने कोहली से अनुष्का को जन्मदिन की बधाई देने के लिए कहा। विराट और अनुष्का की 11 दिसंबर 2017 को इटली में शादी हुई थी। उनके दो बच्चे हैं। बेटी वामिका का जन्म 11 जनवरी 2021 और बेटे अकाय का जन्म 15 फरवरी 2024 को हुआ था। विराट और अनुष्का हाल ही में वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचे थे। कपल ने अक्षय तृतीया पर 19 अप्रैल को वृंदावन पहुंचकर संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। दोनों ने प्रेमानंद महाराज का सत्संग भी सुना। दोनों सुबह करीब 10 बजे संत प्रेमानंद महाराज के गुरु संत हित गौरांगी शरण महाराज के वराह घाट स्थित आश्रम पहुंचे थे। यहां दर्शन कर फिर होटल लौटे और करीब 11 बजे रवाना हो गए थे।विराट और अनुष्का ने अब 6 बार संत प्रेमानंद से मुलाकात कर ली है। पहली बार 4 जनवरी, 2023 को दोनों संत प्रेमानंद से मिले थे। बीते 16 महीनों में दोनों की यह 5वीं मुलाकात है। 16 फरवरी को बेटे अकाय के जन्मदिन के बाद भी दोनों यहां आए थे।

अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स: मंत्री सारंग ने शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण कार्य के दिए निर्देश

भोपाल, खेल प्रतिनिधि। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने बरखेड़ा नाथू स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान कार्यों की गुणवत्ता अपेक्षित स्तर पर नहीं पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने एमपीआरडीसी के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए निर्देश दिए कि खेल परिसर के सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से शीघ्र पूर्ण किए जाएं। मंत्री सारंग ने निर्देशित किया कि कॉम्पलेक्स के हैण्डओवर और टेकओवर की प्रक्रिया का पूर्ण वेरिफिकेशन किया जाए। बिना तकनीकी सत्यापन के किसी भी संरचना का हैंडओवर न लिया जाए। साथ ही, सभी मरम्मत योग्य कार्यों का विस्तृत फ्लो चार्ट बनाकर चरणबद्ध मरम्मत योजना तैयार की जाए, जिससे कार्यों में पारदर्शिता और गति बनी रहे। परिसर में पानी, बिजली, स्वच्छता, पार्किंग, आईटी सर्वर रूम सहित सभी आवश्यक मूलभूत एवं आधुनिक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कॉम्पलेक्स के सुचारु संचालन के लिए प्रशासनिक भवन, सर्वर रूम, आईटी रूम और आधुनिक ऑडिटोरियम के निर्माण हेतु ठोस कार्य-योजना तैयार की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि परिसर में बिजली की आवश्यकता के लिए सोलर एनर्जी के उपयोग पर विशेष जोर दिया जाए। साथ ही, प्रदेश के सभी खेल परिसरों में सोलर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे ऊर्जा संरक्षण के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिले। बैठक में खेल एवं युवा कल्याण संचालक अंशुमान यादव, संयुक्त संचालक बी.एस. यादव, निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

55वीं केंद्रीय विद्यालय संगठन संभागीय खेलकूद हुए संपन्न

भोपाल, खेल प्रतिनिधि। भोपाल संभाग के अंतर्गत बॉक्सिंग, स्केटिंग, बैडमिंटन एवं रोप स्किपिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-3, भोपाल में सफलतापूर्वक किया गया। बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन टी.टी. नगर स्टेडियम में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के अंडर-14 बालक वर्ग में प्रणव मंडलोई (अलीराजपुर), साहित्य सिंह (केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-3 भोपाल, शिफ्ट-2), इब्राहिम शेख (केंद्रीय विद्यालय बीना), विष्णु राय (केंद्रीय विद्यालय बीना), आराध्य रावत (केंद्रीय विद्यालय बीना), कुणाल जाटव (केंद्रीय विद्यालय बीना), प्रणव दुबे (केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 भोपाल), नैतिक (केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-3 भोपाल, शिफ्ट-1), हेमंत कुमार (केंद्रीय विद्यालय बीना) एवं श्लोक शुक्ला (केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 भोपाल) ने अपने-अपने भार वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

पाकिस्तानी बोले- वैभव के बैट में लगी है एआई चिप

वैभव ने दिया जवाब-भगवान ने लगाकर दी है

पटना, जेएनएन। बिहार के 15 साल के वैभव सूर्यवंशी अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से आईपीएल 2026 में धूम मचा रहे हैं। उनकी बैटिंग की चर्चा अब पाकिस्तान तक पहुंच गई है। पाकिस्तान के क्रिकेट एक्सपर्ट नौमान नियाज का मानना है कि वैभव के बैट में एआई चिप लगा हुआ है, जिसके कारण वह लंबे-लंबे छक्के लगा रहे हैं। इस पर राजस्थान रॉयल्स ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वैभव से सवाल पूछा गया- क्या आपके बैट में एआई चिप लगा हुआ है। इसपर वैभव ने कहा, भगवान ने लगा कर दिया है। ऊपर ही बोला था कि बैट में तुम्हारे कुछ लगाकर दे रहा हूं। उसी का इस्तेमाल कर रहा हूं। राजस्थान के लिए इस सीजन में वैभव सूर्यवंशी ने 9 मैचों में 400 रन बनाए हैं। जिसमें 1 शतक और 2 अर्धशतक शामिल हैं। खास बात ये है कि उनके 350+ रन सिर्फ चौकों-छक्कों से आए हैं।

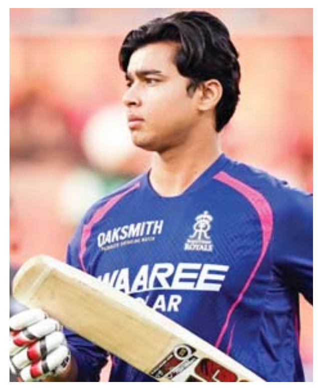

Dr. Juneja's EYE Mantra

दीजिए अपनी आँखों को कुदरती आई मंत्रा

प्रयोग विधि: 2 से 3 ड्रॉप्स दिन में तीन बार या चिकित्सकीय परामर्शानुसार इस्तेमाल करें।

12 गुणकारी आयुर्वेदिक औषधियों जैसे गुलाब, तुलसी, आंवला, नीम, पुदीना, शहद इत्यादि के योग से बनी 'आई मंत्रा' आयुर्वेदिक आई ड्रॉप्स आँखों में होने वाली समस्याओं जैसे आँखों की थकान, आँखों का सूखापन, आँखों पर दबाव कम कर उन्हें स्वस्थ व शीतल रखने में सहायक है। आयुर्वेदिक होने के कारण यह सुरक्षित है एवं इसका आँखों पर कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता।

24x7 Helpline: 8196822222 • www.eyemantra.com

हनी ट्रैप मामले के दो आरोपी उड़ीसा से किए गए गिरफ्तार

पूर्व जनपद अध्यक्ष का आपत्तिजनक वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का मामला

जागरण, रीवा। मऊगंज जिले में वायरल हुए एक वीडियो में पूर्व जनपद उपाध्यक्ष एक युवती के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिख रहे थे। वीडियो सामने आते ही युवती अपने कथित प्रेमी के साथ फरार हो गई। शिकायत के बाद पुलिस ने हनी ट्रैप का मामला दर्ज किया और साइबर सेल की मदद से वीडियो वायरल करने वाले दोनों आरोपियों को उड़ीसा के सुंदरगढ़ जिले से गिरफ्तार कर मऊगंज ले आई। जांच में खुलासा हुआ कि यह कहानी करीब 8-9 महीने पुरानी है। जुलाई 2025 में दोनों बराव रोड पर किराए से रहते थे। बाद में 25 दिसंबर को दुवगवा कुर्मियांन गांव में सरकारी स्कूल के पास कैफे खोला गया। जहां चाय-कॉफी के बहाने लोगों को बुलाकर निजी वीडियो रिकॉर्ड कर ब्लैकमेल करने के आरोप हैं। स्थानीय लोगो के विरोध के बाद आरोपी बस स्टैंड और पुलिस कंट्रोल रूम के पास फिर सक्रिय हो गए। एफआईआर के अनुसार, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि नशीला पदार्थ पिलाकर वीडियो बनाया गया और 5 लाख रुपये मांगे गए। आरोपियों के मोबाइल जांच में पुलिस को कई सबूत मिले हैं। दोनों आरोपी जेल भेजे गए हैं, पुलिस इनके नेटवर्क की जांच में जुटी है।

पेड़ काटने के विवाद में दो पक्षों में खूनी संघर्ष वृद्ध की मौत

जागरण, रीवा। मऊगंज जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत खटखरी चौकी अंतर्गत देवरा गांव में शुक्रवार की दोपहर करीब तीन बजे साहू परिवार के दो पक्षों के बीच जमीनी विवाद में खूनी संघर्ष हुआ। पेड़ काटने और आग लगाने को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच हुए विवाद में जमकर लाठी-डंडे चले, जिसमें एक वृद्ध व्यक्ति गिरजा प्रसाद साहू पिता तेजा साहू 65 वर्ष निवासी देवरा की मौत हो गई जबकि दोनों पक्षों से करीब 10 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को उपचार के लिए हनुमना ले जाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान गिरिजा प्रसाद साहू के परिवार का विवारद रिश्ते में भतीजे राम नगर साहू, मुरुली साहू के साथ चल रहा था। बताया जा रहा है कि पारिवारिक विवाद को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते विवाद हिंसक हो गया। मारपीट में गंभीर रूप से घायल गिरिजा प्रसाद साहू को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना में मृतक तीन बेटे और बहू को भी गंभीर चोट आई है, जबकि दूसरे पक्ष के भी आधा दर्जन लोग घायल बताए जा रहे है। घटना की सूचना मिलते ही शाहपुर थाना और खटखरी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची तथा स्थिति को नियंत्रित किया। बताया जा रहा है कि पुलिस ने वृद्ध की मौत के बाद तीन लोगों को अपनी कस्टडी में लिया है, जबकि घायलों को उपचार के लिए हनुमना स्थित अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दो बाइकों की भीषण भिड़ंत में 6 घायल

जनेह थाना क्षेत्र में सामने आई सड़क दुर्घटना

जागरण, रीवा। जनेह थाना क्षेत्र अंतर्गत पटेहरा गांव में तेज रफ्तार दो बाइकों के बीच आमने सामने से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक में सवार 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइकें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं साथ ही घायलों की चीख-पुकार शुरू हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही जनेह थाना प्रभारी सहित पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची, जिसके बाद डायल 112 और पुलिस प्रशासन की सक्रियता के चलते सभी घायलों को बिना देरी किए त्योंथर सिविल अस्पताल भिजवाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने सभी 6 घायलों की स्थिति को गंभीर देखते हुए उन्हें इलाज के लिए संजय गांधी अस्पताल रीवा रेफर किया है जहां उनका उपचार चिकित्सकों द्वारा किया जा रहा है।

स्कार्पियों की टक्कर से बाइक सवार गंभीर : सेमरिया थाना पटेहरा में एक तेज रफ्तार स्कार्पियो ने बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक अचानक तेजी से आ रही स्कार्पियों से बाइक सवार की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में युवक को गंभीर चोट पहुंची जिसके बाद स्थानीय लोगों ने सूचना पुलिस को दी। घायल को एंबुलेंस के माध्यम से संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

मनगवां में कार चोरी, अज्ञात बदमाशों ने दिया वारदात को अंजाम

रीवा। मनगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत तिवनी बस्ती रोड मे देर रात अज्ञात बदमाशों ने एक कारोबारी की कार चोरी कर ली। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति बन गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तिवनी बस्ती रोड निवासी स्टील आयरन कारोबारी अभिषेक विश्वकर्मा ने अपनी मारुति 800 कार घर के पास खड़ी की थी। देर रात अज्ञात चोर वाहन को पार कर ले गए। सुबह जब वाहन मालिक बाहर निकले तो कार गायब मिली। घटना की जानकारी लगते ही पीड़ित ने मनगवां थाना पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है।

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर

डॉ. सिद्धार्थ तिवारी MBBS, MD (Dermatology & STD)

परामर्श शुल्क मात्र 300/-

मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे साय 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)

चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ

कामता मेडिकल ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.) 9399312433 9981287311

वृद्ध महिला को कमरे में बंद कर चुरा ले गए लाखों के आभूषण

बिछिया थाना क्षेत्र के कोठी गांव की घटना

जागरण, रीवा। शहर के बिछिया थाना क्षेत्र के कोठी गांव में चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया। अज्ञात चोरों ने घर में अकेली वृद्ध महिला को कमरे में बंद कर चोरी की घटना को अंजाम दिया इसके बाद फरार हो गए। बताया गया कि परिवार के लोग एक तेरहवी कार्यक्रम में गए हुए थे, इसी दौरान अकेली बुजुर्ग महिला को कमरे में बंद कर चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। चोरों ने घर में रखी अलमारी और पेटी का ताला तोड़कर लाखों कीमती सोने चांदी के जेवरात पार कर दिए हैं। घटना बीती रात की बताई गई है। चोरी की इस घटना के बाद पीड़ित परिवार ने थाने पहुंचकर चोरी की शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़ित परिवार की माने तो चोरों ने तकरीबन 6 लाख कीमती जेवर सहित नकदी को पार कर दिया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम कोठी निवासी संदीप पटेल गुरुवार को अपने परिवार के साथ 13वीं कार्यक्रम में शामिल होने शिवपुरवा गया हुआ था। बताया गया कि घर में सिर्फ बुजुर्ग महिला थी, जहां बीती रात पहुंचे अज्ञात चोरों ने महिला को घर के ही एक कमरे में बंद कर दिया और चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। बताया जा रहा है कि पीड़ित परिवार ने अपनी बेटी की शादी के लिए गहने जुटा कर रखे थे, जिस पर अज्ञात चोरों ने हाथ साफ कर दिया है। बताया जा रहा है कि शातिर चोरों द्वारा पड़ोस में रहने वाले अरुण पांडे के नवनिर्मित मकान का भी ताला तोड़ा है। फिलहाल बिछिया पुलिस अज्ञात चोरों के विरुद्ध मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारियों के नाम पर धौंस भरी धमकी देते ऑडियो वायरल

जागरण, रीवा। सोशल मीडियो में वायरल एक ऑडियो इस समय सुर्खियों में है। वायरल ऑडियो में एक शख्स खुद को मुकेश सिंह बताते हुए न केवल बड़े पुलिस अधिकारी का नाम ले रहा है बल्कि खुलेआम धमकी भी देता सुनाई दे रहा है। वायरल आड़ियो में युवक यह कहता सुनाई पड़ रहा है कि आइजी उनका भाई है और जब चाहे जिसे वो उठवा सकता है। ऑडियो में कथित व्यक्ति की भाषा बेहद आक्रामक और आपत्तिजनक बताई जा रही है। बातचीत में युवक सामने वाले को गाली देते हुए कहता है तुम मुझे नहीं जानते और आगे 25 पउआ जब्त करके ले आए हो जैसी बातें करता है। अंदेशा लगाया जा रहा है कि मामला अवैध शराब पैकारी से जुड़ा हो सकता है जहां दबाव और धमकी के जरिए अपना वर्चस्व बनाए रखने की कोशिश की जा रही है। हालांकि इस वायरल ऑडियो की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। आईजी गौरव राजपूत से भी फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन संपर्क नहीं हो सका। पुलिस विभाग की ओर से भी इस मामले में कोई स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है। जानकारों का मानना है कि इस मामले की निष्पक्ष और तकनीकी जांच बेहद जरूरी है। अगर ऑडियो सही पाया जाता है तो यह केवल एक व्यक्ति की धमकी नहीं बल्कि कानून व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी हो सकती है। बहरहाल अब जिम्मेदारों की जांच पर सबकी निगाहें टिकी है।

प्रवेश प्रारंभ प्रवेश प्रारंभ प्रवेश प्रारंभ

NCVT & DGET भारत सरकार से मान्यता प्राप्त

सतपुड़ा I.T.I.

'हुनर से रोजगार तक हम आपके साथ है'

ELECTRICIAN 2 YEARS
FITTER 2 YEARS
COPA 1 YEARS

प्रवेश प्रारंभ सत्र- 2026-27

ST/SC/OBC के छात्रों को शासन द्वारा छात्रवृत्ति की सुविधा

Eligibility 10th Pass

प्रवेश हेतु संपर्क करें पता- बारयांकला सीधी रोड, मऊगंज (म.प्र.) मो.:- 7000558230, 6262604132, 7999190729

SHRI RAMKRISHNA COLLEGE OF PHARMACY

PCI APPROVED/9649

APPROVED BY: PCI NEW DELHI AND AFFILIATED TO RGPV BHOPAL (M.P.)

B.Pharma D.Pharma

REGISTRATION OPEN Session 2026-27

6262084843, 9183484843

Campus -Deora, Airport road chorahata,Rewa (M.P)

डॉ. बीरभान सिंह

एम.डी. (मेडिसिन) DrNB (न्यूरोलॉजी) पी.जी.आई.एम.एस. रोहतक

कंसल्टेन्ट न्यूरोलॉजिस्ट

उपलब्ध सुविधाएं

पता: श्रवण कुमारी स्कूल के पास,गुढ़ रोड चिरहुला, रीवा (म.प्र.) मो. 7869516171

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ

डॉ. कोम्पल अग्रवाल MBBS, MD (Dermatology & STD)

चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ

समय-प्रतिदिन सुबह 10 से 2 एवं शाम 4 से 7 बजे तक रविवार अवकाश

परामर्श:- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद दाग, चेहरे की कील, मुंहासे, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।

मो.-7247097637

परामर्श शुल्क 300/- परामर्श क्लीनिक: शॉप नं. 86 तानसेन कॉम्प्लेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

Minerva मिनर्वा द मेडिसिटी

मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, रीवा

जन्मजात बाल्य हृदय रोग एवं बाईपास सर्जरी

आयुष्मान कार्ड के तहत निःशुल्क इलाज

फोर्टिस हॉस्पिटल के विशेषज्ञों द्वारा

विशेष सूचना

कार्डियक सर्जरी पुनः निःशुल्क उपलब्ध

असुविधा से बचने के लिए पूर्व में ही रजिस्ट्रेशन करवाएं

खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैंड, रीवा (म.प्र.)

9893516364, 8770288324 | टोल-फ्री नंबर:- 18008892250

BBS MEMORIAL HR. SEC. SCHOOL AZAD NAGAR, REWA (M.P.)

BBS KIDS ZONE 9424777617

More than 50 student Scored 90% in Board Examination

Vishesh Harshita Priyanshi

मध्यप्रदेश टॉप 10 में निरंतर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

NEET selected IIT selected

ADMISSION OPEN For Nursery to 12th

NO ADMISSION FEE

स्वास्थ्य परीक्षण एवं जाँच शिविर

दिनांक 03 मई 2026 दिन-रविवार, सुबह 10 बजे से दोपहर 03 बजे तक

श्वांस, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, थायराइड, पेट, हृदय रोग एवं डायबिटिक फुट जैसे शुगर की वजह से पैरों के तलवों में इन्फेक्शन हो जाना और काफी दिनों तक ठीक न होना रोगों से परेशान मरीज एक बार जरूर मिले

डॉ. के.वी. सिंह

एम.बी.बी.एस., डी.एन.बी. (मेडिसिन) PGMO (मेडिसिन) जिला चिकित्सालय, रीवा डायबिटीज एवं डायबिटिक फुट स्पेशलिस्ट एवं फेमिली केयर सेंटर, रीवा Family Physician & Diabetologist

रजिस्ट्रेशन शुल्क 200/- मात्र

शुगर, थायराइड एवं लीवर की बीमारियों का विशेष कैम्प लगेगा जिसमें निम्न जाँचों में विशेष छूट में की जाएगी।

ब्लड शुगर | यूरिक एसिड | न्यूरोपैथी (पैरों की नसों की जाँच)	फ्री
थायराइड (T3,T4,TSH)-50/- मात्र	50/- मात्र
लिपिड प्रोफाइल (कोलेस्ट्रॉल की जांच) मात्र 100 रुपए में	100/- मात्र
एच बी ए 1 सी (ब्लड शुगर की 3 महीने की औसत जांच) मात्र 100 रुपये में	100/- मात्र
LFT (लीवर की ब्लड की जाँच)	200/- मात्र
PFT फेफड़े की जाँच	100/- मात्र
फाइब्रोस्केन (लीवर की अंदरूनी जांच) 3500 वाली जांच	300/- मात्र

पता-शॉप नं.39, मनोज मेडिकल स्टोर के सामने तानसेन कॉम्प्लेक्स सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें - Mob-:9755282938, 9589832938

मिनर्वा आई.व्ही.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर) (निः संतान दंपतियों के लिए)

कम खर्च बेहतर इलाज

सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा

उपलब्ध सुविधाएँ: IUI, IVF, ICSI; फ्रोजन एंब्रियो ट्रांसफर साइकिल (FET); एग फ्रीजिंग; एंब्रियो फ्रीजिंग; स्पर्म फ्रीजिंग

डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा स्त्री एवं प्रसूति रोग MBBS, MD (ऑब्स & गायनी) फैलोशिप इन रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी

मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध

टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830

खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

डॉ. अनुशा पाण्डेय

एम.बी.बी.एस., एम.एस. (ऑब्स एण्ड गायनी) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, लेप्रोस्कोपिक सर्जन

संबंधित समस्याएँ

परामर्श समयः सुबह 11:00 बजे से सायं 07:00 बजे तक प्रतिदिन

निःशुल्क परीक्षण कैम्प हर महीने की 15 तारीख को समयः सुबह 11 से दोपहर 02 बजे तक

एच.बी. और सुगर जांच फ्री सोनोग्राफी में 20% की छूट

मिलने का पता श्री समाधान सोनोग्राफी सेंटर कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम के सामने शॉप नं.-39, 39A समदड़िया मेडिकल मॉल-रीवा

8085813545

विंध्य के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ

डॉ. पी.सी. द्विवेदी

एम.एस. (नेत्र) सेवानिवृत्त एवं पूर्व विभागाध्यक्ष

का नया पता

समयः सुबह 10 बजे से 2 बजे तक

जूनियर MIG-3 हेडगेवार नगर कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम के सामने, रीवा

आस्था मेडिकल स्टोर, ढेकहा तिराहा, रीवा

समयः शाम 5 बजे से 7 बजे तक

8966825155, 7225925922, 9179687302

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**

कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com